केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

# मालवा हेराल्ड

**सुविचार**

*जीवन में उस सुख का त्याग कर देना चाहिए जो किसी के दुख का कारण बने!!*

वर्ष : 16 अंक : 313 | उज्जैन, शनिवार 25 अप्रैल 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

## न्यूज ब्रीफ

### किसानों के लिए गुड न्यूज, नहीं बढ़ेंगे खाद के दाम; 25 लाख टन यूरिया आयात करने जा रही सरकार

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** खाड़ी संकट के कारण उर्वरकों की वैश्विक कीमतों में आई तेजी के बावजूद किसानों को सस्ती दरों पर खाद उपलब्ध कराने के लिए सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। खरीफ सीजन से पहले केंद्र सरकार एक साथ 25 लाख टन यूरिया आयात करने जा रही है, जो देश के कुल वार्षिक आयात का लगभग एक चौथाई है। आयात की जिम्मेदारी इंडियन पोटाश लिमिटेड (आईपीएल) को दी गई है। खास बात यह है कि यह यूरिया महज दो महीने पहले की तुलना में लगभग दोगुनी कीमत पर खरीदा जा रहा है, मगर इसका बोझ किसानों पर नहीं डाला जाएगा। खाड़ी देशों में बढ़ते तनाव के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधान के कारण वैश्विक सप्लाई चेन प्रभावित है। इससे अमोनिया और यूरिया जैसे उर्वरकों की उपलब्धता घटने के साथ उनकी कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। यही वजह है कि भारत को इस बार यूरिया 935 से 959 डॉलर प्रति टन की दर पर खरीदना पड़ रहा है, जबकि दो महीने पहले यही करीब पांच सौ डॉलर प्रति टन थी। सरकार ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि अनुदानित दर पर मिलने वाली खाद की कीमतों में कोई बदलाव नहीं होगा। यूरिया का 45 किलो का बैग 266.50 रुपये एवं डीएपी का 50 किलो का बैग 1350 रुपये में ही उपलब्ध रहेगा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें बढ़ने के बावजूद किसानों को राहत देने के लिए सरकार अतिरिक्त सब्सिडी का बोझ उठाएगी। इसी क्रम में केंद्रीय कैबिनेट ने इसी महीने खरीफ सीजन के लिए 41,533.81 करोड़ रुपये की उर्वरक सब्सिडी को मंजूरी दी है, जो पिछले साल से चार हजार करोड़ अधिक है। हालांकि इसका सीधा असर सरकारी कोष पर पड़ेगा। जब अंतरराष्ट्रीय कीमतें बढ़ती हैं और घरेलू कीमतें स्थिर रखी जाती हैं तो दोनों के बीच का अंतर सरकार को सब्सिडी के रूप में देना पड़ता है। देश में अभी यूरिया का संकट नहीं है, लेकिन निरंतरता को बनाए रखने के लिए यह आयात जरूरी है। सरकार ने आयात प्रक्रिया को केंद्रीकृत रखते हुए इंडियन पोटाश लिमिटेड को प्रमुख एजेंसी बनाया है।

### 'कैसी भाषा इस्तेमाल कर रहे अमित शाह, कह रहे उल्टा लटका देंगे', भड़कीं ममता बनर्जी

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर पलटवार किया है। उन्होंने शाह की दी गई चेतावनी पर कहा है कि वह कैसी भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं और कह रहे कि लोगों को उल्टा लटका देंगे। इस तरह भाजपा पश्चिम बंगाल को कभी नहीं जीत सकती है। राज्य में विधानसभा चुनाव चल रहे हैं। पहले चरण में 152 सीटों पर हुई वोटिंग में 92 फीसदी से ज्यादा वोट पड़े। अगला चरण 29 अप्रैल को होगा, जबकि चुनावी नतीजे चार मई को घोषित होंगे। हावड़ा में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, ÷गृह मंत्री अमित शाह किस तरह की भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं? आप कह रहे हैं कि चुनाव के बाद आप लोगों को उल्टा लटका देंगे। इस रवैये के साथ आप बंगाल को कभी नहीं जीत सकते, कभी नहीं।÷ एक जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था, ÷मैं दीदी के गुंडों को चेतावनी दे रहा हूं कि 29 तारीख को अपने घरों से बाहर न निकलें। अगर 29 तारीख को आरामबाग के लोगों को परेशान किया गया, तो 5 तारीख के बाद हम उन्हें उल्टा लटकाकर सीधा कर देंगे।÷ अमित शाह की इस टिप्पणी का जिक्र करते हुए कि चार मई (मतगणना का दिन) के बाद तृणमूल कांग्रेस के उत्पीड़कों को सार्वजनिक रूप से उल्टा लटकाया जाएगा, ममता ने सवाल उठाया कि क्या कोई केंद्रीय मंत्री इस तरह की धमकी दे सकता है।

# मुख्यमंत्री डॉ. यादव का प्रदेश की जनता के नाम संदेश

**प्रदेश का समृद्ध किसान ही विकसित भारत के निर्माण में निभाएगा महत्वपूर्ण भूमिका - मुख्यमंत्री डॉ. यादव**

**भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश का समृद्ध किसान ही विकसित भारत 2047 के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। सच्चा वादा और पक्का काम, यही हमारी सरकार का संकल्प है। हमने किसानों से जो वादा किया, वह पूरा करके भी दिखाया है। जब हमारे खेतों से लेकर कारखाने तक समृद्धि आएगी, तभी तो हमारे किसान भी समृद्ध और खुशहाल होंगे। मैं प्रदेश के सभी किसान भाइयों-बहनों को आश्वस्त करता हूं कि उनकी मेहनत, पसीना और आपका भविष्य हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसानों की समृद्धि ही मध्यप्रदेश की असली ताकत है। आइए, हम सब मिलकर ÷किसान कल्याण वर्ष÷ में मध्यप्रदेश को कृषि के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक ले जाएं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को प्रदेश की जनता के नाम दिये संदेश में कहा कि मैं अपने आपको सौभाग्यशाली मानता हूं कि मुझे मध्यप्रदेश की सेवा का अवसर मिला है और उसी सेवा भाव से मैं अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रहा हूं। जब से मैंने मुख्यमंत्री के रूप में इस महत्वपूर्ण पद की शपथ ली है, तब से पूरा मध्यप्रदेश ही मेरा परिवार है, प्रदेशवासियों का सुख ही मेरा सुख है और उनका दुख ही मेरा दुख है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश तेजी से विकास पथ पर आगे बढ़ रहा है। प्रदेश की तीव्र गति के विकास का मुख्य आधार हमारे प्रिय किसान भाई-बहन हैं। मैं प्रदेश के समस्त अन्नदाताओं को नमन करता हूं। हमारी सरकार किसानों की खुशहाली और उनकी समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। हम न केवल किसानों की आर्थिक उन्नति के लिए संकल्पित हैं, बल्कि उनके जीवन में सुख और आनंद के सूर्योदय का भी प्रयास कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों की आमदनी बढ़ाये बिना प्रदेश के सर्वांगीण विकास की कल्पना अधूरी है। हमारी सरकार किसानों के हर सुख-दुख में साथ है। इसी का परिणाम है कि मध्यप्रदेश सरकार निरंतर किसान हितैषी ऐतिहासिक निर्णय ले रही है। आज मैं ऐसे विषय पर संवाद कर रहा हूं, जो हमारे प्रदेश की आत्मा, हमारे अन्नदाता यानी किसानों से जुड़ा हुआ है। मध्यप्रदेश सरकार किसान हितैषी संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है और इसी भावना के साथ इस वर्ष को किसान कल्याण वर्ष के रूप में समर्पित किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मैं प्रदेशवासियों से यह साझा करना चाहता हूं कि प्रदेश में रिकॉर्ड गेहूं उत्पादन को देखते हुए हमने केंद्र सरकार से खरीदी की सीमा बढ़ाने का आग्रह किया था। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि किसानों के हित को सर्वोपरि रखते हुए गेहूं उपार्जन का लक्ष्य 78 लाख मीट्रिक टन से बढ़ाकर 100 लाख मीट्रिक टन कर दिया गया है। यह 22 लाख मीट्रिक टन की अभूतपूर्व वृद्धि न केवल हमारे किसानों की मेहनत का सम्मान है, बल्कि उनकी आय को सुनिश्चित करने की दिशा में एक ठोस कदम भी है। इसके लिए मैं प्रधानमंत्री श्री मोदी और केन्द्र सरकार का आभार व्यक्त करता हूं।

अब गेहूं उपार्जन सप्ताह में 6 दिन, स्लॉट बुकिंग को 9 मई तक बढ़ाया- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मुझे यह बताते हुए भी अत्यंत प्रसन्नता है कि आज से पूरे प्रदेश के छोटेड्डबड़े सभी किसान भाइयों से समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिए स्लॉट बुकिंग पूरी तरह से खोली जा चुकी है। गेहूं उपार्जन अब सप्ताह में 6 दिन होगा और शनिवार को अवकाश नहीं रहेगा। उपार्जन केन्द्रों में समर्थन मूल्य पर गेहूं का उपार्जन निर्बाध रूप से जारी रहेगा। साथ ही 30 अप्रैल तक होने वाली स्लॉट बुकिंग को अब 9 मई तक बढ़ा दिया गया है।

किसानों को अब उनकी भूमि के बदले 4 गुना मुआवजा- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसान भाइयों को कोई समस्या न हो, यह हमारी सरकार का संकल्प है। राज्य सरकार सदैव किसानों के साथ है। हमारी सरकार ने भू-अर्जन को भी लेकर एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है। अब किसानों को उनकी भूमि के बदले 4 गुना तक मुआवजा दिया जाएगा। यह निर्णय किसानों के अधिकारों की रक्षा और उनके भविष्य को सुरक्षित करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह सिर्फ निर्णयों की सूची नहीं, बल्कि उस विश्वास की कहानी है जो हमारी सरकार और किसानों के बीच मजबूत हो रही है। सिंचाई सुविधाओं का विस्तार, फसल विविधीकरण को बढ़ावा, आधुनिक कृषि तकनीकों का प्रसार इन सभी क्षेत्रों में हम निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। किसान हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। देश में ऐसा पहली बार हो रहा है कि मध्यप्रदेश सरकार ने दलहन, उड़द और तिलहन फसल सरसों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए बड़ा कदम उठाया है। उड़द को तय समर्थन मूल्य पर खरीदा जाएगा और किसानों को तय समर्थन मूल्य के अतिरिक्त खरीदी गई उड़द पर 600 रुपए प्रति क्विंटल बोनस राशि भी दी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में सोयाबीन की सफलता के बाद सरसों पर भी भावांतर योजना लागू करने की घोषणा के फलस्वरूप बाजार भाव में वृद्धि हुई और किसानों को सरसों का दाम एमएसपी से भी अधिक मिल रहा है।

# केंद्र सरकार ने किया जारी पंचायत विकास सूचकांक 2.0, ए-प्लस श्रेणी में फिर खाली रहा राज्यों का खाता

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** संयुक्त राष्ट्र 2030 एजेंडे में भारत 17 सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। चूंकि, देश की 68 प्रतिशत आबादी गांवों में रहती है, इसलिए जब तक संकल्प की इस राह पर गांव नहीं बढ़ेंगे, तब तक यह पूरा नहीं हो सकता। इस उद्देश्य के साथ विकास लक्ष्यों को अधिक केंद्रित करने के लिए पंचायतीराज मंत्रालय ने 17 लक्ष्यों को नौ थीम में पहले ही वर्गीकृत कर दिया था।

इसके बाद वर्ष 2022-23 के डाटा को बेसलाइन बनाकर वर्ष 2025 से पंचायत विकास सूचकांक बनाना शुरू किया। पहली रिपोर्ट में भी ए प्लस श्रेणी में कोई राज्य अपना खाता नहीं खोल सका था और वर्ष 2023-24 के आंकड़ों पर जारी इस सूचकांक में भी नहीं। मगर, यह संतोषजनक है कि 75 से 90 अंकों वाली ए श्रेणी में पिछली रिपोर्ट के मुकाबले पंचायतों की संख्या 699 से बड़ी छलांग लगाकर सीधे 3635 पर पहुंच गई है।

विकास के इस पैमाने पर ए श्रेणी में त्रिपुरा, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश आगे हैं तो बी और सी श्रेणी में उत्तर प्रदेश ने शीर्ष स्थान बनाया है। पंचायतीराज मंत्रालय पंचायत विकास सूचकांक के माध्यम से सतत विकास लक्ष्यों का स्थानीयकरण करते हुए बीते वर्ष से नौ थीम पर पंचायतों के विकास का डाटा आधारित आकलन शुरू किया है।

डाटा सीधे मंत्रालयों के पोर्टल से जुड़े हैं और ग्राम सभा से लेकर राज्य स्तर तक इनके सत्यापन की प्रक्रिया और उत्तरदायित्व तय किया हुआ है। यह नौ थीम हैं- गरीबी मुक्त और आजीविका संपन्न पंचायत, स्वस्थ पंचायत, बाल हितैषी पंचायत, जल पर्याप्त पंचायत, स्वच्छ और हरित पंचायत, आत्मनिर्भर बुनियादी ढांचे वाली पंचायत, सामाजिक रूप से न्यायपूर्ण और सुरक्षित पंचायत, सुशासन वाली पंचायत और महिला हितैषी पंचायत।

### सरकार के इरादे पर कभी भी शक न करे मुस्लिम समुदाय, बोले अजीत डोभाल

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने हाल ही में मुस्लिम समुदाय के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इसमें उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पिछले 12 वर्षों में मुस्लिम समुदाय के कई युवाओं को भारतीय सेना और अर्धसैनिक बलों में भर्ती किया गया है। उन्होंने कहा कि भारत एक विशाल जहाज की तरह है। सभी नागरिक नाविक हैं। हम या तो एक साथ मिलकर आगे बढ़ते हैं या फिर एक साथ डूबते हैं। मुस्लिम समुदाय को सरकार के इरादे पर कभी संदेह नहीं करना चाहिए। सशस्त्र बलों में भर्ती यह दर्शाती है कि भारत में मुसलमानों के प्रति कोई पूर्वाग्रह या भेदभाव नहीं है।

डोभाल ने कहा कि कई पहचानों को अपनाना महत्वपूर्ण है। यह स्वयं को एक धार्मिक पहचान तक सीमित करने से बेहतर है। यह महत्वपूर्ण है कि मुसलमान अपनी विविध पहचानों को एक धार्मिक पहचान में समाहित न करें और उसे सर्वोच्च न मानें। एनएसए इस महीने नई दिल्ली में शिक्षाविदों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और उद्योगपतियों के एक प्रतिनिधिमंडल को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी नागरिकों की तरह मुसलमानों की भी

### यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूसी सेना के लिए लड़ते हुए 10 भारतीयों की मौत, सुप्रीम में केंद्र ने बताया

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** केंद्र ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि रूस-यूक्रेन युद्ध में रूसी सेनाओं के साथ लड़ते हुए दस भारतीयों की मौत हो गई है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जोयमाल्य बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की पीठ ने कहा कि स्थिति को सतर्कतापूर्वक संभालने की आवश्यकता है क्योंकि युद्ध क्षेत्र से शवों को बरामद करना बेहद मुश्किल हो सकता है।

केंद्र सरकार का प्रतिनिधित्व कर रही अतिरिक्त सालिसिटर जनरल (एएसजी) ऐश्वर्या भाटी ने पीठ के समक्ष 10 भारतीयों की दुर्भाग्यपूर्ण मौतों के संबंध में अपनी बात रखी।

सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका में सरकार को उन 26 भारतीयों की सुरक्षित स्वदेश वापसी की सुविधा के लिए कदम उठाने का निर्देश देने की मांग की गई थी, जिन्हें कथित तौर पर रूस में हिरासत में लिया गया है और चल रहे युद्ध में लड़ने के लिए मजबूर किया गया है।

याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि उनके स्वजनों को आकर्षक नौकरी का लालच देकर रूस बुलाया गया, जहां उनके पासपोर्ट जब्त कर लिए गए और उन्हें जबरन युद्ध में शामिल कर लिया गया।

### AAP को बड़ा झटका, राघव चड्ढा समेत राज्यसभा के सात सांसदों ने थामा कमल

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** अगले साल पंजाब में होने वाले विधानसभा चुनाव के पहले आम आदमी पार्टी (आप) को बड़ा झटका लगा है। राघव चड्ढा समेत राज्यसभा के सात सांसदों ने आप को छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया है। राघव चड्ढा ने भाजपा में शामिल होने का एलान करते हुए कहा कि वे सातों सांसदों के हस्ताक्षर के साथ दो-तिहाई सांसदों के भाजपा में विलय का नोटिस राज्यसभा के सभापति को पहले ही दे चुके हैं।

कांस्टिट्यूशन क्लब में इसकी घोषणा करने के बाद भाजपा मुख्यालय में राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात कर विधिवत पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। दो तिहाई सांसदों के भाजपा में शामिल होने से उनकी राज्यसभा की सदस्यता बरकरार रहेगी।

राज्यसभा में बढ़ी भाजपा की ताकत- दरअसल संविधान की 10वीं अनुसूची में बनाए गए नियमों के तहत किसी पार्टी के सदन के दो-तिहाई सदस्यों के एक साथ दूसरी पार्टी में विलय की स्थिति में दलबदल निरोधी कानून लागू नहीं होता है। सात सांसदों के पार्टी छोड़ने के बाद राज्यसभा में आप के केवल तीन सांसद रह जाएंगे। वहीं भाजपा के सांसदों की संख्या 106 से बढ़कर 113 हो जाएगी।

### यहां समंदर की लहरें सुनाती हैं आजादी और प्रकृति का तराना, आदिम सभ्यता का संगम है अंडमान निकोबार

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** बंगाल की खाड़ी के अंतहीन विस्तार में मोतियों की माला की तरह बिखरा अंडमान और निकोबार एक जादुई संसार सा है। यहां समंदर की लहरें सिर्फ शोर नहीं करतीं बल्कि इतिहास की वीर गाथाएं, आजादी और कुदरत का तराना भी सुनाती हैं। चांदी जैसी चमकती सफेद रेत सुकून का नया अध्याय लिखती है।

अंडमान और निकोबार फिरोजी पानी और आदिम सभ्यता का अद्भुत संगम है। पोर्ट ब्लेयर के वीर सावरकर हवाई अड्डे पर उतरते ही समुद्र की नमकीन महक और ताजी हवा स्वागत करती है।

पोर्ट ब्लेयर की यात्रा की शुरुआत सेलुलर जेल की उन काली दीवारों से होती है, जो आज भी आजादी के परवानों की वीरता की गवाह हैं। शाम के समय जब जेल के प्रांगण में लाइट एंड साउंड शो शुरू होता है तो हवाओं में देशभक्ति का जज्बा तैरने लगता है। उन संकरी कोठरियों को देखकर मन भारी हो जाता है, जहां वीर सावरकर जैसे क्रांतिकारियों ने काला पानी की सजा काटी थी।

हैवलाक पहुंचते ही सबसे पहले कदम राधानगर बीच की ओर बढ़ते हैं। इसे एशिया के सबसे खूबसूरत समुद्र तटों में गिना जाता है। मखमली सफेद रेत पर नंगे पांव चलना और फिरोजी रंग के पारदर्शी पानी में डुबकी लगाना किसी थेरेपी से कम नहीं है।

यहां का खान-पान उत्तर और दक्षिण भारत का अद्भुत संगम है। फिश करी और प्रान्स मसाला का कोई सानी नहीं है। यहां का सूर्यास्त किसी कलाकार की सजीव पेंटिंग जैसा प्रतीत होता है।

विशेष रूप से हैवलाक का राधानगर बीच और नील द्वीप का लक्ष्मणपुर बीच अपने सूर्यास्त के नजारों के लिए दुनियाभर में मशहूर हैं। हैवलाक और नील द्वीप पर बांस और लकड़ी से बने इको-फ्रेंडली काटेज पर्यटकों की पसंद हैं।

# CEC ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए एकजुट हुआ विपक्ष, राज्यसभा में दिया नोटिस; 73 सांसदों का समर्थन

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** विपक्षी दलों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार द्वारा एसआइआर विवाद से लेकर चुनावों में लगातार पक्षपाती रूख अपनाए जाने का आरोप लगाते हुए उन्हें पद से हटाने के लिए एक बार फिर महाभियोग प्रस्ताव का नोटिस दिया है।

कांग्रेस-टीएमसी-सपा, द्रमुक समेत लगभग सभी विपक्षी गठबंधन के 73 सांसदों ने शुक्रवार को ज्ञानेश कुमार पर संविधान तथा लोकतंत्र के खिलाफ काम करने का आरोप लगाते हुए राज्यसभा में उनके खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव का नोटिस सौंपा।

राष्ट्रपति को संबोधित इस नोटिस में सीईसी पर नौ आरोप लगाते हुए उनके कामकाज को शर्मनाक बताते हुए दावा किया गया है कि चुनाव आयोग के शीर्ष संवैधानिक पद की गरिमा के खिलाफ वे प्रधानमंत्री तथा गृहमंत्री के इशारे पर काम कर रहे हैं और इसलिए उन्हें पद से हटाया जाना चाहिए।

बंगाल में एसआइआर पर सुप्रीम कोर्ट से लेकर सियासी मैदान में जारी संग्राम के बीच बीते डेढ़ महीने में ज्ञानेश कुमार को घेरने के लिए विपक्षी दलों ने दूसरी बार महाभियोग प्रस्ताव को हथियार बनाने का दांव चला है।

राज्यसभा में कांग्रेस के मुख्य सचेतक तथा पार्टी महासचिव जयराम रमेश तथा टीएसमी सांसद सागरिका घोष ने शुक्रवार को महाभियोग का यह नोटिस राज्यसभा के महासचिव को सौंपा।

विपक्षी दलों की सीईसी के खिलाफ इस ताजा पहल की जानकारी एक्स पर साझा करते हुए जयराम रमेश ने कहा कि 73 विपक्षी सांसदों ने राष्ट्रपति को संबोधित प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए एक नया नोटिस सौंपा है जिसमें ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने का आग्रह किया गया है।

यह मांग 15 मार्च 2026 और उसके बाद उनके द्वारा किए गए कृत्यों और गलतियों के आधार पर सिद्ध दुराचार के आधार पर की गई है जो संविधान के अनुच्छेद 324(5) को अनुच्छेद 124(4) के संदर्भ में दी गई है।

इसमें सीईसी के खिलाफ नौ विशिष्ट आरोप हैं जिन्हें बेहद विस्तार से दर्ज किया गया है और जिन्हें न तो नकारा जा सकता है और न ही दबाया जा सकता है।

कांग्रेस ने मुख्य चुनाव आयुक्त पर लगाए आरोप- जयराम ने कहा कि ज्ञानेश कुमार का पद पर बने रहना संविधान पर एक हमला है और यह पूरी तरह शर्मनाक है कि वह व्यक्ति अब भी पद पर बना हुआ है ताकि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के इशारों पर काम कर सके।विपक्षी सांसदों ने ज्ञानेश कुमार पर अपने सभी नौ आरोपों का साक्ष्य और संदर्भ विस्तृत से दिया है।

इसमें पहला आरोप आदर्श आचार संहिता के पालन में लगातार पक्षपातपूर्ण व्यवहार करने की बात उठाई गई है। पीएम तथा भाजपा नेताओं के खिलाफ शिकायतों को नजरअंदाज करने तथा विपक्ष के नेताओं को तत्काल नोटिस जारी कर धमकाने के उदाहरण गिनाए गए हैं।

# बारात में छेड़छाड़ का विरोध बना विवाद की जड़, पुलिस पर अभद्र व्यवहार के आरोप

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** मध्य प्रदेश के रीवा और सीधी जिले से जुड़ा एक मामला सामने आया है, जहां एक शादी समारोह के दौरान छेड़छाड़ की घटना ने बड़ा विवाद खड़ा कर दिया। आरोप है कि विवाद के दौरान जहां एक ओर बारातियों और स्थानीय लोगों के बीच मारपीट हुई, वहीं मौके पर पहुंची पुलिस ने भी सहयोग करने के बजाय बारातियों के साथ अभद्र व्यवहार किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, 23 अप्रैल 2026 को रीवा जिले के सिलपरी निवासी प्यारेलाल कुशवाहा के पुत्र की बारात सीधी जिले के भैसरहा गांव में बुद्धसेन कुशवाहा के यहां गई थी। शादी समारोह के दौरान भैसरहा निवासी एक युवक पर आरोप है कि उसने बारात में आई एक युवती के साथ अश्लील इशारे कर छेड़छाड़ की।

इस हरकत का बारात पक्ष ने विरोध किया, जिसके बाद विवाद बढ़ गया। आरोप है कि बुद्धसेन कुशवाहा के पड़ोसियों (सुखलाल पिता रामखेलावन कुशवाहा, हरिचन्द्र पिता सुखलाल, धीरेंद्र पिता सुखलाल, शिवेंद्र पिता सुखलाल) के साथ अन्य ने बारातियों के साथ मारपीट शुरू कर दी। इस झड़प में कई बाराती घायल हो गए। बारातियों ने भी आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिससे स्थिति और तनावपूर्ण हो गई।

घटना की सूचना बारातियों द्वारा डायल 112 पर दी गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन बारातियों का आरोप है कि पुलिस ने निष्पक्ष कार्रवाई करने के बजाय उन्हीं पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। इतना ही नहीं, पुलिसकर्मियों द्वारा महिलाओं और बच्चियों के सामने अश्लील एवं आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग करने के भी गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

बताया जा रहा है कि रामपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत पिपरांव चौकी से पहुंचे डायल 112 के आरक्षक प्रदीप सेन (336) पर बारातियों ने खुलेआम गाली-गलौज करने का आरोप लगाया है। इस घटना से नाराज बारातियों ने पुलिस के व्यवहार पर सवाल उठाते हुए कार्रवाई की मांग की है।

घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है। पीड़ित पक्ष का कहना है कि जहां पुलिस से सुरक्षा की उम्मीद की जाती है, वहीं इस तरह के व्यवहार से लोगों का भरोसा कमजोर होता है।

प्रशासन से कार्रवाई की मांग

पीड़ितों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। साथ ही, पुलिसकर्मियों के कथित अभद्र व्यवहार की भी जांच कर उचित कार्रवाई किए जाने की मांग उठाई जा रही है।

फिलहाल, इस पूरे मामले में पुलिस प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। जांच के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगी।

## आयुक्त क्षितिज सिंघल का झोन-7 में व्यापक निरीक्षण, स्वच्छ सर्वेक्षण के तहत व्यवस्थाएं मजबूत करने के निर्देश

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने शुक्रवार सुबह झोन क्रमांक 07 के विभिन्न क्षेत्रों का व्यापक निरीक्षण कर स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण को ध्यान में रखते हुए सभी व्यवस्थाएं बेहतर और मानकों के अनुरूप सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त अर्थ जैन, झोन नियंत्रणकर्ता अधिकारी टीना सिसोदिया, झोनल अधिकारी सुनील जादौन और स्वास्थ्य अधिकारी मनोहर गौसर सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। आयुक्त ने वार्ड क्रमांक 29, 32 और 34 सहित अन्य क्षेत्रों में साफ-सफाई, जल स्त्रोतों की स्थिति, सार्वजनिक शौचालय, उद्यान, बस स्टॉप और बाजार क्षेत्रों का निरीक्षण किया।

आयुक्त ने स्कीम नंबर 54 के व्यावसायिक बाजार, विजयनगर चौराहा और स्कीम नंबर 114 स्थित शहीद भगत सिंह उद्यान, रानी लक्ष्मी बाई उद्यान, महाराणा प्रताप उद्यान और ग्लोबल गार्डन का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का मूल्यांकन किया। इसके साथ ही कालका माता मंदिर, आनंद मोहन माथुर सभागृह, विभिन्न सीटीपीटी और क्षेत्र के कुएं-बावड़ी जैसे जल स्त्रोतों की भी स्थिति देखी गई।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने उद्यानों में हरियाली बनाए रखने के लिए सिंचाई में ट्रीटेड पानी के उपयोग पर विशेष जोर दिया। साथ ही जल स्त्रोतों की नियमित साफ-सफाई और रखरखाव सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। विभिन्न स्थानों पर प्रकाश व्यवस्था, डस्टबिन की उपलब्धता और शौचालयों की स्वच्छता को लेकर भी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

आयुक्त सिंघल ने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण की गाइडलाइन के अनुसार सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करना प्राथमिकता है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता बनाए रखने, कचरा प्रबंधन को और प्रभावी बनाने तथा नागरिकों में जागरूकता बढ़ाने पर भी जोर दिया।

निरीक्षण के दौरान झोन 7 की सफाई व्यवस्था को आयुक्त ने संतोषजनक बताया, लेकिन इसे और बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास जारी रखने के निर्देश भी दिए।

## महापौर पुष्यमित्र भार्गव की स्वच्छ सर्वेक्षण को लेकर बैठक, अधिकारियों को फील्ड में सक्रिय रहने के निर्देश

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण की तैयारियों को लेकर शहर में प्रशासनिक स्तर पर गतिविधियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने सीटी बस ऑफिस में निगम के स्वास्थ्य अधिकारियों, सीएसआई और अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। बैठक में स्वास्थ्य प्रभारी अश्विनी शुक्ल, अपर आयुक्त प्रखर सिंह सहित विभिन्न जोन के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान महापौर ने स्वच्छ सर्वेक्षण की गाइडलाइन के विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी जोन और वार्ड स्तर पर सफाई व्यवस्था पूरी तरह दुरुस्त रखी जाए। उन्होंने विशेष रूप से जोर देते हुए कहा कि अधिकारी सुबह के समय फील्ड में मौजूद रहकर सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करें और यह सुनिश्चित करें कि सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित हों। महापौर ने शहर में स्वच्छता के मानकों को और मजबूत करने के लिए स्कूलों में भी निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार साफ-सफाई और व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने यह भी बताया कि इंदौर की स्वच्छता में शहरवासियों के साथ-साथ निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, इसलिए सभी को मिलकर इस अभियान को सफल बनाना होगा।

उन्होंने आगे कहा कि आने वाले दिनों में वे स्वयं महापौर परिषद के सदस्यों और पार्षदों के साथ फील्ड में उतरकर विभिन्न क्षेत्रों का दौरा करेंगे और नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करेंगे। साथ ही उन्होंने बताया कि 26 अप्रैल को शहर के सभी हॉस्टल एसोसिएशन के साथ बैठक कर स्वच्छता के मापदंडों और आवश्यक व्यवस्थाओं पर चर्चा की जाएगी। बैठक में शहर में मच्छरों की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश भी दिए गए, ताकि नागरिकों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से बचाया जा सके। महापौर ने सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ काम करने और इंदौर को एक बार फिर देश का सबसे स्वच्छ शहर बनाए रखने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ प्रयास करने का आह्वान किया।

# इंदौर पुलिस की त्वरित कार्रवाई से दो मासूमों का अपहरण विफल, चंद घंटों में 4 आरोपी गिरफ्तार

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** शहर में एक बार फिर पुलिस की सतर्कता और तेज कार्रवाई का उदाहरण देखने को मिला, जब थाना पलासिया क्षेत्र से अपहृत दो नाबालिग बच्चों को पुलिस ने महज कुछ घंटों में सकुशल बरामद कर लिया। इस मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर फिरौती की साजिश का पर्दाफाश किया है।

घटना 23 अप्रैल 2026 की रात करीब 8:45 बजे की है, जब दो 11 वर्षीय बच्चे, जो रोज की तरह तिरुपति गार्डन खेलने गए थे, अचानक लापता हो गए। बच्चों के परिजनों ने जब उन्हें आसपास तलाशा और कोई सुराग नहीं मिला, तो थाना पलासिया पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हो गई और पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत जांच शुरू कर दी गई।

जांच के दौरान आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, जिसमें एक संदिग्ध महिला दोनों बच्चों को अपने साथ ले जाती हुई दिखाई दी। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि महिला ने बच्चों को चिप्स, टॉफी और मोबाइल में पालतू जानवरों की तस्वीरें दिखाकर बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गई थी। इसी बीच बच्चों के परिजनों के मोबाइल पर कॉल कर आरोपियों ने 15 लाख रुपये की फिरौती मांगी और समय पर रकम न देने पर बच्चों को जान से मारने की धमकी दी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल अपहरण और फिरौती का प्रकरण दर्ज कर दस विशेष टीमों का गठन किया। इन टीमों ने शहर के विभिन्न स्थानों पर सघन तलाशी अभियान चलाया और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों का पीछा किया। इसी क्रम में पुलिस टीम दत्त नगर स्थित शिवांश अपार्टमेंट पहुंची, जहां एक संदिग्ध फ्लैट में दबिश दी गई।

फ्लैट का दरवाजा खटखटाने पर अंदर मौजूद आरोपियों ने भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें घेराबंदी कर पकड़ लिया। कमरे की तलाशी लेने पर दोनों अपहृत बच्चे सकुशल बरामद कर लिए गए। इसके बाद बच्चों को तत्काल एम.वाय. अस्पताल ले जाकर उनका स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया और आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर उन्हें उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस ने मौके से राधिका प्रजापति, तनिशा सेन, ललित सेन और विनीत प्रजापति को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल किए गए मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने बच्चों का अपहरण कर फिरौती मांगने की साजिश स्वीकार कर ली है।

पूरे ऑपरेशन को पुलिस आयुक्त के निर्देशन में वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में अंजाम दिया गया, जिसमें विभिन्न थाना क्षेत्रों की संयुक्त टीमों ने अहम भूमिका निभाई। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई और बेहतर समन्वय के चलते एक गंभीर अपराध को समय रहते विफल कर दिया गया।

बच्चों के सुरक्षित मिलने के बाद परिजनों ने राहत की सांस ली और पुलिस की सराहना करते हुए पूरी टीम को धन्यवाद दिया। वहीं पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत दें और बच्चों को भी जागरूक करें कि वे किसी अनजान व्यक्ति के झांसे में न आएं।

### मां नर्मदा को प्रदूषण मुक्त रखने के संकल्प के साथ आटे के दीपक का शुरू किया व्यवसाय

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** प्रदेश में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण एवं उनकी आय में वृद्धि के उद्देश्य से स्व-सहायता समूह बनाकर उनको रोजगार के अवसर प्रदान किये जा रहे है। प्रदेश में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत गठित स्व-सहायता समूह स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप रोजगार के साधन अपना रहे हैं। इंदौर संभाग के खण्डवा जिले के ओंकारेश्वर के एक स्व-सहायता समूह ने इसी दिशा में एक अच्छा कार्य आरंभ किया है।

खण्डवा जिले के ओंकारेश्वर के समीप स्थित ग्राम मोरटक्का निवासी श्रीमती विजया जोशी ने मां नर्मदा आजीविका स्वयं सहायता समूह का गठन कर एक अनूठी पहल की। उन्होंने आटे के दीपक निर्माण का व्यवसाय शुरू करने का निर्णय लिया। उनका मानना था कि प्लास्टिक के दोने में दीपदान करने से नदी में प्रदूषण बढ़ता है, जिससे मां नर्मदा में रहने वाले जलीय जीव-जंतुओं को भी नुकसान होता है। इसी सोच के साथ समूह की महिलाओं ने पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए आटे के दीपक बनाने का कार्य शुरू किया।

## फर्जी दस्तावेज तैयार कर अनापत्ति जारी करने पर प्रभारी कार्यपालन यंत्री एम.पी.आई.डी.सी. मार्तण्ड सिरालिया को किया गया निलंबित

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** पीथमपुर निवेश क्षेत्र योजना में फर्जी दस्तावेज तैयार कर अनापत्ति जारी करने के मामले में एम.पी.आई.डी.सी. के प्रभारी कार्यपालन यंत्री मार्तण्ड सिरालिया को निलंबित कर दिया गया है। पीथमपुर निवेश क्षेत्र योजना एम.पी.आई.डी.सी. की एक अत्यन्त महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है, जो कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था में भविष्य में एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में कार्य करेगा। यह परियोजना अपने आप में एक अनूठी परियोजना है जिसमें औद्योगिक, आवासीय एवं व्यवसायिक भूखण्डों का समावेश है। 12500 हेक्टेयर में विकसित की जा रही इस परियोजना में शामिल समस्त भूमि के संबंध में किसी भी प्रकार की अनुमति जारी करने के संपूर्ण अधिकार एम.पी.आई.डी.सी. को प्राप्त है। इस परियोजना हेतु एम.पी.आई.डी.सी. द्वारा विकास कार्य एवं भूमि अधिग्रहण में किसी भी प्रकार की अनियमितता को बड़ी गंभीरता से लिया जा रहा है। श्री मार्तण्ड सिरोलिया जो कि वर्तमान में एम.पी.आई.डी.सी. के भोपाल ऑफिस में प्रभारी कार्यपालन यंत्री के रूप में कार्यरत है, के द्वारा पीथमपुर निवेश क्षेत्र में निजी लोगों से सांठ-गांठ कर एक जमीन मालिक के पक्ष में फर्जी अनापत्ति प्रमाण-पत्र जारी किया गया था, जिसके आधार पर उस जमीन मालिक ने कलेक्टर कार्यालय से जमीन पर पेट्रोलियम पदार्थ के भंडारण की अनुमति प्राप्त कर ली। जमीन मालिक यह जमीन अवंतिका गैस लिमिटेड को गैस भंडारण हेतु डिपो बनाने के लिए देना चाहता था। श्री मार्तण्ड सिरोलिया के द्वारा कार्यालय के दस्तावेज, लेटरहेड आदि का गलत इस्तेमाल किया गया एवं वरिष्ठ अधिकारी के पदनाम से जाली हस्ताक्षर भी किए गए। तथ्य संज्ञान में आते ही श्री हिमांशु प्रजापति, कार्यकारी संचालक, एम.पी.आई.डी.सी., क्षेत्रीय कार्यालय, इन्दौर द्वारा मामले को गंभीरता से लेते हुए आंतरिक जाँच कर श्री मार्तण्ड सिरोलिया को निलंबित करने का प्रस्ताव मुख्यालय भेजा गया, जिस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए कुट रचित दस्तावेज तैयार करने एवं अवैध पारितोषिक प्राप्त करने के आरोप में प्रबंध संचालक एम.पी.आई.डी.सी. द्वारा 23 अप्रैल 2026 को श्री मार्तण्ड सिरोलिया को निलंबित कर दिया गया है।

## खजराना पुलिस की बड़ी कार्रवाई: आदतन नशा तस्कर रेहान उर्फ मांडा पर पिट एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई, 6 माह के लिए भोपाल जेल भेजा जाएगा

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** शहर में अवैध मादक पदार्थों के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस थाना खजराना ने एक बार फिर बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आदतन नशा तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ पिट एनडीपीएस एक्ट के तहत सख्त कार्रवाई की गई है और उसे छह माह के लिए केंद्रीय जेल भोपाल भेजा जा रहा है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, शहर में नशे के अवैध व्यापार पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह द्वारा सख्त निर्देश दिए गए हैं। इन्हीं निर्देशों के तहत पुलिस उपायुक्त जोन-02 कुमार प्रतीक और अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अमरेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में सहायक पुलिस आयुक्त खजराना कुंदन मंडलोई द्वारा थाना प्रभारी मनोज सिंह सेंधव और उनकी टीम को क्षेत्र में सक्रिय नशा तस्करों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे।

कार्रवाई के दौरान पुलिस थाना खजराना की टीम ने अवैध मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त में संलिप्त आदतन अपराधी सैयद रेहान उर्फ मांडा, निवासी ममता कॉलोनी खजराना, को चिन्हित कर उसके खिलाफ पिट एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की। आरोपी के विरुद्ध पूर्व में भी एनडीपीएस एक्ट सहित कई आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं, जिससे वह पुलिस की निगरानी में था।

पुलिस द्वारा आरोपी के खिलाफ विस्तृत प्रकरण तैयार कर वरिष्ठ अधिकारियों के माध्यम से न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। मामले की सुनवाई के बाद संभाग आयुक्त इंदौर डॉ. सुदामा खाड़े ने 2 अप्रैल 2026 को आदेश जारी करते हुए आरोपी को छह माह की अवधि के लिए भोपाल जेल में निरुद्ध करने के निर्देश दिए। आदेश के पालन में खजराना पुलिस ने आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर केंद्रीय जेल भोपाल भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

पुलिस का कहना है कि इस प्रकार की कार्रवाई का उद्देश्य शहर के युवाओं को नशे की लत से बचाना और अवैध मादक पदार्थों के कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है। इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी मनोज सिंह सेंधव सहित उनकी टीम के उपनिरीक्षक घनश्याम मिश्रा, संदीप पटेल, सहायक उपनिरीक्षक दिनेश सरगैया और अन्य पुलिसकर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

इंदौर पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि या नशे के कारोबार की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समाज को नशे के दुष्प्रभाव से सुरक्षित रखा जा सके।

# लसूड़िया पुलिस ने सुलझाया सनसनीखेज अंधा कत्लः शराब विवाद में युवक की सिर कुचलकर हत्या, आरोपी गिरफ्तार

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** शहर के लसूड़िया थाना क्षेत्र अंतर्गत स्कीम नंबर 136 स्थित हरसिंगार परिसर के सामने हुए सनसनीखेज अंधे कत्ल का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जिसने शराब के दौरान हुए विवाद में एक व्यक्ति की बेरहमी से हत्या कर दी थी।

घटना 17 अप्रैल 2026 की सुबह सामने आई, जब सुरेंद्र पाल नामक व्यक्ति रोज की तरह टहलने निकले थे। जैसे ही वह हरसिंगार परिसर के पास स्थित गार्डन के गेट पर पहुंचे, उन्होंने देखा कि एक अज्ञात व्यक्ति खून से लथपथ अवस्था में जमीन पर पड़ा हुआ है। आसपास के लोगों को बुलाकर जांच की गई तो पता चला कि उसकी मौत हो चुकी है। सूचना मिलने पर लसूड़िया थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मर्ग कायम कर जांच शुरू की।

जांच के दौरान मृतक की पहचान कड़वा दांगोड़े (51) निवासी कबीर खेड़ी, लहिया कॉलोनी इंदौर के रूप में हुई, जो मूल रूप से खरगोन जिले का रहने वाला था और एमआर-10 क्षेत्र में ढाबों पर मजदूरी करता था। इसके बाद पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच तेज कर दी।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस आयुक्त के निर्देश पर विशेष टीम का गठन किया गया। शुरुआती जांच में घटनास्थल के आसपास कोई सीसीटीवी फुटेज या प्रत्यक्ष साक्ष्य नहीं मिले, जिससे मामला चुनौतीपूर्ण बन गया। पुलिस ने मृतक की गतिविधियों की जानकारी जुटाई, जिससे पता चला कि वह घटना से पहले एमआर-10 स्थित शराब दुकान पर देखा गया था।

पुलिस टीम ने शराब दुकान के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसमें एक संदिग्ध युवक मृतक को अपनी मोटरसाइकिल पर बैठाकर ले जाता हुआ नजर आया। इसी सुराग के आधार पर पुलिस ने संदिग्ध की पहचान प्रमोद वैद्य निवासी कबीर खेड़ी के रूप में की और उसकी तलाश शुरू कर दी।

तलाश के दौरान आरोपी को निरंजनपुर मंडी क्षेत्र में देखा गया, जहां उसने पुलिस को देखकर भागने की कोशिश की, लेकिन तेज रफ्तार में मोटरसाइकिल फिसलने से गिर गया और पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने हत्या की पूरी वारदात कबूल कर ली।

## मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष राजेश लाल मेहरा ने एमपीपीएससी के कमांड कंट्रोल रूम का किया शुभारंभ

### कंट्रोल रूम के माध्यम से आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा परीक्षा के 54 जिला मुख्यालय केन्द्रों की होगी निगरानी

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग परिसर इंदौर में आज एमपीपीएससी कमांड कंट्रोल रूम का शुभारंभ हुआ। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष श्री राजेश लाल मेहरा ने फीता काटकर एमपीपीएससी कंट्रोल रूम का शुभारंभ किया। इस मौके पर मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की सचिव श्रीमती शीतला पटले, उप सचिव श्रीमती कीर्ति खुरासिया, आयोग के सदस्य श्री नरेन्द्र कोष्ठी, डॉ. पिंकेश लता रघुवंशी, परीक्षा नियंत्रक श्री वीरेन्द्र कुमार गुप्ता, ओएसडी डॉ. रविन्द्र पंचभई, श्रीमती निधि राजपूत, एनआईसी के निदेशक श्री शैलेन्द्र नाहर और इनोवेटिव इंडिया लिमिटेड के वाइस प्रेसीडेंट श्री दीपक द्विवेदी विशेष रूप से उपस्थित थे।

इस मौके पर मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष श्री राजेश लाल मेहरा ने एमपीपीएससी कमांड कंट्रोल रूम का अवलोकन किया और इसकी सराहना की। कार्यक्रम में बताया गया कि उक्त कंट्रोल रूम के बन जाने से आयोग द्वारा आगामी सभी भर्ती प्रक्रियाओं को मजबूती मिलेगी और कदाचरण की समस्याओं को आसानी से दूर किया जा सकेगा। उक्त कंट्रोल रूम में मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा परीक्षा 2026 में नवीन त्रि-स्तरीय प्रक्रिया में प्रौद्योगिकी को शामिल किया गया है। इसके तहत अभ्यर्थियों को बॉयोमेट्रिक प्रमाणीकरण, सीसीटीवी वेबकास्टिंग से निगरानी, अत्याधुनिक मेटल डिटेक्टर द्वारा महिला एवं पुरूष की अलग-अलग तलाशी शामिल है। इस कंट्रोल रूम के द्वारा प्रदेश के 54 जिला मुख्यालय केन्द्रों पर आयोजित होने वाली राज्य सेवा परीक्षा की सतत् निगरानी होगी। कार्यक्रम में बताया गया कि प्रदेश के 54 जिला मुख्यालयों पर स्थित किसी भी परीक्षा केन्द्रों पर यदि कहीं कोई कदाचरण या गड़बड़ी की आशंका होने पर या आपातकालीन स्थिति में आवश्यकता पड़ने पर कंट्रोल रूम के माध्यम से केन्द्राध्यक्षों से सीधी बातचीत कर उसका समाधान किया जा सकेगा।

## जनगणना प्रशिक्षण का तीसरा चरण आज से प्रारंभ

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जनगणना कार्य की तैयारियों को गति देते हुए आज से प्रशिक्षण का तीसरा चरण प्रारंभ हो गया है। इसमें लगभग 1750 अधिकारी एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

प्रशिक्षण का आयोजन होलकर साइंस कॉलेज में किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण अपर कलेक्टर एवं जनगणना के प्रभारी अधिकारी श्री नवजीवन विजय पवार तथा जिला जनगणना अधिकारी और अपर आयुक्त नगर निगम श्री एन. एन. पाण्डे ने किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर्स द्वारा जनगणना से संबंधित विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी जा रही है।

प्रशिक्षण में प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को घर-घर जाकर डेटा संग्रहण की प्रक्रिया, डिजिटल माध्यमों के उपयोग, फॉर्म भरने की विधि तथा सावधानियों के बारे में समझाया जा रहा है। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, यह प्रशिक्षण जनगणना कार्य को सुचारू, पारदर्शी और त्रुटिरहित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।

# टोल प्लाजा की अव्यवस्थाओं के खिलाफ किसान नेता श्यामलाल जोकचंद ने उठाई आवाज, केंद्रीय मंत्री से की सख्त कार्रवाई की मांग

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** देशभर के राष्ट्रीय राजमार्गों पर संचालित टोल प्लाजा की कार्यप्रणाली को लेकर आम नागरिकों में बढ़ते असंतोष के बीच किसान नेता श्यामलाल जोकचंद ने गंभीर मुद्दों को उठाते हुए केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नीतिन गडकरी को विस्तृत शिकायत पत्र प्रेषित किया है। मल्हारगढ़ क्षेत्र के किसान नेता श्यामलाल जोकचंद ने अपने पत्र में बताया कि केंद्र सरकार द्वारा लागू की गई फास्टैग प्रणाली का उद्देश्य टोल वसूली को पारदर्शी एवं सुगम बनाना था, लेकिन वर्तमान में यह व्यवस्था कई स्थानों पर आम नागरिकों के लिए परेशानी का कारण बन गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि टोल प्लाजा पर अनियमितताएं, अवैध वसूली और कर्मचारियों द्वारा अभद्र व्यवहार जैसी समस्याएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। उन्होंने विशेष रूप से नकद भुगतान पर दोगुना टोल शुल्क वसूले जाने की व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए इसे आम जनता के लिए दंडात्मक बताया।

उनका कहना है कि कई बार तकनीकी खराबी, नेटवर्क समस्या या अन्य कारणों से वाहन चालक नकद भुगतान करने को मजबूर होते हैं, लेकिन इसके बावजूद उनसे दोगुना शुल्क वसूलना पूरी तरह अनुचित है। किसान नेता ने यह भी आरोप लगाया कि कई टोल प्लाजा पर वैध और सक्रिय फास्टैग लगे होने के बावजूद कर्मचारियों द्वारा स्कैनर खराब होने या फास्टैग ब्लैकलिस्ट होने का हवाला देकर जबरन नकद भुगतान कराया जाता है और फिर दोगुना शुल्क वसूला जाता है। उन्होंने इसे सीधे तौर पर धोखाधड़ी करार दिया। इसके अलावा फास्टैग खातों से अधिक राशि कटने, एक ही टोल पर दो बार शुल्क कटने जैसी शिकायतों का भी उन्होंने उल्लेख किया। जोकचंद ने कहा कि शिकायत दर्ज कराने के बावजूद समय पर समाधान नहीं मिलता, जिससे लोगों में असंतोष बढ़ रहा है। उन्होंने भारतीय रिजर्व बैंक की मुद्रा को वैध भुगतान का माध्यम बताते हुए कहा कि नकद भुगतान को दंडित करना नागरिकों के साथ असमान व्यवहार है।

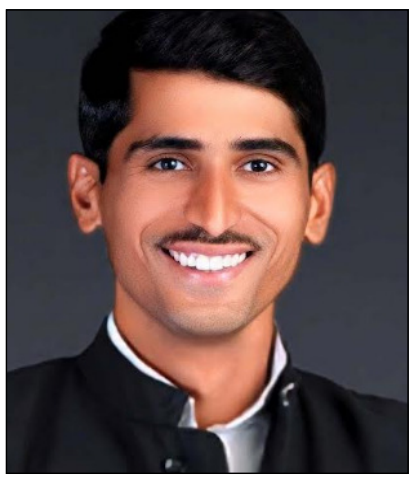

साथ ही टोल हेल्पलाइन 1033 की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि अधिकतर मामलों में शिकायतों का समाधान नहीं हो पाता। स्थानीय मुद्दों का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि कई टोल प्लाजा पर आसपास के निवासियों से भी बार-बार शुल्क वसूला जा रहा है, जिससे स्थानीय लोगों में रोष व्याप्त है। वहीं, टोल कर्मचारियों द्वारा आम नागरिकों, विशेषकर महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार और दुर्व्यवहार की घटनाएं भी सामने आ रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कई टोल प्लाजा पर शुल्क सूची, नियम और उपभोक्ता अधिकारों की जानकारी स्पष्ट रूप से प्रदर्शित नहीं की जाती, खासकर हिंदी और स्थानीय भाषा में जानकारी का अभाव रहता है, जिसका फायदा उठाकर मनमानी वसूली की जाती है। जोकचंद ने केंद्रीय मंत्री से मांग की है कि नकद भुगतान पर दोगुना शुल्क वसूली की व्यवस्था की समीक्षा कर इसे समाप्त या संशोधित किया जाए। साथ ही फास्टैग होने के बावजूद जबरन नकद वसूली करने वाले टोल प्लाजा के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और दोषी एजेंसियों के लाइसेंस निरस्त किए जाएं। उन्होंने यह भी मांग की कि गलत या अतिरिक्त कटौती की स्वतंत्र जांच कर प्रभावित उपभोक्ताओं को उनकी राशि ब्याज सहित वापस दिलाई जाए।

सभी टोल प्लाजा पर नियम, शुल्क सूची और उपभोक्ता अधिकारों को हिंदी एवं स्थानीय भाषा में प्रदर्शित करना अनिवार्य किया जाए तथा कर्मचारियों के लिए पहचान पत्र अनिवार्य किया जाए। इसके साथ ही शिकायत निवारण तंत्र को प्रभावी बनाने, स्थानीय निवासियों को राहत देने और टोल प्लाजा पर सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था को मजबूत करने की भी मांग की गई है। किसान नेता ने कहा कि यह मुद्दा सीधे तौर पर आम जनता की दैनिक परेशानियों और आर्थिक बोझ से जुड़ा हुआ है, इसलिए सरकार को इस पर त्वरित और कठोर कदम उठाने चाहिए, ताकि लोगों का विश्वास व्यवस्था में बना रहे।

## भैंसोदामंडी चौकी पुलिस ने बालक को सांवलिया सेठ मंदिर से दस्तियाब किया

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** भैंसोदामंडी चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक धर्मेश यादव एवं पुलिस टीम ने 16 अप्रैल को गुमशुदा हुए नाबालिग बालक को सांवलिया सेठ मंदिर क्षेत्र से दस्तियाब कर लिया है। ऑपरेशन मुस्कान अभियान के तहत उच्च अधिकारियों द्वारा निर्देश के पालन में बालक को खोजने हेतु टीमें लगाई गई थी, जिस पर 350 केमरे चेक करने व मुखबीर तंत्र सक्रिय करने के बाद बालक को सकुशल खोजा गया है। बालक दसवीं में फेल होने से तनाव में था, इसलिए बिना बताए वह चला गया था। घटना अनुसार 16 अप्रैल को फरियादी ने भानपुरा थाने की भैंसोदामंडी चौकी आकर शिकायत दर्ज कराई। बताया कि उसका 16 वर्षीय लड़का बिना बताए कहीं चला गया है। इस पर भानपुरा थाने पर प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। मुखबीर तंत्र मजबूत करते हुए साक्ष्य सूचना संकलित कर 350 सीसीटीवी केमरे चेक किए गए। मोबाईल लोकेशन के आधार पर भी बालक को ढूंढा गया। इस तरह बालक सांवलिया सेठ मंदिर मंडफिया राजस्थान पर होने की जानकारी मिलने पर टीम को वहां रवाना किया गया। बाद में नाबालिग मंदिर क्षेत्र में मिला, जिसे साथ लेकर पुलिस टीम चौकी पहुंची। पूछताछ में नाबालिग बालक ने बताया कि कक्षा दसवीं में दो बार फेल हो गया जिससे वह तनावग्रस्त हो गया था। तनाव से दूर रहने के लिए घर वालों को बिना बताए वह सांवलिया सेठ मंदिर पहुंच गया था और वहीं धर्मशाला में रुका रहा। नाबालिक बालक ने अपने साथ किसी प्रकार की कोई घटना कारित नहीं होना बताया है। बालक को सकुशल परिजनों को सुपुर्द किया गया। इस कार्रवाई में भानपुरा थाना निरीक्षक रमेशचंद्र दांगी, भैंसोदामंडी चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक धर्मेश यादव, सउनि औंकारसिंह ठाकुर, आरक्षक लोकेन्द्रसिंह की सराहनीय भूमिका रही है।

## जिला जैल में आपस में लड़े दो बंदी, एक घायल, प्रकरण दर्ज

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** मंदसौर की जिला जैल में 22 अप्रैल की शाम को दो विचाराधीन बंदी आपस में पानी भरने की बात को लेकर लड़ पड़े। इसके चलते गाली गलौज के बीच हाथापाई हुई और एक बंदी ने दूसरे बंदी को गंभीर चोट पहुंचाई। घायल कैदी को तुरंत जिला अस्पताल लाकर उपचार हेतु भर्ती कराया गया है। कोतवाली पुलिस के अनुसार जिला जैल के प्रहरी वीरेन्द्र बोरासी की शिकायत पर प्रकरण दर्ज किया गया है। जिला जैल के पत्र के अनुसार 22 अप्रैल की शाम सात बजे सेक्टर क्रमांक तीन के सामने की घटना है। यहां विचाराधीन बंदी जहूर हुसैन पिता लालशाह खां 46 वर्ष निवासी लालसोड़ा थाना धरियावद जिला प्रतापगढ़ एवं महेश पिता केसरीमल निवासी माल्याखेरखेड़ा थाना नाहरगढ़ ने पानी भरने की बात को लेकर आपस में झगड़ा किया। विवाद के दौरान बंदी महेश को गंभीर चोट आई, जिसे उपचार हेतु तत्काल जिला अस्पताल लाए। यहां भर्ती किया गया है। घटना के समय चौक मुख्य प्रहरी चन्द्रभानसिंह एवं प्रहरी वीरेन्द्र बोरासी की ड्यूटी थी। घटना कारित कर बंदी द्वारा जेल नियमावली का भी उल्लंघन किया गया है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की है।

## कलेक्टर हिमांशुचंद्रा ने सिंगोली नायब तहसीलदार श्री मकवाना को प्रषस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

**सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने गुरुवार को टाउन हॉल, नीमच में आयोजित जिले के सभी राजस्व अधिकारियों और पटवारियों की विभागीय समीक्षा बैठक में निर्देश दिए कि सभी राजस्व अधिकारी एवं पटवारी शासकीय जमीनों के संरक्षण, रास्ता विवाद, अतिक्रमण प्रकरण, दिव्यांगजनों, महिलाओं, बुजुर्गों एवं कमजोर वर्ग के व्यक्तियों के राजस्व संबंधी कार्यों को संवेदनशीलता के साथ स्वयं आगे आकर तत्परतापूर्वक करें। अच्छा कार्य करने वाले सहयोगियों से सीखें, समझें और अपने कार्य में सुधार लाएं। कार्यों में पारदर्शिता रखें। इस अवसर पर राजस्व कार्यों में उत्कृष्ट प्रर्दशन ओर समय पर प्रकरणों के निराकरण व किसान फार्मर रजिस्ट्री , इ-केवाईसी, नक्शा शुद्धिकरणव राजस्व वसूली अभियान सहितअन्य क्षेत्र में विशिष्ट उल्लेखनीय कार्य करने बाबत जिला कलेक्टर हिमांशु चंद्रा जी द्वारा सिंगोली नायब तहसीलदार बाल कृष्ण मकवाना को प्रशस्ति पत्र देकर उन्हें सम्मानित किया, बैठक में ए.डी.एम. श्री बी.एस. कलेश, सभी एस.डी.एम., तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक एवं पटवारी उपस्थित थे।

## मेडिकल कॉलेजों से दूर होगी डॉक्टरों की कमी, स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगी मजबूती : उप मुख्यमंत्री देवड़ा

### स्वास्थ्य भवन बना आशा और उम्मीदों का केंद्र, मातृ-शिशु सेवा को मिलेगा नया आयाम - केबिनेट मंत्री राकेश सिंह

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** मंदसौर जिले के स्वास्थ्य एवं अधोसंरचना विकास को नई गति देते हुए उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा एवं लोक निर्माण विभाग मंत्री राकेश सिंह ने शुक्रवार को जिला चिकित्सालय मंदसौर में 29 करोड़ 52 लाख रुपए की लागत से विभिन्न निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इस अवसर पर 7 करोड़ 50 लाख रुपए की लागत से निर्मित 100 बिस्तरीय नवीन वार्ड तथा 17 करोड़ 29 लाख रुपए की लागत से बने 100 बिस्तरीय मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य (एमसीएच) भवन का लोकार्पण किया गया। साथ ही 4 करोड़ 73 लाख रुपए की लागत से चांदाखेड़ी फंटा से खजुरिया मार्ग निर्माण कार्य का भूमिपूजन भी किया।

उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेजों की स्थापना से प्रदेश के स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टरों की कमी को धीरे-धीरे दूर किया जा सकेगा। ।उन्होंने बताया कि पहले प्रदेश में सीमित संख्या में मेडिकल कॉलेज थे, लेकिन अब प्रत्येक जिले में मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है। इन संस्थानों से प्रशिक्षित होकर निकलने वाले विद्यार्थी प्रदेश में ही सेवाएं देंगे, जिससे आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकेंगी। उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने कहा कि जिला चिकित्सालय मंदसौर में आज जो सुविधाएं जोड़ी गई हैं, वे क्षेत्र के नागरिकों के लिए बड़ी सौगात हैं और इससे स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार आएगा।

कैबिनेट मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि आज लोकार्पित स्वास्थ्य भवन केवल एक इमारत नहीं है, बल्कि यह भविष्य की आशाओं का केंद्र है। यह विशेष रूप से माताओं और बहनों की सेवा के लिए समर्पित रहेगा तथा समाज के लिए प्रेरणादायक केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में विकास कार्य केवल भौतिक अधोसंरचना तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उन्हें प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर किया जा रहा है। बदलते हुए भारत में परिवर्तन को महसूस किया जा रहा है। सकारात्मक परिवर्तन देखा जा रहा है। विकास को नए पंख लगे हैं। विकास की धारा बह रही हैं। विकसित भारत के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। कार्यक्रम में लोकसभा सांसद सुधीर गुप्ता, राज्य सभा सांसद बंशीलाल गुर्जर ने लोक निर्माण विभाग की कार्यप्रणाली की सराहना की। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गा पाटीदार, गरोठ विधायक चंदर सिंह सिसोदिया, पूर्व मंत्री कैलाश चावला, जिला योजना समिति सदस्य राजेश दीक्षित, पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया, पूर्व विधायक देवीलाल धाकड़, नगर पालिका अध्यक्ष रमादेवी गुर्जर, जनपद अध्यक्ष बसंत शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि प्रशासनिक अधिकारी, पत्रकार मौजूद थे।

## नगरपालिका मतदाता सूची का पुनरीक्षण कार्यक्रम जारी

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** म.प्र.राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरपालिका निर्वाचन हेतु 01 जनवरी 2026 की संदर्भ तारीख पर फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण का कार्यक्रम जारी किया गया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री हिमांशु चंद्रा ने बताया कि 27 अप्रैल तक प्रशिक्षण व नियुक्ति, 15 मई को प्रारूप मतदाता सूची का सार्वजनिक प्रकाशन तथा 15 मई से 25 मई 2026 तक दावा-आपत्ति केन्द्रों पर दावे-आपत्ति प्राप्त किए जाएंगे।

## वाहन चालक के एक संविदा पद पर भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, नीमच द्वारा वाहन चालक के एक पद पर 02 वर्ष की संविदा अवधि हेतु नियुक्ति के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इस पद हेतु अभ्यर्थी की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं उत्तीर्ण होना एवं वैध ड्राइविंग लाइसेंस धारक होना अनिवार्य है। साथ ही अभ्यर्थी को समस्त प्रकार के वाहन चलाने का अनुभव होना चाहिए। वाहन मैकेनिक का ज्ञान रखने वाले अभ्यर्थियों को भर्ती में प्राथमिकता प्रदान की जाएगी। इच्छुक अभ्यर्थी आवेदन पत्र का प्रारूप नवीन जिला न्यायालय परिसर स्थित नोटिस बोर्ड एवं कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, नीमच से प्राप्त कर सकते हैं। आवेदन 23 अप्रैल 2026 से प्रारंभ होकर 08 मई 2026 सायं 05:00 बजे तक नवीन जिला न्यायालय परिसर के नीमच की सर्विस बिल्डिंग के द्वितीय तल पर स्थित कक्ष क्रमांक 8 में व्यक्तिगत रूप से अथवा डाक के माध्यम से जमा किए जा सकते हैं। 09 मई 2026 को पात्र अभ्यर्थियों की सूची नवीन जिला न्यायालय परिसर के नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित की जाएगी। पात्र अभ्यर्थियों का साक्षात्कार 13 मई 2026 को प्रातः 09:30 बजे से नवीन न्यायालय परिसर के द्वितीय तल पर स्थित विशेष न्यायाधीश महोदय के विश्राम कक्ष में आयोजित किया जाएगा। साक्षात्कार में उपयुक्त पाए गए अभ्यर्थियों की उसी दिन व्यवहारिक ड्राइविंग परीक्षा भी ली जाएगी। अंतिम चयन एवं प्रतीक्षा सूची मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के अनुमोदन उपरांत जारी की जाएगी, जिसकी सूचना चयनित अभ्यर्थी को पृथक से दी जाएगी। यह जानकारी जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री प्रवीण कुमार ने दी है।

## मन्दसौर में बार बार महापुरुषों का अपमान करने पर ठोस कार्यवाही की मांग

### सामाजिक एवं राजनैतिक कार्यकर्ता डॉ. राघवेन्द्रसिंह तोमर ने मुख्यमंत्री एवं मुख्यसचिव को पत्र प्रेषित कर कलेक्टर को भी भेजी कॉपी

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिले में लगातार बार-बार महापुरुषों का अपमान विभिन्न विभागों द्वारा किया जा रहा है । बार-बार शिकायत करने के बावजूद भी बाज नहीं आ रहे हैं। पूर्व में भी मेरे द्वारा कई बार ऐसे मामलों में शिकायत प्रेषित की गई, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पाई। इस संबंध में सामाजिक एवं राजनैतिक कार्यकर्ता डॉ. राघवेन्द्रसिंह तोमर ने मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव भोपाल को पत्र प्रेषित कर कलेक्टर को भी पत्र की एक कॉपी भेजी है।

डॉ. तोमर ने बताया कि कुछ माह पूर्व मेडिकल कॉलेज मन्दसौर द्वारा इंदिरा गांधी जिला चिकित्सालय का नाम हटाकर मेडिकल कॉलेज का नाम लिख दिया गया था। मेरे द्वारा शिकायत करने पर पुनः इंदिरा गांधी जिला चिकित्सालय लिखा गया। इसी प्रकार बरसों पुराने राजीव गांधी खेल परिसर का नाम भी अचानक हटा दिया गया। जब मेरे द्वारा इस संबंध में राज्य शासन को शिकायत प्रेषित की गई, तब जाकर कई दिनों बाद नाम को फिर से लिखवाया गया। लेकिन,

यह दोनों कृत्य करने वाले अधिकारियों के खिलाफ किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं की गई। जिसके कारण दिनांक 24 अप्रैल 2026 को मंदसौर के इंदिरा गांधी जिला चिकित्सालय में 100 बिस्तर के वार्ड के लोकार्पण समारोह के आमंत्रण कार्ड में से इंदिरा गांधी जिला चिकित्सालय के स्थान पर सिर्फ जिला चिकित्सालय लिख दिया गया। जब जिम्मेदारों से चर्चा की गई तो उनके द्वारा कोई सही जवाब नहीं दिया गया। डॉ. तोमर ने आरोप लगाया कि इससे ऐसा लगता है जैसे मंदसौर का जिला प्रशासन कुछ लोगों के साथ मिलकर यह कृत्य जानबूझकर कर रहा है। इन कृत्यों से मंदसौर के नागरिकों की भावना आहत हो रही है। इसी प्रकार बरसों पुराने पंडित जवाहरलाल नेहरू उद्यान की दुर्दशा हो रही है। लेकिन, ध्यान नहीं दिया जा रहा है । पूर्व में कई बार इन सब मामलों में शिकायत की गई है, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से मनमानी होती जा रही है। यह कि जब मध्यप्रदेश सरकार ने गजट में प्रकाशन के बाद जिन संस्थाओं का नामकरण महापुरुषों के नाम पर किया हुआ है तो ऐसी स्थिति में स्थानीय प्रशासन द्वारा इस प्रकार से नाम हटाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण होने के साथ घोर निंदनीय भी है। ऐसा करके जिम्मेदार अधिकारियों वे सिविल सेवा आचरण का भी घोर उलंघन किया है। अतः इस पत्र के माध्यम से आपसे अनुरोध है कि उपरोक्त मामलों को संज्ञान में लेते हुए जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध ठोस कार्रवाई की जाए तथा इन्हें हिदायत दी जाए कि भविष्य में इस प्रकार की घटना न हो।

## पिपलोदा क्षेत्र में टीम की तत्परता एक ही दिन में रोके गए तीन बाल विवाह

**रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** पिपलोदा परियोजना अंतर्गत तहसील पिपलोदा के वार्ड क्रमांक 9 करियामर एवं कालूखेडा लसूडिया में बाल विवाह संबंधी शिकायत चाइल्ड लाइन के माध्यम से प्राप्त हुई थी। शिकायत की जांच के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री रामनिवास बुधोलिया के निर्देशन में सहायक संचालक एवं प्रभारी परियोजना अधिकारी श्रीमती भारती डांगी के द्वारा दल का गठन किया गया एवं पुलिस विभाग के साथ मौके पर पहुंचकर बाल विवाह रुकवाया गया।

जांच के दौरान पिपलोदा तहसील के वार्ड क्रमांक 9 करियामर में टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की जहा पर 1 बालक और 1 बालिका के बाल विवाह की सूचना मिली। जहां बालिका के विवाह की तैयारी चल रही थी। जिसमें स्कॉलर रजिस्टर के आधार पर बालिका की उम्र 16 वर्ष पाई गई। समझाइश देने पर परिजनों ने आश्वासन दिया कि बालिका का विवाह 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने के बाद ही किया जाएगा। इसी क्षेत्र में एक बालक के विवाह की सूचना भी मिली। जांच में बालक की उम्र 16 वर्ष 10 माह पाई गई। टीम ने परिजनों को बाल विवाह के दुष्परिणामों और कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी। साथ ही बताया गया कि बालक की वैधानिक विवाह आयु 21 वर्ष है। परिजनों से लिखित आश्वासन लिया गया कि वे निर्धारित आयु के बाद ही विवाह करेंगे। इसके पश्चात टीम द्वारा कालूखेड़ा लसूडिया में पहुंची, जहां बालिका के विवाह की तैयारी की जानकारी मिली थी। मौके पर पहुंचे दल को बालिका के पिता ने बताया कि विवाह फिलहाल स्थगित कर दिया गया है और बालिका का विवाह 18 वर्ष पूर्ण होने के बाद ही किया जाएगा। इस संबंध में मंदसौर जिले को भी सूचना भेजी गई है। उक्त टीम में सेक्टर सुपरवाइजर श्रीमती प्रेरणा चौहान, श्रीमती भारती सोनी, पुलिस विभाग से श्री मनीष दीक्षित, एएसआई एवं महिला कांस्टेबल उपस्थिति थी।

## गौसेवा से गूंजा धाम- युवाचार्य महेंद्र ऋषि महाराज का आगमन, व्यवस्थाओं की खुलकर सराहना

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** शुक्रवार को चल्दू स्थित वृंदावन गौशाला, जैन दिवाकर गुरु कमल तीर्थ बिहार धाम में श्रवण संघ युवाचार्य प्रवर श्री महेंद्र ऋषि महाराज का पावन आगमन हुआ। राष्ट्र संत कमल मुनि जी कमलेश की प्रेरणा से पहुंचे गुरुदेव ने गौशाला परिसर का अवलोकन किया और यहां संचालित सेवाकार्यों को देखकर गहरा संतोष व्यक्त किया।

गुरुदेव ने गौसेवा, स्वच्छता और अनुशासित व्यवस्थाओं की विशेष रूप से सराहना करते हुए कार्यकर्ताओं के समर्पण की प्रशंसा की। उनके प्रेरणादायक उद्बोधन से जुड़े सभी सेवाभावी कार्यकर्ताओं में नया उत्साह और ऊर्जा का संचार हुआ।

अखिल भारतीय जैन दिवाकर विचार मंच, नई दिल्ली महिला शाखा वीरांगना प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा सांभर ने बताया कि गुरुदेव का आशीर्वाद गौशाला के लिए मार्गदर्शक साबित होगा। वहीं, दिवाकर युवा शाखा मध्यप्रदेश के वरिष्ठ कार्यकर्ता विक्रम जी ने कहा कि इस आगमन से कार्यकर्ताओं का हौसला और अधिक बुलंद हुआ है।

इस अवसर पर ज्ञान दिवाकर कमल गौशाला मंदसौर के अध्यक्ष नीलम वीरवाल जैन, नीमच संघ से वर्धमान स्थानकवासी श्रमणसंघ अध्यक्ष मनोहरलाल बंब, सूरजमल घोटा, सुरेन्द्र बंब, दिवाकर युवा संघ अध्यक्ष अनिल मांदेचा, संजय गांधी सहित अनेक पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में गौमाता भक्त विक्रम बना और पार्थ कुमावत ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। पूरे आयोजन के दौरान गौसेवा और धर्मभावना का वातावरण बना रहा, जिससे उपस्थित श्रद्धालु भी प्रेरित और भाव-विभोर नजर आए।

## जहां अंधेरा था, वहीं दीप जलाने की कोशिश दिखी

**सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** नीमच जिले में सिंगोली तहसील का ग्राम कोज्याज आदिवासी बहुल वह अंचल, जहां योजनाएं पहले भी पहुंचीं, कार्यक्रम भी हुए–लेकिन इस बार एक अलग अनुभूति सामने आई।

यह केवल एक रात्रि चौपाल नहीं थी, बल्कि उस सोच का प्रत्यक्ष रूप था, जिसमें शासन अंतिम छोर तक पहुंचने की बात करता है। मुख्यमंत्री की मंशा और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय का विचार यहां केवल शब्दों में नहीं, बल्कि संवाद में जीवंत होता दिखाई दिया।

करीब साढ़े तीन घंटे का सफर तय कर कलेक्टर का इस दूरस्थ अंचल में पहुंचना और देर रात तक ग्रामीणों के बीच संवादरत रहना–यह अपने आप में एक संकेत था कि प्रशासन अब दूरी कम करने की कोशिश कर रहा है। बिछात पर बैठकर समस्याएं सुनना, समझना और समाधान की दिशा में निर्देश देना–इस पूरी प्रक्रिया में औपचारिकता कम और संवेदना अधिक दिखाई दी। गांव के लोगों के चेहरे, उनकी सहजता और संवाद में खुलापन यह बताने के लिए काफी थे कि उन्हें केवल सुना ही नहीं गया, बल्कि समझने की कोशिश भी हुई। यही वह बिंदु है, जहां योजनाएं कागज से निकलकर वास्तविक जीवन से जुड़ती हैं।

असल बात यही है–दूरस्थ क्षेत्रों की वास्तविकता आंकड़ों से पूरी तरह नहीं समझी जा सकती। उसके लिए वहां तक जाना पड़ता है, समय देना पड़ता है और लोगों के बीच बैठकर उनकी बात सुननी पड़ती है। कोज्या की चौपाल ने यह एहसास कराया कि जब संवाद ईमानदारी से होता है, तो समाधान की दिशा भी स्पष्ट होती है।

चलो जलाएं दीप वहां, जहां अभी भी अंधेरा है–यह पंक्ति अक्सर कही जाती है, लेकिन यहां यह एक प्रयास के रूप में दिखी, एक शुरुआत के रूप में महसूस हुई।

आमजन में चर्चा चल रही कि–अगर प्रशासन इसी तरह गांव की चौपाल तक पहुंचकर सुनने और समझने की यह परंपरा बनाए रखे, तो योजनाएं केवल कागजों में नहीं, बल्कि लोगों के जीवन में बदलाव के रूप में दिखाई देंगी। यही किसी भी व्यवस्था की सबसे बड़ी सफलता होती है।

## नीमच शहर में खाद्य औषधि प्रशासन टीम की कार्रवाई, 3 फर्मो का आकस्मिक निरीक्षण कर लिए 7 नमूने

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं अपर कलेक्टर श्री बी.एस.कलेश के मार्गदर्शन में खाद्य एवं प्रशासन नीमच की टीम ने नीमच शहर में संचालित खाद्य प्रतिष्ठानों का खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत आकस्मिक निरीक्षण कर, जांच के नमूने लिए तथा सुधार सूचना पत्र जारी किए गए।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री राजू सोलंकी ने बताया, कि टीम द्वारा फर्म आशीर्वाद इंटरप्राइजेज कंचन नगर नीमच का आकस्मिक निरीक्षण कर, पेकिंग हो रहे खाद्य पदार्थ नीमच गोल्ड रिफाइंड सोयाबीन तेल एवं टैंकर से रिफाइंड सोयाबीन तेल, के 2 नमूने लिए गए एवं मौके पर पर्याप्त साफ, सफाई नहीं होने, आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर अधिनियम की धारा 32 के तहत नोटिस जारी किया गया है। फर्म गोयल सेल्स कार्पोरेशन बंगला नंबर 59 नीमच का आकस्मिक निरीक्षण कर मौके पर विक्रय एवं पेकिंग हेतु भंडारि?त खाद्य पदार्थ रिफाइंड सोयाबीन तेल का नमूना लिया। फर्म होटल श्री गणेश रतन महाराज का ढाबा नीमच का आकस्मिक निरीक्षण टीम ने किया। मौके पर खाद्य पदार्थ का निर्माण होते पाया गया एवं खाद्य विक्रय ग्राहकों को किया जा रहा था। परिसर में बैठक व्यवस्थाओं पर कार्यरत कर्मचारियों द्वारा खाद्य पदार्थ को विक्रय कर, परोसा जा रहा था। मौके पर टीम द्वारा खाद्य पंजीयन/ लाइसेंस बाबत जानकारी चाही गई, जिस पर मौजूद फर्म संचालक श्री रतन शर्मा ने खाद्य पंजीयन अनुज्ञप्ति प्रस्तुत नहीं की एवं बिना खाद्य पंजीयन / अनुज्ञप्ति के फर्म पर खाद्य पदार्थ का निर्माण विक्रय भंडारण आदि होना पाया गया, जो खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 का स्पष्ट रूप से उल्लंघन होने से फर्म होटल श्री गणेश रतन महाराज का ढाबा पर तत्काल खाद्य निर्माण क्रय विक्रय खाद्य पंजीयन/अनुज्ञप्ति प्राप्त करने तक बंद कराया गया।

# सम्पादकीय

## जनभागीदारी से जनविजय- मलेरिया उन्मूलन का मार्ग

जब दुनिया स्वास्थ्य के एक अहम मोड़ पर खड़ी है, तब 25 अप्रैल–विश्व मलेरिया दिवस चेतावनी और संकल्प दोनों का संदेश देता है। इस वर्ष का थीम मलेरिया को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध– अब हम कर सकते हैं, अब हमें करना ही होगा। स्पष्ट चुनौती है। एनोफिलीज मच्छर अब भी हर साल लाखों परिवारों को प्रभावित करता है। डब्ल्यूएचओ वर्ल्ड मलेरिया रिपोर्ट 2025 के अनुसार, 2024 में वैश्विक स्तर पर अनुमानित 28.2 करोड़ मामले और 6.10 लाख मौतें दर्ज हुईं, जिनमें 94-95 प्रतिशत बोझ अफ्रीकी क्षेत्र पर है। फिर भी प्रगति उल्लेखनीय है– 2000 के बाद से अब तक 230 करोड़ मामले और 1.4 करोड़ मौतें टलीं। 2024 में अकेले 1 मिलियन जीवन बचे और 47 देश तथा एक क्षेत्र मलेरिया-मुक्त घोषित हो चुके हैं। ये आंकड़े केवल संख्या नहीं, बल्कि मानवीय साहस और सामूहिक प्रयासों का प्रमाण हैं। जलवायु परिवर्तन और दवा-प्रतिरोध के बावजूद विज्ञान उम्मीद जगा रहा है–यह लड़ाई जीती जा सकती है, यदि संकल्प दृढ़ और प्रयास सतत रहें। विश्व पटल पर मलेरिया आज भी गरीबी और असमानता का सबसे कड़ा सच है। 2024 में उप-सहारा अफ्रीका में 26.5 करोड़ मामले और लगभग 5.79 लाख मौतें हुईं। एथियोपिया, मेडागास्कर और यमन जैसे देशों में मामलों में उछाल देखा गया। फिर भी दक्षिण-पूर्व एशिया में सुधार जारी है। भारत ने 2017- 2023 में मामले 69 प्रतिशत घटाकर 20 लाख किए, मौतें 68 प्रतिशत कम कीं (2015 से कुल लगभग 80 प्रतिशत कमी)। 2024 में भारत हाई बर्डन हाई इम्पैक्ट समूह से बाहर निकलकर लक्ष्य-सिद्धि का उदाहरण बना। ग्रामीण स्वास्थ्य कार्यकर्ता, आशा दीदियां और नेशनल वेक्टर बोर्न डिजीज कंट्रोल प्रोग्राम जैसे प्रयासों ने यह बदलाव रचा। जलवायु परिवर्तन, दवा-प्रतिरोध, बढ़ता शहरी जलजमाव और फंडिंग की कमी चुनौतियां बनी हुई हैं। अब समय है पुरानी रणनीतियों को नई तकनीक से जोड़ने का।

भारत की सफलता–प्रेरणा का सशक्त स्रोत। आदिवासी अंचलों से महानगरों तक मच्छरदानी वितरण, लार्वीसाइडिंग और त्वरित निदान ने ठोस प्रभाव डाला। 2025 के आँकड़ों में अधिकांश जिलों में स्थानीय संक्रमण नियंत्रित है; 160 से अधिक जिलों ने 2022-2024 के बीच शून्य स्वदेशी मामले दर्ज किए। लक्ष्य स्पष्ट–2027 तक शून्य स्वदेशी मामले और 2030 तक मलेरिया मुक्त भारत। यह केवल सरकार नहीं, हर गाँव, हर स्कूल, हर परिवार की सामूहिक जिम्मेदारी है। युवा स्वयंसेवक ड्रोन से लार्वा नियंत्रण कर रहे हैं, ऐप के माध्यम से लक्षणों की सटीक रिपोर्टिंग हो रही है। जब एक देश इतनी तीव्र गति से आगे बढ़ सकता है, तो दुनिया क्यों नहीं? भारत का मॉडल अब अफ्रीकी देशों के लिए प्रेरक मार्गदर्शक बन रहा है।

सबसे सशक्त कवच–रोकथाम ही किफायती और असरदार उपाय है। मच्छरदानी, इनडोर स्प्रेइंग, स्वच्छता और समय पर जांच-इलाज से 80 प्रतिशत तक मामले रोके जा सकते हैं। नई वैक्सीन आरटीएस, एस और आर-21 बच्चों में गंभीर मलेरिया को काफी हद तक घटा रही हैं–आर-21 ने मौसमी क्षेत्रों में 75 प्रतिशत तक प्रभावशीलता दिखाई है, जबकि दोनों वैक्सीन मिलाकर मौसमी केमोप्रिवेंशन के साथ 75 प्रतिशत तक सुरक्षा प्रदान करती हैं। जीन एडिटिंग, अगली पीढ़ी के कीटनाशक और ड्यूल-एक्टिव इंसेक्टिसाइड ट्रीटेड नेट्स प्रयोगशालाओं से निकल रहे हैं। पर ये साधन तब तक निष्प्रभावी हैं, जब तक अंतिम व्यक्ति तक न पहुंचें। ग्रामीण भारत में अब भी कई जगह जागरूकता की कमी है। स्कूलों में मलेरिया शिक्षा अनिवार्य करनी होगी। हर घर में मच्छरदानी, हर जलस्रोत स्वच्छ–यही छोटे कदम बड़े बदलाव लाएंगे।

इस जंग के असली प्रहरी–समर्पित स्वास्थ्यकर्मी हैं, जो दिन-रात मरीजों की सेवा में डटे हैं। अफ्रीका के सुदूर गांवों से भारत के दुर्गम जंगलों तक वे जोखिम उठाकर निरंतर काम कर रहे हैं। सरकारों को अब बजट दोगुना करना होगा, निजी क्षेत्र को सक्रिय रूप से शोध में जोड़ना होगा। अंतरराष्ट्रीय सहयोग को और सशक्त बनाना अनिवार्य है। जलवायु परिवर्तन मच्छरों का दायरा बढ़ा रहा है, इसलिए पर्यावरण संरक्षण भी मलेरिया नियंत्रण का अहम हिस्सा बन गया है। जब हम सब मजबूती से एकजुट होंगे, तभी यह लड़ाई निर्णायक रूप से जीती जा सकेगी।

अब हर नागरिक की भूमिका निर्णायक और अनिवार्य बन चुकी है। क्या आपने अपने घर के आसपास जलजमाव पूरी तरह रोका? क्या बच्चों को बचाव के प्रभावी तरीके सिखाए? क्या अपने इलाके में सक्रिय जागरूकता अभियान चलाया? छोटे-छोटे कदम–पुराने टायर हटाना, गमलों का पानी नियमित बदलना, मच्छरदानी का सही उपयोग–मिलकर महामारी की रफ्तार थाम सकते हैं। सोशल मीडिया पर प्रमाणिक जानकारी फैलाएं, स्थानीय नेतृत्व से ठोस और त्वरित कदमों की मांग करें। जब हर व्यक्ति सजग और जिम्मेदार बनेगा, तभी मलेरिया का नामोनिशान मिटेगा। समय का यह निर्णायक मोड़ हमें पुकार रहा है–25 अप्रैल अब महज़ एक दिन नहीं, परिवर्तन का सशक्त बिगुल है। अब हम कर सकते हैं, अब हमें करना ही होगा केवल नारा नहीं, सामूहिक संकल्प और प्रतिबद्धता बने।

## असीमित विकल्पों के दौर में द्वंद्व रहित जीवन संभव है सहजयोग ध्यान से



जीवन की परिस्तिथियों में लिप्त ना होना, सुख दुख से परे जाकर जिंदगी का आनंद उठाना यूं अपने आप में समाया होना कि, हर समस्या का समाधान सहजता से प्राप्त हो यह सब जीवन जीने की कला है जो योग के बाद ध्यान करने से मनुष्य के भीतर विकसित होती है। जब कुंडलिनी सहस्रार का भेदन करती है, तो आप अपने हाथों में शीतल हवा महसूस करते हैं। यह सौम्य शीतल लहरियां हैं जो कि पवित्र आत्मा या इस सर्वव्यापी शक्ति की ठंडी हवा है। लेकिन जब आप इस अवस्था को प्राप्त करते हैं तो आप आत्मा बन जाते हैं, आप उस पहिए की तरह अत्यंत शान्त बन बन जाते हैं, जो गतिशील है। और अगर आपका चित्त पहिए पर है, उसकी परिधि पर है, तब आपका मन भी हर समय चलायमान रहता है। लेकिन अगर आप पहिए की धुरी पर चित्त डालें, तो यह मौन है। अतः आप पूर्ण मौन के क्षेत्र में प्रवेश कर जाते हैं और आप वहाँ से हरेक चीज़ को एक नाटक, एक लीला की तरह देखते हैं। यह सब चीजें आपके साथ सहज ही घटित होती हैं।

परम पूज्य माताजी श्री निर्मला देवी जी के 5 अगस्त 1991 के प्रवचन से साभार - हम देख रहे हैं विश्व कितनी तेजी से बदल रहा है। तकनीकी विकास ने, इस ग्लोबलाइजेशन ने जैसे विश्व को एक सूत्र में जोड़ दिया है। परंतु साथ ही साथ हम एक अशांति में प्रवेश होने से स्वंय को बचा नहीं पा रहे हैं। तकनीकी विकास ने मानवता, इंसानियत और भाई चारे को लगभग समाप्त ही कर दिया है। इंसान भी जैसे भावहीन मशीन सा बन गया है. बस पैसे कमाना, सुख सुविधाओं का उपयोग यही जिंदगी बन गई है। धर्म, राजनीति, परिवार और समाज हर जगह द्वंद्व है. जो जन साधारण के अंतर में बेचैनी का भाव भर रहा है. . वर्तमान में स्थिति यह है कि हमारे आसपास के बदलते परिवेश का प्रभाव हम पर इतना अधिक होता है कि हम हम एक बेचैनी से भरा जीवन जीने को विवश होते हैं. शांति से यदि जीवन जीना है तो हमें ध्यान योग से जुड़ना चाहिए. सहज योग से जुडने पर जब हमारे अंदर स्थित कुंडलिनी शक्ति का जब जागरण होता है तब हमारे अंदर कई गुण विकसित होते हैं जिसमें एक गुण है साक्षी भाव। साक्षी भाव के जागृत होते ही हम पर आसपास के घटनाओं का दुष्प्रभाव नहीं पड़ता और हम हर एक घटना को साक्षी बनकर देखने लगते हैं। अत– सहज योग से जुड़कर आत्म साक्षात्कार पायें और जीवन का आनंद उठायें. अपने आत्म साक्षात्कार को प्राप्त करने हेतु अपने नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं।

# 'वसुधैव कुटुंबकम' बनाम 'बटर चिकन सुनामी' - दो दृष्टिकोणों का टकराव

वैश्विक संबंधों में कई बार ऐसे क्षण आते हैं जो नीतियों से अधिक भाषा के प्रभाव को उजागर करते हैं, और अप्रैल 2026 की यह घटना इसी का उदाहरण है। एक ओर न्यूजीलैंड है–लगभग 52 लाख आबादी वाला विकसित, लेकिन छोटा द्वीप राष्ट्र; दूसरी ओर भारत है–140 करोड़ से अधिक जनसंख्या वाला उभरता वैश्विक शक्ति केंद्र। वर्षों की बातचीत के बाद तैयार मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) दोनों देशों के बीच सहयोग और व्यापार विस्तार का बड़ा अवसर माना जा रहा था। परंतु इसी संवेदनशील समय में न्यूजीलैंड के मंत्री शेन जोन्स द्वारा इसे 'बटर चिकन सुनामी' कहना केवल असहमति नहीं रहा, बल्कि इसने पूरे कूटनीतिक संतुलन को झकझोरते हुए विवाद की एक नई लहर खड़ी कर दी।

यह टिप्पणी केवल राजनीतिक असहमति नहीं थी, बल्कि उस दृष्टिकोण को दर्शाती है जिसमें व्यापारिक संबंधों को सांस्कृतिक पूर्वाग्रह से जोड़ा गया। 'बटर चिकन'–जो भारतीय भोजन और सांस्कृतिक पहचान का वैश्विक प्रतीक है–को 'सुनामी' जैसे विनाशकारी शब्द से जोड़ना संवेदनशीलता की कमी को उजागर करता है। इस मुक्त व्यापार समझौते के तहत न्यूजीलैंड को भारत जैसे विशाल बाजार में 95 प्रतिशत निर्यात पर शुल्क मुक्त या काफी कम पहुंच मिलने वाली थी। ऊन, मांस, वन उत्पादों और कुछ अन्य वस्तुओं पर टैरिफ घटने या खत्म होने से निर्यात बढ़ता। बदले में भारत से वस्तुओं, सेवाओं और कुशल प्रवासियों के अवसर भी खुलते। न्यूजीलैंड सरकार ने इसे ÷एक पीढ़ी में एक बार मिलने वाला अवसर÷ माना था।

इस बहस के केंद्र में एनजेड फर्स्ट और उसके नेता शेन जोन्स रहे, जिन्होंने इस समझौते को 'अनियंत्रित प्रवासन' का खतरा बताया। उनका कहना था कि इससे सड़कें जाम हो सकती हैं, अस्पतालों पर दबाव बढ़ सकता है और सार्वजनिक सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। यह चिंता स्थानीय असंतोष को दर्शाती है, क्योंकि कई देशों में प्रवासन पर ऐसी चर्चाएं होती रही हैं, लेकिन इसे जिस तरह प्रस्तुत किया गया, वह विवादास्पद बन गया। न्यूजीलैंड में प्रवासन पर बहस पहले से जारी है। आवास की कमी, बढ़ती जनसंख्या और सीमित संसाधन असंतोष को बढ़ाते हैं। इसके बावजूद भारतीय समुदाय वहां अर्थव्यवस्था का आधार है, जो स्वास्थ्य, आईटी, शिक्षा और व्यापार में अहम योगदान दे रहा है।

इस विवाद में सोशल मीडिया पर भारतीय समुदाय की प्रतिक्रिया ने स्थिति स्पष्ट कर दी। लोगों ने कहा– ÷हम बटर चिकन नहीं, बल्कि डॉक्टर, इंजीनियर और उद्यमी हैं।÷ यह उनकी सामाजिक भूमिका का प्रतिबिंब था। इस बीच क्रिस्टोफर लक्सन ने बयान को 'अनहेल्पफुल', 'अलार्मिस्ट' और 'भ्रामक अतिरंजना' बताया, लेकिन उसे खुलकर नस्लवादी कहने से परहेज किया। यह रुख उनके राजनीतिक संतुलन को दर्शाता है। वहीं लेबर पार्टी ने मुक्त व्यापार समझौते के समर्थन के संकेत दिए, जिससे स्पष्ट हुआ कि आर्थिक हित कई बार राजनीतिक मतभेदों से आगे निकल जाते हैं। यह घटनाक्रम न्यूजीलैंड की आंतरिक राजनीति में विभाजन को भी उजागर करता है। 'बटर चिकन' महज एक व्यंजन नहीं, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक पहचान का मजबूत प्रतीक है। जैसे 'पिज़्ज़ा' इटली की और 'सुशी' जापान की वैश्विक पहचान बन चुकी है, वैसे ही बटर चिकन भारत की खाद्य संस्कृति और सॉफ्ट पावर का प्रतिनिधित्व करता है। ऐसे में इसे 'सुनामी' जैसे विनाशकारी शब्द से जोड़ना केवल हल्का मजाक नहीं माना गया, बल्कि इसे सांस्कृतिक असम्मान के रूप में देखा गया। कूटनीति में प्रतीकों और शब्दों की भूमिका बेहद निर्णायक होती है, क्योंकि एक शब्द, एक इशारा या एक रूपक भी देशों के संबंधों की दिशा बदल सकता है। इतिहास भी यह दिखाता है कि कई बार छोटे और असावधान बयान बड़े अंतरराष्ट्रीय विवादों की वजह बन चुके हैं।

भारत सरकार ने इस पूरे मामले पर औपचारिक रूप से कोई तीखी प्रतिक्रिया नहीं दी, जो उसकी संतुलित और परिपक्व कूटनीतिक शैली को दर्शाता है। हालांकि भारतीय मीडिया और प्रवासी समुदाय ने स्पष्ट रूप से यह संदेश दिया कि सम्मान के साथ कोई समझौता स्वीकार्य नहीं है। भारत की 'वसुधैव कुटुंबकम्' की भावना–जहां संपूर्ण विश्व को एक परिवार माना जाता है–ऐसी परिस्थितियों में और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। यह दृष्टिकोण केवल एक आदर्श नहीं, बल्कि भारत की व्यवहारिक और दीर्घकालिक कूटनीति का आधार भी है।

शेन जोन्स ने बाद में अपने बयान को 'हाइपरबोली' यानी अतिशयोक्ति बताया, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि उनका उद्देश्य बहस को तेज करना और ध्यान आकर्षित करना था। लेकिन सवाल यही है–क्या राजनीतिक लाभ के लिए सांस्कृतिक संवेदनशीलता की अनदेखी सही ठहराई जा सकती है? लोकलुभावन राजनीति अक्सर डर, असुरक्षा और पहचान की चिंताओं पर आधारित होती है। प्रवासन और संस्कृति जैसे मुद्दे इसमें प्रमुख भूमिका निभाते हैं। पर जब यही राजनीति अंतरराष्ट्रीय संबंधों को प्रभावित करने लगे, तो यह गंभीर चिंता का विषय बन जाती है।

व्यापार समझौते केवल आर्थिक दस्तावेज नहीं होते, बल्कि वे आपसी विश्वास और पारस्परिक सम्मान की मजबूत नींव पर टिके होते हैं। यदि यह आधार कमजोर पड़ जाए, तो सबसे लाभकारी और दूरगामी समझौते भी प्रभावित होकर असफल हो सकते हैं। इसलिए भारत और न्यूजीलैंड दोनों को इस विवाद को टकराव नहीं, बल्कि संवाद के माध्यम से हल करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। प्रवासन नीतियों में संतुलन बनाए रखते हुए, सांस्कृतिक आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करना और आर्थिक सहयोग को और मजबूत करना ही भविष्य के लिए सही और स्थायी मार्ग होगा।

'बटर चिकन सुनामी' सिर्फ एक वाक्य नहीं, बल्कि यह स्पष्ट संकेत है कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों में शब्दों की शक्ति कितनी निर्णायक होती है। यह घटना बताती है कि एक टिप्पणी भी कूटनीति, व्यापार और समाज–तीनों पर गहरा प्रभाव डाल सकती है। इससे मिलने वाली सबसे बड़ी सीख यही है कि वैश्विक नेताओं को अपने शब्दों में अधिक जिम्मेदारी और संवेदनशीलता रखनी चाहिए। अंततः, यह तय करना दोनों देशों के हाथ में है–क्या वे इस 'सुनामी' को विवाद की लहर बनने देंगे, या इसे सहयोग और समझ की नई धारा में बदल देंगे।

–प्रो. आरके जैन

## आधुनिकीकरण की राह पर रेलवे

भारत में हर दिन 25,000 से अधिक ट्रेनें चलती हैं। ये ट्रेनें रोजाना दो करोड़ से अधिक यात्रियों को ले जाती हैं और कोयला, लौह अयस्क, अनाज, स्टील, सीमेंट तथा अन्य वस्तुओं की बड़ी मात्रा को 1,37,000 किमी से अधिक लंबे रेल नेटवर्क पर एक से दूसरे स्थान तक पहुंचाती हैं। यह व्यवस्था जिस आधार पर काम करती है, वह रेल पटरी है। जब पटरी अच्छी स्थिति में होती है, तब ट्रेनें सुरक्षित रूप से अधिक गति से चलती हैं। जब पटरी खराब होती है, तो इसके परिणाम गति पर रोक, देरी और सुरक्षा संबंधी जोखिम के रूप में सामने आते हैं। रेल की पटरी में दरार, कोई ढीला पुर्जा या गिट्टी की परत में रुकावट, इनमें से कोई भी ट्रेन की गति को प्रभावित कर सकती है।

रेल पटरियों के महत्व को ध्यान में रखते हुए भारतीय रेलवे ने पिछले कुछ वर्षों में व्यापक आधुनिकीकरण कार्यक्रम शुरू किया है। इस कार्य में आधुनिक मशीनों से पटरियों का नवीनीकरण, उन्नत तरीकों से जांच और निरीक्षण, मशीनीकृत रखरखाव, सुरक्षा बाड़बंदी आदि शामिल रहे हैं। इन प्रयासों ने रेल नेटवर्क की स्थिति को स्पष्ट रूप से बदल दिया है।

2014 से अब तक लगभग 55,000 किमी पटरियों का नवीनीकरण किया गया है, जिससे सुरक्षा और यात्रा की गुणवत्ता में सुधार हुआ है तथा बार-बार मरम्मत की आवश्यकता कम हुई है। लगभग 44,000 किमी ट्रैक में 260 मीटर लंबे रेल पैनल बिछाए गए हैं। लंबे पैनलों का अर्थ है कम जोड़, जिससे ट्रेनों की आवाजाही अधिक सुगम-सुरक्षित होती है। अब 80,000 ट्रैक किमी से अधिक हिस्से में मजबूत 60 किग्रा वाली रेल पटरियों का उपयोग हो रहा है, जो अधिक भार ढुलाई और तेज गति सुनिश्चित करती हैं। जहां मजबूत रेल पटरी बिछाना जरूरी है, वहीं समय रहते खराबी पकड़ना भी जरूरी है। छिपी हुई दरारों को खोजने के लिए अल्ट्रासोनिक जांच की जाती है। इसके तहत करीब 36.2 लाख किमी ट्रैक और 2.25 करोड़ वेल्ड की जांच हुई। इससे रेल और वेल्ड टूटने की घटनाएं करीब 90 प्रतिशत तक कम हो गई हैं। यानी अब खराबी होने के बाद उसे ठीक करने के बजाय पहले ही पकड़कर रोक लिया जाता है। अब रेलवे में दूसरी आधुनिक जांच तकनीक भी इस्तेमाल हो रही हैं। नई वेल्ड की जांच के लिए चुंबकीय जांच, फ्लैश-बट वेल्ड की जांच के लिए नई मशीनों और जीपीएस से जुड़ी ऐसी व्यवस्था बनाई गई है, जो ट्रेन यात्रा की गुणवत्ता मापती है और पटरी के खराब हिस्से की सही जगह बता देती है।

भारतीय रेलवे की ट्रैक मशीनों की संख्या 2014 में 748 थी, जो 2026 में बढ़कर 1,785 हो गई है। ये मशीनें पटरी को ठीक करने, गिट्टी साफ करने और हाथ से होने वाले काम की तुलना में ज्यादा तेज, बेहतर और एकसमान तरीके से करती हैं। पटरी के नीचे बिछी गिट्टी की परत साफ करने में मशीनों ने बड़ा फर्क पैदा किया है। यही गिट्टी पानी निकालने, कंपन कम करने और पटरी मजबूत बनाए रखने का काम करती है।

–धनंजय राजौरा

# पड़ोसी की खबर सोशल मीडिया से- बदलती सामाजिक वास्तविकता

आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया ने हमारे जीवन के लगभग हर पहलू को प्रभावित किया है। यह केवल सूचना और मनोरंजन का साधन ही नहीं रहा, बल्कि अब यह हमारे सामाजिक संबंधों को भी नए तरीके से परिभाषित कर रहा है। एक समय था जब पड़ोसियों की खबर हमें सीधे उनसे मिलकर, बातचीत करके या आसपास की गतिविधियों को देखकर मिलती थी। लेकिन अब स्थिति बदल गई है–आज हम अपने पड़ोसी के बारे में भी सोशल मीडिया के माध्यम से अधिक जानने लगे हैं। पहले पड़ोसियों के बीच आत्मीयता, सहयोग और संवाद का रिश्ता होता था। किसी के घर कोई कार्यक्रम हो, खुशी का अवसर हो या दुख की घड़ी–सब एक-दूसरे के साथ खड़े रहते थे। लेकिन अब शहरीकरण, व्यस्त जीवनशैली और डिजिटल उपकरणों के बढ़ते उपयोग ने इन संबंधों को कमजोर कर दिया है। अब कई बार ऐसा होता है कि हम अपने पड़ोसी के जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं के बारे में सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से जानते हैं, जबकि आमने-सामने बातचीत बहुत कम हो गई है।

सोशल मीडिया की भूमिका- सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप आदि ने लोगों को अपनी जिंदगी के हर छोटे-बड़े पल को साझा करने की आदत डाल दी है। जन्मदिन, शादी, नई नौकरी, यात्रा, या किसी उपलब्धि–हर चीज की जानकारी लोग पोस्ट के माध्यम से साझा करते हैं। ऐसे में पड़ोसी, जो भौगोलिक रूप से हमारे सबसे करीब होते हैं, वे भी इन पोस्ट्स के जरिए ही जानकारी प्राप्त करते हैं।

उदाहरण के लिए, मान लीजिए किसी व्यक्ति के पड़ोस में रहने वाले शर्मा जी के बेटे को विदेश में नौकरी मिल जाती है। पहले इस तरह की खबर सीधे बातचीत या मिलने-जुलने से मिलती थी, लेकिन अब संभव है कि पड़ोसी को यह जानकारी फेसबुक पोस्ट देखकर मिले। इसी तरह, किसी के घर शादी हो रही हो और पड़ोसी को निमंत्रण देने की जगह केवल सोशल मीडिया पर फोटो और वीडियो डाल दिए जाएं–तो यह एक नई सामाजिक प्रवृत्ति को दर्शाता है।

व्यक्तिगत संबंधों पर प्रभाव- सोशल मीडिया के इस बढ़ते प्रभाव ने व्यक्तिगत संबंधों पर भी असर डाला है। पड़ोसियों के बीच जो आत्मीयता और अपनापन हुआ करता था, वह धीरे-धीरे कम होता जा रहा है। अब लोग एक-दूसरे के घर जाने की बजाय मोबाइल स्क्रीन पर ही जुड़े रहना अधिक पसंद करते हैं। इससे रिश्तों में दूरी और औपचारिकता बढ़ती जा रही है।

एक उदाहरण के रूप में, किसी कॉलोनी में रहने वाली सीमा जी को अपने पड़ोस में रहने वाली रेखा जी की बीमारी के बारे में तब पता चलता है, जब उनके बेटे ने इंस्टाग्राम पर अस्पताल की तस्वीर पोस्ट की। यह स्थिति दिखाती है कि वास्तविक जीवन में संवाद की कमी कितनी बढ़ गई है। अगर पड़ोसी के साथ नियमित बातचीत होती, तो शायद यह जानकारी पहले ही मिल जाती और सहायता भी समय पर दी जा सकती थी।

सकारात्मक पहलू- हालांकि, यह कहना पूरी तरह उचित नहीं होगा कि सोशल मीडिया का प्रभाव केवल नकारात्मक है। इसके कुछ सकारात्मक पहलू भी हैं। कई बार लोग व्यस्तता के कारण एक-दूसरे से मिल नहीं पाते, ऐसे में सोशल मीडिया उन्हें जुड़े रहने का एक माध्यम देता है। पड़ोस के व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से सुरक्षा, साफ-सफाई, या किसी आपात स्थिति में सूचना तेजी से फैल सकती है।

उदाहरण के लिए, किसी मोहल्ले में चोरी की घटना होती है, तो व्हाट्सएप ग्रुप के जरिए तुरंत सभी को सतर्क किया जा सकता है। इसी तरह, किसी सामाजिक कार्यक्रम जैसे स्वच्छता अभियान या धार्मिक आयोजन की जानकारी भी सोशल मीडिया से आसानी से साझा की जा सकती है।

नकारात्मक प्रभाव और चुनौतियाँ

सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग के कारण लोगों में तुलना की भावना भी बढ़ने लगी है। पड़ोसी की सफलता, उनकी जीवनशैली या उनकी उपलब्धियों को देखकर लोग खुद को कमतर महसूस करने लगते हैं। इससे ईर्ष्या और प्रतिस्पर्धा की भावना भी जन्म ले सकती है, जो सामाजिक सौहार्द को नुकसान पहुंचाती है।

इसके अलावा, कई बार सोशल मीडिया पर साझा की गई जानकारी अधूरी या भ्रामक भी हो सकती है। बिना सत्यापन के लोग किसी खबर को सच मान लेते हैं, जिससे गलतफहमियां पैदा हो सकती हैं। उदाहरण के लिए, किसी पड़ोसी के बारे में अफवाह फैल जाए और वह सोशल मीडिया पर वायरल हो जाए, तो उसकी प्रतिष्ठा को गंभीर नुकसान हो सकता है।

संतुलन की आवश्यकता- इस बदलते समय में यह जरूरी है कि हम सोशल मीडिया और वास्तविक जीवन के बीच संतुलन बनाए रखें। पड़ोसियों के साथ सीधे संवाद, आपसी सहयोग और संबंधों को मजबूत बनाए रखना सामाजिक जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है। सोशल मीडिया को केवल एक सहायक माध्यम के रूप में उपयोग करना चाहिए, न कि उसे पूरी तरह से वास्तविक संबंधों का विकल्प बना देना चाहिए।

हमें यह समझना होगा कि तकनीक का उद्देश्य जीवन को आसान बनाना है, न कि रिश्तों को कमजोर करना। यदि हम अपने पड़ोसियों के साथ समय-समय पर मिलते रहें, उनके सुख-दुख में सहभागी बनें और साथ ही सोशल मीडिया का सही उपयोग करें, तो हम एक स्वस्थ और सशक्त समाज का निर्माण कर सकते हैं।

निष्कर्ष- अंततः यह कहा जा सकता है कि सोशल मीडिया ने हमारे पड़ोस और सामाजिक संबंधों को एक नई दिशा दी है। यह हमारे लिए सुविधा और सूचना का एक महत्वपूर्ण साधन है, लेकिन इसके साथ ही यह जरूरी है कि हम मानवीय संबंधों की मूल भावना को न भूलें। पड़ोसी केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं होते, बल्कि वे हमारे सामाजिक जीवन का अभिन्न हिस्सा होते हैं। इसलिए, हमें प्रयास करना चाहिए कि हम डिजिटल दुनिया के साथ-साथ वास्तविक दुनिया में भी अपने संबंधों को मजबूत बनाए रखें।

इस प्रकार, पड़ोसी की खबर सोशल मीडिया से÷ एक आधुनिक यथार्थ को दर्शाता है, जो हमें सोचने पर मजबूर करता है कि हम तकनीक के साथ अपने सामाजिक मूल्यों को किस प्रकार संतुलित कर सकते हैं।

–सुनीता कुमारी

# फॉरेक्स नियंत्रण टिकाऊ नहीं, रुपये के अंतरराष्ट्रीयकरण पर RBI का फोकस




रिजर्व बैंक द्वारा हाल में रुपये की गिरावट थामने के उपायों को लेकर मीडिया ने कुछ इस तरह की प्रतिक्रिया दी। इन कदमों का परीक्षण करने के पहले आर्बिट्राज सौदों को समझना सही रहेगा। रिजर्व बैंक सभी बैंकों को नॉन डिलिवरेबल फॉरवर्ड यानी एनडीएफ बाजारों में भागीदारी की अनुमति देता रहा है जहां ऑफशोर पोजीशन को ऑनशोर पोजीशन के साथ समायोजित किया जाता था ताकि शुद्ध जोखिम का निर्धारण किया जा सके।

जब रुपये के कमजोर होने की उम्मीद होती है, तो एनडीएफ दरें आमतौर पर ऑनशोर दरों से अधिक होती हैं। बैंक इससे लाभ उठाते हैं। एनडीएफ बाजारों की ऑफशोर मांग को पूरा करने के लिए बैंक नॉन डिलिवरेबल फॉरवर्ड की बिक्री करते हैं। जब डॉलर की मांग बढ़ती है तो आर्बिट्राज का आकार तेजी से बढ़ता है। इस वजह से कुल आर्बिट्राज पोजीशन करीब 40 अरब डॉलर पहुंच गई।

इस लिहाज से इस कारोबार में सटोरिया गतिविधि की आशंका नकारी नहीं जा सकती है। रिजर्व बैंक के हालिया उपायों ने भी ऐसी गतिविधियों पर अंकुश लगाया है। 27 मार्च को रिजर्व बैंक ने ऑनशोर रुपया बाजार में बैंकों की नेट ओपन पोजीशन यानी एनओपी को 10 करोड़ डॉलर तक सीमित कर दिया और बाजार के हालात का हवाला देकर 10 अप्रैल से ऑफशोर एनडीएफ पोजीशन के साथ समायोजित की इजाजत खत्म कर दी।

पहले, बैंक दोनों पोजीशन को समायोजित कर सकते थे, और संयुक्त पोजीशन 10 करोड़ डॉलर तक सीमित थी। एनओपी बैंक की विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों और देनदारियों के बीच का अंतर होता है, जो मुद्रा उतार-चढ़ाव या विनिमय दर जोखिम के प्रति उसकी संवेदनशीलता को दर्शाता है।

रिजर्व बैंक ने ऐसा पहली बार नहीं किया है। दिसंबर 2011 में इसने रुपये के कमजोर होने पर एनओपी सीमा को कुछ बैंकों के लिए 75 फीसदी तक सीमित कर दिया था जबकि बड़े बैंकों के लिए 50 फीसदी कर दिया गया था।

ल 2013 से बैंक बोर्डों को इजाजत दी गई कि वे खुद एनओपी सीमा तय करें। हालांकि रिजर्व बैंक ने 10 करोड़ डॉलर की एक उदार सीमा बरकरार रखी ताकि उतार-चढ़ाव के समय लगाम उसके हाथ में रहे।

इस वर्ष जनवरी में रिजर्व बैंक ने बैंकों द्वारा अपनी विदेशी मुद्रा जोखिम की गणना करने और संभावित जोखिम से बचने के लिए अलग रखे जाने वाले पूंजी में बदलाव का प्रस्ताव रखा। इसका उद्देश्य विनियमित संस्थाओं में वैश्विक मानकों के अनुरूप उन्हें संरेखित करना है। रिजर्व बैंक ने इन नियमों पर प्रतिक्रिया मांगी है, जिन्हें अप्रैल 2027 से लागू किए जाने की उम्मीद है।

27 मार्च के निर्देश का तत्काल प्रभाव सीमित रहा, क्योंकि आर्बिट्राज पोजीशन चला रहे बैंकों ने संभवतः कुछ कंपनियों और संबंधित विदेशी संस्थाओं के साथ सौदों के माध्यम से जोखिम को स्थानांतरित कर दिया। इसलिए, 1 अप्रैल को रिजर्व बैंक ने बैंकों को निवासियों और गैर-निवासियों दोनों को एनडीएफ अनुबंध देने से रोक दिया।

अधिकृत डीलरों (वे बैंक जिन्हें विदेशी मुद्रा खरीदने और बेचने की अनुमति है) को गैर-डिलिवरेबल रुपया डेरिवेटिव्स की पेशकश करने से प्रतिबंधित कर दिया गया, हालांकि वास्तविक हेजिंग के लिए डिलिवरेबल अनुबंधों की अनुमति दी गई। बैंकों को यह सुनिश्चित करना आवश्यक था कि ग्राहक ऑफशोर में ऑफसेटिंग पोजीशन न रखें।

भारतीय बैंकों को पहली बार जून 2020 में एनडीएफ बाजार में प्रवेश की अनुमति दी गई थी ताकि ऑनशोर और ऑफशोर मुद्रा बाजारों को बेहतर ढंग से एकीकृत किया जा सके, मूल्य खोज में सुधार हो और अस्थिरता कम हो। जून 2023 में केंद्रीय बैंक ने इस पहुंच का विस्तार किया और बैंकों को गैर-खुदरा निवासियों को हेजिंग के लिए एनडीएफ अनुबंध देने की अनुमति दी।

उसके बाद से केंद्रीय बैंक ने समय-समय पर रुपये को लेकर हस्तक्षेप किया है। उदाहरण के लिए जून 2022 में उसने बैंकों से कहा कि अतिरिक्त एनडीएफ पोजीशन निर्मित न करें क्योंकि इसके चलते उसे रुपये के बचाव के लिए अधिक आरक्षित नकदी व्यय करनी पड़ रही थी। अगस्त 2023 में उसने एक बार फिर अनौपचारिक रूप से डॉलर-रुपये सौदों को रुपये में गिरावट रोकने के उपाय के रूप में अपनाया। उसने अप्रैल 2024 में इन प्रतिबंधों को कम किया।

ताजा उपाय रुपये में तेज गिरावट को थामने के लिए किए गए। रुपया मार्च में पश्चिम एशिया में जंग छिड़ने के बाद डॉलर के मुकाबले 4 फीसदी गिरा। वित्त वर्ष 26 में रुपया करीब 10 फीसदी गिर चुका है।

रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर टी रवि शंकर ने पेरिस में 11 मार्च को एक सम्मेलन में कहा कि ऑफशोर और ऑनशोर बाजार के आर्बिट्राज के कारण बाजार से डॉलर की निकासी हो रही है क्योंकि रुपया कमजोर होने पर बड़े पैमाने पर विदेशी मुद्रा बाहर जाती है। ब्लूमबर्ग के मुताबिक रवि शंकर ने इस बात को लेकर नाराजगी जाहिर की कि बैंक अपने आर्बिट्राज सौदे कॉरपोरेट ग्राहकों को स्थानांतरित कर रहे हैं जबकि कंपनियों को ऐसे लेनदेन की इजाजत नहीं।

केंद्रीय बैंक का कहना है कि नए मानदंड वास्तविक हेजिंग गतिविधि को प्रभावित नहीं करेंगे। इसके बावजूद, कड़े प्रतिबंध निश्चित रूप से हेजिंग लागत को बढ़ा देंगे। इससे इक्विटी और बॉन्ड दोनों में विदेशी पूंजी प्रवाह हतोत्साहित हो सकता है। अक्टूबर 2024 से विदेशी निवेशकों ने कम से कम 45 अरब डॉलर की निकासी की है। भारतीय इक्विटी में उनकी हिस्सेदारी वर्तमान में 15 वर्षों के न्यूनतम स्तर पर है।

अप्रैल के मौद्रिक नीति वक्तव्य में गवर्नर संजय मल्होत्रा ने एनडीडीसी (नॉन-डिलिवरेबल डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट) बाजार और बैंकों की एनओपी पर हालिया प्रतिबंधों को अस्थायी बताया। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि ये उपाय विशेष, अत्यधिक मुद्रा अस्थिरता से निपटने के लिए हैं और 'हमेशा के लिए लागू नहीं रहेंगे।'

इन कदमों को कठिन समय में कठोर उपायों के रूप में देखा जा सकता है, लेकिन जब रुपये का अंतरराष्ट्रीयकरण रिजर्व बैंक के एजेंडे में शीर्ष पर है, तब वह इन्हें लंबे समय तक जारी नहीं रख सकता। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 700.9 अरब डॉलर है, जो उच्चतम स्तर से कम है, लेकिन पर्याप्त है।

रिजर्व बैंक की फॉरवर्ड बुक फरवरी तक 77.7 अरब डॉलर पर थी, जो मार्च 2025 के बाद से सबसे ऊंचा स्तर है, और माना जाता है कि मार्च में यह और बढ़ी। फॉरवर्ड बुक उन शुद्ध बकाया अनुबंधों को बताती है जो रिजर्व बैंक ने भविष्य की तारीखों पर बाय-सेल स्वैप या डॉलर बिक्री के माध्यम से किए हैं। 'ऋणात्मक' या 'शॉर्ट' फॉरवर्ड बुक का मतलब है कि केंद्रीय बैंक ने रुपये को स्थिर करने के लिए डॉलर अग्रिम रूप से बेचे हैं, बिना विदेशी मुद्रा भंडार को तुरंत घटाए। लेकिन यह एक अलग कहानी है।

–सुनील कुमार महला

# आयुक्त ने किया ट्रेंचिंग ग्राउंड का औचक निरीक्षण

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** निगमायुक्त दलीप कुमार ने शुक्रवार 24 अप्रैल को ट्रेंचिंग ग्राउंड स्थित मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी सेंटर का औचक निरीक्षण किया।

आरडीएफ को सीमेंट इंडस्ट्री भेजना सुनिश्चित करें- सेंटर में देवास शहर के रहवासियों से प्रतिदिन प्राप्त होने वाले सूखे कचरे की छंटाई पश्चात शेष अपशिष्ट आरडीएफ को सीमेंट इंडस्ट्री को सतत भेजने की प्रक्रिया को सुनिश्चित करने के निर्देश एसबीएम प्रभारी सौरभ त्रिपाठी को दिए।

गार्डनों से आने वाले कचरे पर फोकस- गार्डनों से आ रहे गीले एवं सूखे कचरे की जानकारी लेते हुए स्वच्छता निरीक्षक हेमंत उबनारे को निर्देशित किया कि वैवाहिक एवं अन्य कार्यक्रमों से आ रहे गीले एवं सूखे कचरे पर फोकस करें। सूखे कचरे में अन्य वेस्ट गीली सामग्री की समस्या को देखते हुए सभी गार्डनों से संपर्क कर कचरे को अलग अलग एकत्रित कर गाड़ी में डाले जाने को कहा। सुधार नहीं होने की दशा में गार्डनों के विरुद्ध बड़े पैमाने पर चालानी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

मिक्स कचरे में आया सुधार- आयुक्त ने वार्डों से आ रहे कचरा संग्रहण वाहन के अलग अलग डस्टबीन में गीले एवं सूखे कचरे को देखा। उन्होंने बताया कि निगम आईईसी कर्मचारी जो कचरा वाहनों के साथ वार्डों में जा रहे हैं, वे रहवासियों में स्वच्छता के संबंध में तथा गीले एवं सूखे कचरे को अलग अलग डस्टबीनों में डाले जाने पर जागरूकता का कार्य कर रहे हैं। स्वच्छता सर्वेक्षण की गाइडलाइन का पालन किस प्रकार से हो, इस पर समझाइश दे रहे हैं जिससे नागरिकों में जागरूकता आ रही है। वार्डों से मिक्स कचरा आने में बहुत ज्यादा सुधार हुआ है। साथ ही आयुक्त ने ट्रेंचिंग ग्राउंड गार्डन में पौधों में पानी दिए जाने के निर्देश भी दिए।

## पंचायती राज दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस श्री कृष्णा जी राव पवार शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय देवास में आईक्यूऐसी के तत्वावधान में राजनीति विज्ञान विभाग में पंचायती राज दिवस मनाया गया ।

यह दिन 1993 में 73वे संवैधानिक संशोधन के माध्यम से पंचायती राज व्यवस्था को संवैधानिक दर्जा दिलाने की याद दिलाता है। इस दिन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण स्थानीय स्वशासन को सशक्त बनाना और विकसित भारत के संकल्प को आगे बढ़ाना है।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर एसपीएस राणा ने कहा कि पंचायती राज व्यवस्था भारत में लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण का सबसे सशक्त उदाहरण है। राजनीति विज्ञान के विभागाध्यक्ष है अध्यक्ष डॉक्टर आर के मराठा ने अपने उद्बोधन में कहां की पंचायती राज के माध्यम से शासन अंतिम पंक्ति तक पहुंच गया है। इस अवसर पर राजनीति विज्ञान विभाग की डॉ लता धूपकरिया ने विद्यार्थियों को पंचायती राज व्यवस्था की कार्यप्रणाली की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन श्री रजत राठौर ने किया एवं आभार डॉक्टर ममता लावरे ने माना इस अवसर पर महाविद्यालय का स्टाफ एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

## कम नामांकन पर 19 संस्था प्रमुखों को जारी नोटिस लापरवाही पर होगी कार्यवाही

**डिण्डोरी/दैनिक मालवा हेराल्ड।** कलेक्टर महोदया अंजु पवन भदौरिया के निर्देशानुसार 2026- 27 में नर्सरी कक्षा से 12वी कक्षा तक में शासकीय एवं अशासकीय संस्थाओं के नामांकन शत-प्रतिशत किए जाने हैं। नामांकन की अंतिम तिथि 30 अप्रैल 2026 तक किए जाने हैं ।वर्तमान में नामांकन जिले में लगभग 10 प्रतिशत शेष है ,जिस पर कलेक्टर महोदय द्वारा नाराजगी की व्यक्त की है ,अत्यंत कम प्रगति वाले संस्था प्रमुखों को कार्य के प्रति रुचि न लेकर अपने कार्य के प्रती कर्तव्य परायण व पूर्ण रूप से सनिष्ठ नहीं होना,जो मध्य प्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के विरुद्ध है लापरवाही के लिए मध्य प्रदेश सिविल सेवा वर्गीकरण नियम नियंत्रण तथा अपील नियम 1966 के उप नियम 9 के तहत कार्रवाई हेतु नोटिस जारी किया गया है ,दो दिवस में जवाब स्वयं उपस्थित होकर प्रस्तुत करने को कहा गया है जबाब समाधान कारक नहीं होने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। संस्था प्रमुख नोटिस जारी किया है वे है मॉडल उत्तर माध्यमिक विद्यालय शहपुरा, बालक प्राथमिक शाला अमरपुर ,कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला शहपुरा ,अमर ज्योति हाई स्कूल अमरपुर, उत्कृष्ट विद्यालय बाजाग, कन्या शिक्षा परिसर बाजाग, बिरासनी शिशु मंदिर माध्यमिक शाला गड़ासरई ,जवाहर नवोदय विद्यालय एकलव्य धमनगांव,हाई स्कूल मडियारास, उमावि मदर टेरेसा डिंडोरी, पीएम श्री माध्यमिक शाला सुबखार, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नेवसा पौड़ी,माध्यमिक शाला गोपालपुर आदी।

## देवास जिले में पीएससी की परीक्षा की तैयारियों का संभागीय पर्यवेक्षक रमन सिंह सिकरवार ने किया निरीक्षण

### देवास जिला मुख्यालय पर रविवार 26 अप्रैल को 7 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित होगी परीक्षा

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य सेवा एवं वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2026 रविवार 26 अप्रैल को आयोजित होगी। देवास जिले में पीएससी की परीक्षा की तैयारियों के संबंध में संभागीय पर्यवेक्षक रमन सिंह सिकरवार (सेवानिवृत्त डीआईजी उज्जैन रेंज) द्वारा देवास में परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने पीएससी परीक्षा के लिए की जा रही सभी व्यवस्थाओं का जायजा लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान लाइजनिंग अधिकारी प्रबंधक जिला उद्योग केंद्र देवास बी.एस. राणा सहित अन्य संबंधित उपस्थित थे।

राज्य सेवा एवं वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2026 के लिए देवास जिला मुख्यालय पर 07 परीक्षा केन्द्र बनाये गये है। जिसमें 02 हजार 220 परीक्षार्थी शामिल होंगे। प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर निरीक्षण के लिए उड़नदस्ता दल का गठन कर अधिकारी/कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। प्रारंभिक परीक्षा दो सत्रों में आयोजित होगी। सामान्य अध्ययन का प्रथम प्रश्न पत्र का समय प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा सामान्य अभिरूचि परीक्षण का द्वितीय प्रश्न पत्र अपरान्ह 2.15 बजे से शाम 4.15 बजे तक होगा। राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा में सम्मिलित होने वाले परीक्षार्थियों को परीक्षा केन्द्र पर अनिवार्यतः 90 मिनिट पूर्व पहुँचना होगा। परीक्षार्थियों की दोनों सत्रो में त्रिस्तरीय जाँच की जाएगी, तत्पश्चात परीक्षार्थियों को परीक्षा कक्ष में प्रवेश दिया जाएगा।

## जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत सीता माता मंदिर पिपरी में सफाई अभियान चलाया गया

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** कलेक्टर ऋतुराज सिंह मार्गदर्शन में जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के माध्यम से जल संरचनाओं के निर्माण एवं गहरीकरण का कार्य किया जा रहा है। अभियान के तहत रेवाकुंड सीता माता मंदिर पिपरी स्थित नर्मदा कुंड में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान में नावाअंकुर समिति, ग्राम विकास प्रफुटन समिति एवं ग्रामीणजनों ने सक्रिय रूप से भाग लेकर श्रमदान किया। सभी ने मिलकर जल संरक्षण और स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प भी लिया। ''जल गंगा संवर्धन अभियान'' साथ ही नगरीय क्षेत्र एवं ग्रामीणों क्षेत्रों में दीवारों एवं कुएं-बावड़ियों की साफ-सफाई की जा रही है तथा इन पर जल संरक्षण संबंधी स्लोगन लिखकर जल संचय का संदेश दिया जा रहा है।

## पीएससी परीक्षा को लेकर कलेक्टर ने ली बैठक, निष्पक्ष संचालन के दिए सख्त निर्देश

**डिण्डोरी/दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिले में आगामी 26 अप्रैल 2026 को आयोजित होने वाली राज्य लोक सेवा आयोग एमपीपीएससी परीक्षा के सुचारु, निष्पक्ष एवं पारदर्शी संचालन को लेकर दिनांक 23 अप्रैल 2026 को कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने की। इस दौरान जिले के समस्त केंद्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर ने नई परीक्षा प्रणाली एसओपी के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि परीक्षा की गोपनीयता, निष्पक्षता एवं पारदर्शिता बनाए रखने के लिए निर्धारित नियमों का अक्षरशः पालन किया जाए। सभी परीक्षा केंद्रों पर समय से पूर्व आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थियों के प्रवेश के दौरान सघन जांच (फ्रिस्किंग) की जाए तथा सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे सक्रिय अवस्था में रखे जाएं और उनकी सतत निगरानी हो। परीक्षा हॉल में किसी भी प्रकार की अनुचित सामग्री, मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण आदि पूर्णतः प्रतिबंधित रहेंगे। कलेक्टर ने केंद्राध्यक्षों एवं पर्यवेक्षकों को अपने-अपने केंद्रों पर निरंतर निगरानी बनाए रखने तथा प्रश्नपत्रों एव ओएमआर `शीट की सुरक्षा हेतु निर्धारित प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए।

## कलेक्टर ने सहायक ग्रेड-3 रमेश लोबानिया, सहायक ग्रेड-3 संजीव कुमार जाटव एवं सहायक ग्रेड-3 जीतेन्द्र भद्रे को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने पदीय कर्तव्यों के निवर्हन में अनियमितता करने एवं मध्य प्रदेश सिविल सेवा(आचरण) नियम 1965 का उल्लंघन करने पर मध्य प्रदेश सिविल सेवा(वर्गीकरण नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 में निहित प्रावधानों के तहत सहायक ग्रेड-3 कलेक्टोरेट रमेश लोबानिया, सहायक ग्रेड-3 कलेक्टोरेट संजीव कुमार जाटव एवं सहायक ग्रेड-3 प्रवाचक न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील विजयागंजमण्डी जीतेन्द्र भद्रे को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है।

निलम्बन के दौरान सहायक ग्रेड-3 कलेक्टोरेट रमेश लोबानिया का मुख्यालय कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी अनुभाग टोंकखुर्द रहेगा तथा इन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता प्राप्त करने की पात्रता रहेगी। सहायक ग्रेड-3 कलेक्टोरेट संजीव कुमार जाटव का मुख्यालय कार्यालय तहसील सोनकच्छ रहेगा तथा इन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता प्राप्त करने की पात्रता रहेगी। सहायक ग्रेड-3 जीतेन्द्र भद्रे का मुख्यालय कलेक्टोरेट रहेगा तथा इन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता प्राप्त करने की पात्रता रहेगी।

आदेश में उल्लेख है कि इनके द्वारा फर्जी हस्ताक्षर एवं जाली आदेश जारी कर छल एवं कपट पूर्वक कूट रचित आदेश तैयार कर जमीन बेचने का प्रयास किया गया है, इनके विरूद्ध धोखाधडी सहित अन्य धाराओ में थाना बैंक नोट प्रेस देवास में भारतीय न्याय संहिता 2023 की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

## एकलव्य विद्यालयों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर सख्त, बिना अनुमति खर्च पर नोटिस

**डिण्डोरी/दैनिक मालवा हेराल्ड।** कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में कलेक्टर सभाकक्ष में एकलव्य आदर्श आवासीप विद्यालयों के प्राचार्यों एवं प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विद्यालयों में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों विकास कार्यों बजट एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। कलेक्टर ने सभी प्राचार्यों से विद्यालयों में चल रही गतिविधियों, प्राप्त बजट, छात्रों की उपस्थिति, शिक्षक एवं स्टाप की उपलब्धता की जानकारी ली। साथ ही दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित समस्याओं की समीक्षा करते हुए विद्यालयों के विकास कार्यों एवं वित्तीय अधिकारों के उपयोग पर विशेष ध्यान दिया। कलेक्टर ने सख्त निर्देश दिए की शासन के मापदंड के अनुसार आवासीय विद्यालय की गतिविधियों समिति के अनुमोदन उपरांत ही कार्य किया जाए। डिंडोरी बजाग करंजिया, शहपुरा एवं मेहदवानी के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों के प्राचार्यों को सख्त निर्देश दिए कि वित्तिय वर्ष हेतु अपने-अपने विद्यालय के विकास कार्य एवं अन्य गतिविधियों के प्रस्ताव तैयार कर समिति के समक्ष रखे जाएं। साथ ही साथ विगत वर्षों के गतिविधियां की सूचना न देने पर सभी एकलव्य प्राचार्य को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय शहपुरा के प्राचार्य के द्वारा बिना सूचना के अवकाश पर जाना एवं बैठक में अनुपस्थित रहने पर नोटिस जारी करने निर्देश दिऐ। छात्र संख्या की समीक्षा में बताया गया कि डिंडोरी में 480 में से 477, शहपुरा में 480 में से 428, मेंहदवानी में 480 में से 450 तथा करजिया में 480 में से 478 छात्र उपस्थिति बताई गई। जिस पर कलेक्टर ने शत-प्रतिशत उपस्थिति लाने के निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री जे पी यादव सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्री राजेन्द्र कुमार जाटव, बीईओ एवं सभी एकलव्य आवासीय विद्यालयों के प्राचार्य सहित सबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

## जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी का कार्य सुचारू रूप से जारी

**छिन्दवाडा/दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी का कार्य सुचारू रूप से जारी है। प्रशासन की सक्रियता, प्रबंधन और निगरानी के चलते किसानों को उपार्जन केंद्रों पर अनुकूल और सुविधाजनक माहौल मिल रहा है, जिससे वे बिना किसी परेशानी के अपनी उपज बेच पा रहे हैं।

अब तक 1865 किसानों से कुल 6927 मैट्रिक टन गेहूं की खरीदी की जा चुकी है, जिसमें से 76 किसानों को लगभग 51.18 लाख रुपये का भुगतान भी सफलतापूर्वक किया जा चुका है। प्रशासन द्वारा समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। जिले के 84 खरीदी केंद्रों पर सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक खरीदी की जा रही है। अब तक 8023 किसानों द्वारा स्लॉट बुकिंग कराई जा चुकी है।

किसानों की सुविधा के लिए उपार्जन केंद्रों पर छाया, पीने का पानी, बैठने की व्यवस्था और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित की गई हैं। खरीदी प्रक्रिया को सुचारू बनाने के लिए केंद्रों पर बारदाना (बोरी), तौल कांटा, गुणवत्ता सर्वेयर, हम्माल, छन्ना और पंखे आदि की भी पर्याप्त व्यवस्था की गई है, जिससे किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

महत्वपूर्ण सूचना एवं अपील - शासन के निर्देशानुसार शनिवार 25 अप्रैल 2026 को भी जिले में स्लॉट बुकिंग और खरीदी का कार्य जारी रहेगा। जिला प्रशासन ने जिले के पंजीकृत सभी किसान भाईयों से अपील की है कि वे निर्धारित स्लॉट के अनुसार उपार्जन केंद्रों पर पहुंचकर अपनी उपज का विक्रय करें। कलेक्टर श्री हरेंद्र नारायन के मार्गदर्शन में जिले में गेहूं खरीदी का कार्य पूरी पारदर्शिता और सुचारू व्यवस्था के साथ किया जा रहा है।

अधिकारियों द्वारा लगातार की जा रही है मॉनिटरिंग - उपार्जन केंद्रों पर व्यवस्थाओं को लेकर भी प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है। कलेक्टर श्री नारायन के निर्देशन में अपर कलेक्टर, एसडीएम, तहसीलदार, खाद्य विभाग के अधिकारी एवं नियुक्त नोडल अधिकारी लगातार केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं पर नजर बनाए हुए हैं। जहां भी लापरवाही सामने आ रही है, संबंधित पर तत्काल कार्यवाही कर व्यवस्थाएं दुरुस्त की जा रही हैं। इसी के तहत शुक्रवार को अपर कलेक्टर श्री धीरेन्द्र सिंह और डिप्टी कलेक्टर श्री राहुल कुमार पटेल द्वारा तहसील उमरेठ के गेहूं उपार्जन केंद्र मोरडोंगरी, खजरी अंतू का निरीक्षण किया गया।

वहीं एसडीएम छिंदवाड़ा श्री सुधीर जैन ने तहसील मोहखेड़ के फलकान वेयर हाउस खरीदी केंद्र सालीमेटा का निरीक्षण किया। एसडीएम छिंदवाड़ा और कनिष्ठ आपुर्ति अधिकारी छिंदवाड़ा/मोहखेड़ द्वारा महक वेयरहाउस गाडरवाड़ा में स्थित उपार्जन केंद्र रोहनाकला का भी निरीक्षण किया गया।

## चिकित्सा जगत के प्रेरणापुंज डॉ. बी.के. रैना का महाप्रयाणः देहदान कर पेश की सेवा की सर्वोच्च मिसाल

**जबलपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** चिकित्सा जगत में मरीज प्रथम के संकल्प को जीने वाले विख्यात पीडियाट्रिक सर्जन डॉ. बी.के. रैना का 81 वर्ष की आयु में निधन हो गया, लेकिन उनका जीवन और उनके अंतिम संस्कार की गरिमा समाज के लिए युगों तक प्रेरणा का स्रोत बनी रहेगी। नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज के सेवानिवृत्त चिकित्सक डॉ. रैना ने अपने जीवन के अंतिम क्षणों में भी मानवता के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने अपना शरीर चिकित्सा शिक्षा और शोध के लिए मेडिकल कॉलेज के एनाटॉमी विभाग को दान कर समर्पण की एक ऐसी मिसाल पेश की है, जो विरले ही देखने को मिलती है। उनके इस महान संकल्प और समाज के प्रति निस्वार्थ सेवा को देखते हुए उन्हें पूरे राजकीय सम्मान के साथ गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस भावुक क्षण पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कलेक्टर श्री राघवेंद्र सिंह ने कहा कि डॉ. रैना का व्यक्तित्व समाज को सदैव एक नई दिशा प्रदान करेगा। उन्होंने देहदान जैसे कठिन और पुनीत संकल्प को पूर्ण कर खुद को अमर कर लिया है। डॉ. रैना के अंतिम सफर में मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. नवनीत सक्सेना, डॉ. प्रदीप कसार, अधीक्षक अरविंद शर्मा और डॉ. राजेश तिवारी सहित चिकित्सा जगत की तमाम बड़ी हस्तियों ने उन्हें नम आंखों से विदाई दी। उनके सहयोगियों ने उन्हें एक ऐसे मार्गदर्शक के रूप में याद किया जिन्होंने न केवल बच्चों के स्वास्थ्य के लिए अपना जीवन खपा दिया, बल्कि मृत्यु के पश्चात भी आने वाली पीढ़ी के चिकित्सकों के ज्ञानवर्धन का मार्ग प्रशस्त किया।

# ग्राम पंचायत हिनौता में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया

**डिण्डोरी/दैनिक मालवा हेराल्ड।** शासन के निर्देशानुसार राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस का आयोजन विकासखंड डिंडोरी की ग्राम पंचायत हिनौता के पंचायत भवन में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी रही।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर जिले भर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर ग्रामीण स्वशासन, पारदर्शिता और जनभागीदारी के महत्व को रेखांकित किया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायतों में विशेष सभाएं आयोजित कर ग्रामीणों को पंचायत राज व्यवस्था के अधिकारों एवं दायित्वों के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने कहा कि पंचायती राज व्यवस्था लोकतंत्र की मजबूत नींव है, जहां ग्राम सभा के माध्यम से गांव के विकास कार्यों की योजना बनाकर उन्हें प्राथमिकता के साथ क्रियान्वित किया जाता है। ग्रामीणों से अपील की गई कि वे ग्राम सभाओं में सक्रिय रूप से भाग लें और अपने गांव की आवश्यकताओं के अनुसार प्रस्ताव रखें। अधिकारियों ने बताया कि शासन द्वारा ग्राम पंचायतों को विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन, बजट प्रबंधन एवं स्थानीय समस्याओं के निराकरण के लिए अधिकार दिए गए हैं। इसके माध्यम से सड़क, पेयजल, बिजली, शिक्षा, स्वच्छता एवं आवास जैसी मूलभूत सुविधाओं का विकास गांव स्तर पर ही सुनिश्चित किया जा रहा है। राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर ग्रामीणों ने गांव के विकास में सक्रिय सहभागिता निभाने का संकल्प लिया और पंचायतों को सशक्त बनाकर आत्मनिर्भर ग्राम की दिशा में आगे बढ़ने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शहपुरा विधायक श्री ओमप्रकाश धुर्वे, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री रूद्रेश परस्ते, उपाध्यक्ष श्रीमती अंजू ब्यौहार, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ज्योति प्रकाश धुर्वे, श्री महेश धुमकेती, सरपंच श्री नरेन्द्र कुमार सरैया सहित कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, सीईओ जिला पंचायत श्री दिव्यांशु चौधरी, एसडीएम डिंडौरी श्री रामबाबू देवांगन एवं जनपद सीईओ श्री प्रमोद ओझा सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

# सांडों की लड़ाई से दहशत, मोहल्लों से बाजार तक बढ़ा खतरा

### बार-बार हो रही घटनाओं से लोग परेशान, प्रशासन से कार्रवाई की मांग

**सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** नगर में आवारा सांडों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। जिससे आमजन का घर से निकलना तक मुश्किल होता जा रहा है। शहर के विभिन्न हिस्सों में आए दिन सांडों की आपसी लड़ाई देखने को मिल रही है जो अब मोहल्लों से निकलकर बाजार और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों तक पहुंच गई है। इन घटनाओं से लोगों में भय और असुरक्षा का माहौल बनता जा रहा है।

शुक्रवार को खटलागली क्षेत्र में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब दो सांड आपस में भिड़ गए। सांडों की यह लड़ाई काफी देर तक चलती रही जिससे पूरे मोहल्ले में हड़कंप मच गया। अचानक हुई इस घटना से राहगीर और स्थानीय लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागते नजर आए। कई लोगों ने अपने घरों के दरवाजे बंद कर लिए, वहीं कुछ समय के लिए क्षेत्र में आवाजाही भी प्रभावित हुई।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि नगर में आवारा सांडों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। ये सांड झुंड में घूमते हैं और अचानक आपस में भिड़ जाते हैं, जिससे आसपास मौजूद लोग वाहन और दुकानदार खतरे में आ जाते हैं। लोगों ने बताया कि इससे पहले भी पुराना बस स्टैंड क्षेत्र में सांडों की लड़ाई हो चुकी है। जिसमें एक मेडिकल दुकान का काउंटर गिरकर क्षतिग्रस्त हो गया था। इस घटना के दौरान दुकान में मौजूद ग्राहकों और कर्मचारियों ने किसी तरह अपनी जान बचाई थी।

व्यापारियों के अनुसार इस समस्या का असर उनके कारोबार पर भी पड़ रहा है। सांडों के डर से ग्राहक बाजार में आने से कतराने लगे हैं। जिससे व्यापार प्रभावित हो रहा है। वहीं, स्कूली बच्चों और बुजुर्गों के लिए यह स्थिति और भी अधिक जोखिम भरी बनी हुई है। नगरवासियों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। आवारा सांडों को पकड़ने और उनके उचित प्रबंधन के लिए कोई ठोस कदम नजर नहीं आ रहा है। लोगों ने नगर परिषद और संबंधित प्रशासन से मांग की है कि इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए जल्द से जल्द आवारा सांडों को पकड़ने की व्यवस्था की जाए और उन्हें सुरक्षित स्थान पर भेजा जाए। यदि समय रहते इस समस्या पर ध्यान नहीं दिया गया, तो आने वाले दिनों में कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है। नगरवासियों ने प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की अपेक्षा जताई है, ताकि शहर में सुरक्षा और व्यवस्था बनी रह सके।

# उर्वरकों के संतुलित उपयोग तथा प्राकृतिक खेती को अपनाएं किसान - कलेक्टर

**सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** कृषि विभाग द्वारा भाऊखेड़ी स्थित आजीविका पार्क में परंपरागत कृषि विकास योजना के अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कार्यशाला का शुभारंभ किया।

कार्यशाला में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि किसानों को तकनीकी जानकारी सरल, सहज और स्थानीय भाषा में उपलब्ध कराई जाए, ताकि अंतिम छोर पर बैठे किसान भी नई तकनीकों और योजनाओं को आसानी से समझकर अपने खेतों में लागू कर सकें। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में बेहतर परिणाम तभी संभव हैं, जब जानकारी का प्रभावी संप्रेषण सुनिश्चित हो और किसान आधुनिक तकनीकों के साथ पारंपरिक ज्ञान का भी समन्वय करें।

कार्यशाला के दौरान कलेक्टर ने नरवाई प्रबंधन के महत्व पर विशेष जोर देते हुए कहा कि नरवाई जलाने से न केवल भूमि की उर्वरता प्रभावित होती है, बल्कि पर्यावरण को भी गंभीर नुकसान पहुंचता है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे नरवाई न जलाएं और इसके वैज्ञानिक प्रबंधन के विकल्प अपनाएं, जिससे मिट्टी की गुणवत्ता बनी रहे और उत्पादन में वृद्धि हो सके।

इस अवसर पर उन्होंने परंपरागत कृषि विकास योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजना का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि किसान प्राकृतिक खेती की ओर आकर्षित हों। उन्होंने उर्वरकों के संतुलित एवं आवश्यकतानुसार उपयोग पर बल देते हुए कहा कि अंधाधुंध रासायनिक उर्वरकों के उपयोग से मिट्टी की सेहत खराब होती है, इसलिए जैविक एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कहा कि शासन की विभिन्न किसान हितैषी योजनाओं का लाभ हर पात्र किसान तक पहुंचे, यह सुनिश्चित करना सभी विभागीय अधिकारियों की जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे फील्ड में सक्रिय रहकर किसानों से सीधे संवाद स्थापित करें और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान करें, जिससे जिले में कृषि क्षेत्र का समग्र विकास सुनिश्चित हो सके। कार्यशाला में किसानों को प्राकृतिक एवं जैविक खेती के महत्व, उन्नत तकनीकों एवं संसाधनों के उपयोग के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। परम्परागत कृषि विकास योजना वर्ष 2015 से पूरे भारत में लागू की गयी, जो की निरंतर कार्यरत है। योजना के मुख्य उद्देश्य रासायनिक खाद तथा कीटनाशको के उपयोग को कम करना, जैविक खेती को बढ़ावा देना, मिट्टी की उर्वरता ओर पर्यावरण संरक्षण कर किसानो की आय बढ़ाना, सुरक्षित व रसायन मुक्त खाद्य उत्पादन को बढ़ाना है। जिले में इस योजना का संचालन 03 विकास खण्डों आष्टा, इछावर तथा बुधनी में 500 हेक्टेयर प्रति विकास खण्ड के अनुसार किया जा रहा है।

# जेन सोश्यल ग्रुप की परिकल्पना मे आयोजित हुआ सकल जैन श्रीसंघ अध्यक्ष राजेश धाकड का अभिनन्दन

**नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जैन समाज की एकता और गौरव का भव्य प्रदर्शन उस समय देखने को मिला जब सकल जैन श्रीसंघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष राजेश धाकड़ का अभिनंदन समारोह अत्यंत गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। यह आयोजन जैन सोशल ग्रुप की प्रेरणादायक परिकल्पना का सशक्त उदाहरण बना, जिसमें समाज के विभिन्न संगठनों ने एक मंच पर आकर एकता का संदेश दिया।

राजेश धाकड़ के अध्यक्ष पद पर मनोनयन के उपलक्ष्य में मूर्तिपूजक श्रीसंघ, स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, दिगम्बर जैन समाज, नवकार कपल ग्रुप तथा अखिल भारतीय राजेन्द्र नवयुवक परिषद सहित अनेक संस्थाओं के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक उनका सम्मान किया। पूरे कार्यक्रम में समाज की एकजुटता और सम्मान की भावना स्पष्ट रूप से झलकती रही।

समारोह के समापन अवसर पर जैन सोशल ग्रुप द्वारा शाल, माला एवं अभिनंदन पत्र भेंट कर राजेश धाकड़ का विशेष बहुमान किया गया। अभिनंदन पत्र का प्रभावशाली वाचन कमल जैन ने किया, जबकि स्वागत उद्बोधन ग्रुप अध्यक्ष धर्मेन्द्र बम ने प्रस्तुत किया।

अपने संबोधन में राजेश धाकड़ ने सभी श्रीसंघों एवं संस्थाओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए समाज के विकास और एकता के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का संकल्प दोहराया।

कार्यक्रम का सफल संचालन अमित बम ने किया तथा अंत में आभार प्रदर्शन मनोज वागरेचा ने व्यक्त किया।

इस गरिमामय आयोजन में श्रेणिक बम, संजय मुरडिया, पारस पोखरना, राजेश सकलेचा, ब्रजेश बोहरा, हर्षित नागदा, मुकेश जैन, रवि संघवी, कुशल भंसाली, सुरेश नाहटा, अंकुर जैन, दीपक गांग, दिलीप गांधी, आशीष वोरा, शैलेन्द्र छोरिया, मनीष धाकड़, संतोष नाहटा, अर्पित सिसौदिया, हेमंत जैन, अशोक कुमावत सहित अनेक गणमान्य नागरिकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

## घटेरा में श्रमदान से तालाब संवर्धन, ग्रामीणों ने दिया जल संरक्षण का संदेश

**विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** शुक्रवार को जनपद पंचायत ग्यारसपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत घटेरा में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत सामूहिक श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान ग्रामीणों ने जनभागीदारी के माध्यम से तालाब के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु सक्रिय योगदान दिया और जल बचाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा पारंपरिक जल स्त्रोतों के संरक्षण को बढ़ावा देना रहा। ग्रामवासियों ने श्रमदान कर तालाब की साफ-सफाई एवं गहरीकरण जैसे कार्यों में सहभागिता निभाई, जिससे जल संग्रहण क्षमता को बढ़ाया जा सके।

# सिंगोली पुलिस को मिली बड़ी सफलता, तस्कर की गजब की हिम्मत, बाइक पर कट्टे लादकर 120 किलोग्राम अवैध डोडाचूरा ले जा रहा था

**सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** सिंगोली थाना पुलिस की नाकेबंदी को देख तस्कर ने अपनी बाइक और उस पर लदा 18 लाख रुपये का अवैध डोडाचूरा बीच सड़क पर ही छोड़ दिया और अंधेरे का फायदा उठाकर खेतों में भाग निकला। पुलिस ने काफी पीछा किया, लेकिन आरोपी पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ सका। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

फिल्मी स्टाइल में हुई घटना- घटना 24 अप्रैल की है। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर चलाए जा रहे प्रदेशव्यापी नशा विरोधी अभियान के तहत सिंगोली पुलिस टीम रूघनाथपुरा फंटे पर संदिग्ध वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान नीमच की ओर से एक युवक हीरो स्प्लेंडर बाइक पर भारी कट्टे लादकर आता दिखाई दिया।

पुलिस की घेराबंदी को देखकर तस्कर की %शातिर% नजरें सचेत हो गईं। सूत्रों के अनुसार, पुलिस टीम से करीब 100 फीट पहले ही उसने नाकेबंदी भांप ली और घबराकर बाइक बीच सड़क पर ही पटकी और जान बचाकर अंधेरे में भाग निकला।

18 लाख की खेप और बाइक जब्त- पुलिस बल ने तत्काल आरोपी का पीछा किया और आसपास के खेतों व अंधेरे इलाकों में घंटों सर्चिंग की, लेकिन आरोपी का कोई सुराग नहीं मिला। तलाशी लेने पर बाइक पर बंधे कट्टों से 120 किलो अवैध डोडाचूरा बरामद हुआ। पुलिस ने डोडाचूरा (कीमत करीब 18 लाख रुपये) और बिना नंबर की बाइक (कीमत 30 हजार रुपये) को जब्त कर लिया है।

इन अधिकारियों के निर्देशन में हुई कार्रवाई- इस कार्रवाई को अंजाम देने में एसपी अंकित जायसवाल के निर्देशन, एएसपी नवलसिंह सिसोदिया और एसडीओपी रोहित राठौर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार वर्मा की टीम की अहम भूमिका रही। पुलिस अब अज्ञात तस्कर की पहचान करने और उसके नेटवर्क तक पहुंचने के लिए जांच में जुटी है।

इनका कहना- तस्कर की पहचान के लिए आसपास के सीसीटीवी कैमरों और मुखबिरों से जानकारी जुटाई जा रही है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

**-जितेंद्र कुमार वर्मा, थाना प्रभारी, सिंगोली**

# जनप्रिय विधायक चौहान द्वारा किया गया अभिनव प्रयास

**नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** स्थानीय विधायक तेजबाहदुर सिंह चौहान द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में नगर की प्रतिभाओं का विशिष्ट सम्मान बोर्ड परीक्षा में नगर एवं जिले में उच्चस्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 1 दिन का विधायक बनाकर सम्मान किया जाएगा पूर्व में 12 ह्रद्ध परीक्षा में जिले प्रवीण सूची में स्थान प्राप्त करने पर साहित्य सेन को 1 दिन का विधायक बनाया था और कक्षा 10 दसवीं में नगर में प्रथम आने पर कु.काव्या जैन को भी 1 दिन का विधायक बनाया जाएगा उसी प्रकार इस वर्ष भी मेधावी छात्र छात्राओं को भी 1 दिन का विधायक बनाकर सम्मान एवं प्रोत्साहित किया जाएगा इस अभिनव प्रयास से बच्चों को प्रोत्साहन एवं मनोबल भी बढ़ेगा !विधायक चौहान द्वारा चर्चा में बतायागया की इस वर्ष अपनी स्वेच्छानुदन राशि का भी बड़ा हिस्सा शिक्षा पर व्यय किया है जो उनकी कार्यशैली ओर शिक्षा के महत्व को दर्शाती है! अभिभावक एवं समाज जन द्वारा किया गया विधायक का सम्मान। इस अवसर पर राजेश सकलेचा, अमित बम,रवि संघवी,जीवनलाल जैन,दीपक जैन,हिम्मत राठौर आदि जन उपस्थिति थे।

## ग्राम पंचायत रावन में मनाया गया राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस, ग्रामीणों को अधिकारों व कर्तव्यों की दी गई जानकारी

**विदिशा / दैनिक मालवा हेराल्ड।** आज राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत रावन में पंचायत भवन में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उपस्थित ग्रामीणों को पंचायत के अधिकार, कर्तव्यों एवं कार्यक्षेत्र के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में पंचायत प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने ग्रामीणों को बताया कि पंचायती राज व्यवस्था देश में स्थानीय स्वशासन की मजबूत नींव है, जो गांव स्तर पर लोकतंत्र को सशक्त बनाती है। इस अवसर पर यह भी अवगत कराया गया कि 24 अप्रैल 1993 को 73वां संविधान संशोधन अधिनियम लागू होने के साथ ही पंचायतों को संवैधानिक दर्जा प्राप्त हुआ था, जिससे ग्रामीण विकास में नई दिशा मिली। वक्ताओं ने कहा कि पंचायती राज प्रणाली का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर लोकतंत्र को मजबूत बनाना, स्थानीय नागरिकों को निर्णय लेने का अधिकार देना तथा गांव के समग्र विकास में जनभागीदारी को बढ़ाना है। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को विभिन्न शासकीय योजनाओं में पंचायत की भूमिका और उनके अधिकारों के प्रति भी जागरूक किया गया। अंत में ग्रामीणों से अपील की गई कि वे पंचायत की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाएं और अपने गांव के विकास में सहयोग करें।

# सांसद की अध्यक्षता में दिशा समिति की बैठक 25 अप्रैल को

**जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** लोकसभा सांसद श्री आशीष दुबे की अध्यक्षता में शनिवार 25 अप्रैल को जिला पंचायत परिसर में दिशा समिति की बैठक आयोजित की जा रही है। इस बैठक में जिले के विकास और लोक कल्याण से जुड़ी शासन की विभिन्न योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की जाएगी। बैठक के एजेंडे में नगर निगम और अन्य नगरीय निकायों के अंतर्गत संचालित अमृत परियोजना के साथ-साथ लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग और जल निगम द्वारा क्रियान्वित किए जा रहे जल जीवन मिशन के कार्यों को प्राथमिकता दी गई है। इसके साथ ही स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयुष्मान कार्ड वितरण की स्थिति और बालिकाओं के लिए एचपीवी वैक्सीन अभियान के क्रियान्वयन पर भी विस्तृत चर्चा होगी। शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए आरटीओ और एएसपी ट्रैफिक के साथ विशेष विचार-विमर्श किया जाएगा, जिसमें वर्तमान चुनौतियों और उनके समाधान पर जोर रहेगा। कृषि क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों जैसे फसल उपार्जन की तैयारी, उर्वरक वितरण के लिए लागू की गई ई-टोकन व्यवस्था और किसानों को विद्युत वितरण की स्थिति की भी समीक्षा की जाएगी। साथ ही एनवीडीए की नहरों के रखरखाव और उनकी कार्यक्षमता को लेकर भी संबंधित अधिकारियों से जानकारी ली जाएगी। बैठक की गंभीरता को देखते हुए कलेक?टर श्री राघवेन?द्र सिंह ने एजेंडे में शामिल विषयों की एक-एक कर विस्तृत समीक्षा कर सभी संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपनी अपनी योजनाओं से जुड़ी अद्यतन जानकारी, पीपीटी और फोल्डर तत्काल तैयार कर जिला पंचायत कार्यालय में जमा कराएं।

## मामूली विवाद के चलते अनाज व्यापारी की हत्या

**बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड।** ग्राहक से अनाज खरीदने की बात को लेकर हुआ मामूली विवाद हत्या जैसे संगीन अपराध तक पहुंच कर एक सीधे सादे व्यापारी की सांसों को तोड़ गया। पुलिस के अनुसार मृतक राजेंद्र कुमार उर्फ राजू पिता सौभागमल लोडा जाती जैन निवासी व्यास कॉलोनी बड़नगर की तुलसी वेयरहाउस उज्जैन रोड के सामने अनाज खरीदने की दुकान हैउसके पास में निलेश पिता धन्नालाल शाह व उसके पुत्र आदर्श पिता निलेश शाह जाति जैन निवासी ग्राम पलदुना थाना इंगोरिया की अनाज खरीदने की दुकान है शुक्रवार को ग्राहक से अनाज खरीदने की बात को लेकर निलेश और आदर्श की राजेंद्र जैन से लड़ाई हो गई और दोनों पिता पुत्र ने मिलकर राजन जैन को इतना मारा की उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने दोनों पिता पुत्रों के विरुद्ध बीएस की धारा 103(1), 351(3),296(ड्ड), 3(5) मैं प्रकरण दर्ज कर लिया है आरोपी अभी पुलिस गिरफ्त से दूर है।

## डेटा एनालिसिस से गेहूं उपार्जन पर रखी जायेगी नज़र

**जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिले में रबी विपणन वर्ष 2026-27 के दौरान गेहूं उपार्जन प्रक्रिया को पारदर्शी और सुव्यवस्थित बनाने के लिए कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। जिले में बिचौलियों पर लगाम कसने और वास्तविक किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से डेटा एनालिसिस थ्रू डीप डाइव इन एग्रीकल्चर थ्रू जनरेटिव एआई सेल का गठन किया गया है। जनरेटिव एआई सेल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डीप डेटा एनालिसिस के माध्यम से उपार्जन संबंधी विभिन्न पोर्टलों, जैसे कृषि विभाग, मंडी, परिवहन और राजस्व के आंकड़ों का गहन अध्ययन करेगा। इस तकनीक के इस्तेमाल से संदिग्ध गतिविधियों और डेटा में होने वाले अप्रत्याशित बदलावों की पहचान कर शासन को होने वाली राजस्व हानि को रोका जा सकेगा। कलेक्टर श्री सिंह ने इस विशेष सेल की कमान संयुक्त कलेक्टर पुष्पेंद्र अहाके को सौंपी है। उन्हें सेल का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। सहायक आपूर्ति अधिकारी प्रमोद मिश्रा, अतिरिक्त जिला सूचना विज्ञान अधिकारी आदित्य सिंह और जिला ई-गवर्ननेंस मैनेजर चित्रांशु त्रिपाठी सहित कुल नौ विशेषज्ञों को इस सेल में शामिल किया गया है।

# ग्राम आमखेड़ा सूखा और बरखेड़ा अडवार में 'नरवाई न जलाएं' विषय पर चैपाल आयोजित, किसानों को दिलाई शपथ

**विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** नटेरन विकासखंड के ग्राम आमखेड़ा सूखा और बरखेड़ा अडवार में आज नरवाई (फसल अवशेष) न जलाने के संबंध में एक जागरूकता चैपाल का आयोजन किया गया। चैपाल में किसानों को नरवाई जलाने से होने वाले दुष्परिणामों तथा इसके वैकल्पिक उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई और चैपाल में उपस्थित सभी किसानों को नरवाई जलाने की शपथ भी दिलाई गई। ग्राम चैपाल में उपस्थित स्थानीय तहसीलदार श्री आनंद कुमार जैन और कृषि व राजस्व विभाग के अधिकारियों ने बताया कि नरवाई जलाने से भूमि की उर्वरता प्रभावित होती है, साथ ही पर्यावरण प्रदूषण बढ़ता है और जीव-जंतुओं को भी नुकसान पहुंचता है। इसके अतिरिक्त यह आगजनी की घटनाओं का कारण बनकर आसपास की फसलों एवं संपत्ति को भी खतरे में डाल सकती है।

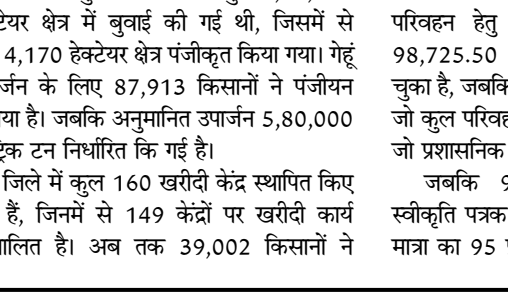

चैपाल में किसानों को समझाइश दी गई कि वे नरवाई को जलाने के बजाय उसे खेत में ही प्रबंधन के माध्यम से उपयोग करें, जिससे मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार होगा और उत्पादन क्षमता भी बढ़ेगी। साथ ही शासन द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे कृषि यंत्रों एवं योजनाओं की जानकारी भी साझा की गई।

अधिकारियों ने किसानों को यह भी अवगत कराया कि नरवाई जलाना प्रतिबंधित है और ऐसा करने पर दंडात्मक कार्रवाई का प्रावधान है। इसलिए सभी किसान नियमों का पालन करते हुए पर्यावरण संरक्षण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

ग्रामीणों एवं किसानों ने चैपाल में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए आश्वासन दिया कि वे नरवाई नहीं जलाएंगे और अन्य किसानों को भी इसके प्रति जागरूक करेंगे। यह चैपाल पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ कृषि की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुई।

## डाइट विदिशा में एआई प्रशिक्षण संपन्न, 40 से अधिक शिक्षकों को मिली आधुनिक तकनीकी जानकारी

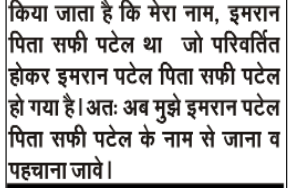

**विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) विदिशा में शिक्षकों को डिजिटल युग के अनुरूप सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन गत दिवस किया गया था। इस प्रशिक्षण में जिले के पीएम श्री विद्यालयों में विज्ञान एवं अंग्रेजी विषय पढ़ाने वाले अप्रशिक्षित शिक्षकों को विषयगत उन्मुखीकरण के साथ आधुनिक तकनीक की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का आयोजन डाइट विदिशा के प्राचार्य डॉ. आर.के. जैन के मार्गदर्शन में किया गया था।

# विश्व मलेरिया दिवस पर डेंगू एवं मलेरिया नियंत्रण के लिए भैरूंदा में बैठक आयोजित

**सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर डेंगू प्रभावित क्षेत्रों में रोकथाम और नियंत्रण के प्रयासों को गति देने के लिए भैरूंदा सिविल अस्पताल में बैठक आयोजित की गई। बैठक में डेंगू प्रभावित ग्राम पंचायतों के सरपंच और सचिव शामिल हुए।

बैठक का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में डेंगू की रोकथाम करना और स्वच्छता अभियान को प्रभावी बनाना था। बैठक के दौरान मच्छर जनित रोगों पर नियंत्रण, स्वच्छता अभियान सहित अनेक बिंदुओं पर विसतार से चर्चा की गई और आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। बैठक में जिला मलेरिया अधिकारी श्रीमती क्षमा बर्वे ने तकनीकी बारीकियों को साझा करते हुए बताया कि डेंगू के मच्छर साफ पानी में पनपते हैं, इसलिए घरों के आसपास पानी इकट्ठा न होने दें। सरपंच और सचिव अपने स्तर पर ग्रामीणों को ÷हर रविवार-डेंगू पर वार÷ जैसे जागरूकता अभियानों से जोड़ें। लार्वा सर्वे के दौरान किन बातों का ध्यान रखना है और फीवर क्लिनिक के माध्यम से मरीजों की निगरानी कैसे करनी है, इस पर भी जानकारी दी गई। बैठक में उपस्थित प्रतिनिधियों से अपील की गई कि वे जन-जागरूकता फैलाएं ताकि प्रत्येक व्यक्ति डेंगू से बचाव के उपायों को अपनाए।

# समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन जारी अब तक 1.14 लाख मीट्रिक टन से अधिक खरीदी, 85.87 प्रतिशत परिवहन पूर्ण

**विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** मध्यप्रदेश स्टेट सिविल सप्लाइज कॉर्पोरेशन लिमिटेड के जिला कार्यालय विदिशा द्वारा जारी रबी विपणन वर्ष 2026-27 के गेहूं उपार्जन की ताजा रिपोर्ट के अनुसार जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी कार्य तेजी से जारी है। जिले में अब तक उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक जिले में कुल 3,64,000 हेक्टेयर क्षेत्र में बुवाई की गई थी, जिसमें से 2,14,170 हेक्टेयर क्षेत्र पंजीकृत किया गया। गेहूं उपार्जन के लिए 87,913 किसानों ने पंजीयन कराया है। जबकि अनुमानित उपार्जन 5,80,000 मीट्रिक टन निर्धारित कि गई है।

जिले में कुल 160 खरीदी केंद्र स्थापित किए गए हैं, जिनमें से 149 केंद्रों पर खरीदी कार्य संचालित है। अब तक 39,002 किसानों ने स्लॉट बुकिंग कराई, जिनमें से 25,227 किसानों से खरीदी पूरी की जा चुकी है।

खरीदी की स्थिति पर नजर डालें तो आज शुक्रवार की खरीदी 9,545.80 मीट्रिक टन दर्ज की गई, जबकि कुल खरीदी 1,14,974.90 मीट्रिक टन हो चुकी है। इसके साथ ही परिवहन व्यवस्था भी सुचारू रूप से संचालित हो रही है।

अब तक 1,00,671.90 मीट्रिक टन गेहूं परिवहन हेतु तैयार किया गया, जिसमें से 98,725.50 मीट्रिक टन का परिवहन पूर्ण हो चुका है, जबकि 16,249.40 मीट्रिक टन शेष है। जो कुल परिवहन का प्रतिशत 85.87 प्रतिशत है, जो प्रशासनिक सक्रियता को दर्शाता है।

जबकि 94,205.10 मीट्रिक टन का स्वीकृति पत्रक तैयार किया गया है, जो परिवहन मात्रा का 95 प्रतिशत तथा कुल खरीदी का 82 प्रतिशत है।

भुगतान प्रक्रिया भी समानांतर जारी है। अब तक खरीदी के आधार पर 301.81 करोड़ रुपये देय राशि निर्धारित हुई है। इसमें से जेआईटी पोर्टल पर 163.34 करोड़ रुपये की ईपीओ राशि प्राप्त हुई है, जो कुल का 54.12 प्रतिशत है।

इसके अतिरिक्त 134.72 करोड़ रुपये की राशि डीसीसीबी द्वारा डीएससी की गई, जबकि 28.62 करोड़ रुपये 283 ईपीओ लंबित हैं।

जेआईटी पोर्टल के माध्यम से 108.08 करोड़ रुपये का सफल भुगतान किसानों को किया जा चुका है, वहीं 193.73 करोड़ रुपये का भुगतान लंबित है। विदिशा जिले में गेहूं उपार्जन कार्य योजनाबद्ध तरीके से क्रियान्वित किया जा रहा है। खरीदी, परिवहन और भुगतान की प्रक्रिया में निरंतर सुधार देखा जा रहा है।


## नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम, इमरान पिता सफी पटेल था जो परिवर्तित होकर इमरान पटेल पिता सफी पटेल हो गया है। अतः अब मुझे इमरान पटेल पिता सफी पटेल के नाम से जाना व पहचाना जावे।

भवदीय :- इमरान पटेल पिता सफी पटेल, 60 ग्राम सोलसिंधी, सोलसिंधी, कुदना, सवेर, इंदौर म. प्र 453551

# कलेक्टर की अध्यक्षता में नल जल योजना एवं हैंडपंप की अद्यतन स्थिति की समीक्षा बैठक आयोजित

**झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में नल जल योजना की विस्तृत समीक्षा बैठक आज कलेक्टर सभाकक्ष में आयोजित की गई। पूर्व में आयोजित बैठक को निरस्त करते हुए इस बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें जिले में संचालित हेण्डपम्पों एवं नल जल योजनाओं के जल स्त्रोतों की गहन समीक्षा की गई।

बैठक में कलेक्टर ने जिले के लगभग 14,906 हेण्डपम्पों का व्यापक सर्वेक्षण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण के दौरान प्रत्येक हेण्डपम्प की अद्यतन स्थिति को लाल, पीले एवं हरे रंग के माध्यम से चिह्नित किया जाए, ताकि वास्तविक स्थिति का स्पष्ट आकलन किया जा सके। लाल रंग से उन हेण्डपम्पों को दर्शाया जाएगा जहां पानी की उपलब्धता नहीं है और ऐसी स्थिति में टैंकर के माध्यम से जल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। वहीं पीले रंग से चिन्हित हेण्डपम्पों में जलस्तर कम होने की स्थिति में राइजर पाइप लगाए जाएं तथा पानी की गुणवत्ता की जांच भी अनिवार्य रूप से की जाए।

कलेक्टर को अवगत कराया गया कि जिले में 190 हेण्डपम्पों की मांग के विरुद्ध 36 का आवंटन प्राप्त हुआ है। इस पर उन्होंने स्वीकृति प्रदान करते हुए 30 हेण्डपम्पों के कार्य को आगामी सोमवार से प्रारंभ करने के निर्देश दिए। इसके अंतर्गत विकासखंड झाबुआ के ग्राम नेगड़िया (बारिया फलिया) एवं ग्राम बावड़ी बड़ी (सिमाड़ा फलिया), विकासखंड रामा के ग्राम राछवा (डिंडोर फलिया), विकासखंड मेघनगर के ग्राम तलाई (होली फलिया) एवं ग्राम ओचका (भूराघाटा फलिया), विकासखंड थांदला के ग्राम बालवासा (आमली फलिया) एवं ग्राम बोरडी (सिंगाड़ फलिया), तथा विकासखंड पेटलावद के ग्राम बेड़दा (माल फलिया) जैसे क्षेत्रों को शामिल किया गया है।

इसके अतिरिक्त, कलेक्टर ने जिले की 52 नल जल योजनाओं में जल स्त्रोत सूखने की स्थिति को गंभीरता से लेते हुए जिला पंचायत के 15वें वित्त आयोग एवं आईटीडीपी के सहयोग से टोपोग्राफी के अनुरूप ट्यूबवेल एवं कुओं के जरिए नए जल स्त्रोत विकसित करने के निर्देश लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को दिए। इस कार्य के अंतर्गत विकासखंड झाबुआ के ग्राम हड़मतिया, बीजलपुर एवं गड़वाड़ी, विकासखंड रामा के मांडनकुआ, विकासखंड मेघनगर के बाबड़ी, विकासखंड थांदला के चेनपुरी, बोरडी एवं देवगढ़ तथा विकासखंड पेटलावद के बखतपुरा एवं मकोड़िया झर जैसे 52 योजनाओं को शामिल किया गया है।

कलेक्टर ने यह भी निर्देशित किया कि आगामी 1 मई से जिले में पेयजल आपूर्ति से संबंधित समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु हेल्पलाइन नंबर जारी किए जाएं। इन हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों की नियमित एवं व्यवस्थित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए, ताकि आमजन को समय पर राहत मिल सके।

गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर ने समस्त इंजीनियर्स को निर्देशित किया कि वे 24म7 जिले में सक्रिय रूप से उपलब्ध रहें और जल संकट से संबंधित समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि पेयजल आपूर्ति से जुड़ी व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

बैठक में संयुक्त कलेक्टर श्री विजय कुमार मण्डलोई, कार्यपालन यंत्री पीएचई श्री जितेन्द्र मावी, उप संचालक कृषि विभाग श्री एन एस रावत सहित संबंधित विभागों के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

## पीएम श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झाबुआ में चलित पुस्तकालय का नवाचार प्रारंभ

**झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** पीएम श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झाबुआ में नवाचार की श्रृंखला के अंतर्गत एक अभिनव पहल करते हुए चलित पुस्तकालय (मोबाइल लाइब्रेरी) की शुरुआत की गई है। इस पुस्तकालय में बालिकाओं के लिए शैक्षणिक पुस्तकें, कहानियां, प्रेरक प्रसंग, सामान्य ज्ञान तथा अन्य ज्ञानवर्धक साहित्य उपलब्ध कराया गया है। यह चलित पुस्तकालय विद्यालय परिसर में ही स्थापित किया गया है, जिससे बालिकाएं आसानी से इसका लाभ ले सकें। इस पहल का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं में पठन कौशल का विकास करना, अध्ययन के प्रति रुचि जागृत करना तथा ज्ञान के आदान-प्रदान की भावना को प्रोत्साहित करना है। बालिकाएं प्रतिदिन पुस्तकालय का उपयोग कर विभिन्न विषयों की पुस्तकों का अध्ययन कर रही हैं। विशेष बात यह है कि छात्राएं स्वयं पुस्तकों का संचालन करती हैं। वे प्रतिदिन पुस्तकों का रोटेशन कर उन्हें व्यवस्थित रूप से रखती हैं तथा उनके रख-रखाव की जिम्मेदारी भी निभाती हैं। यह व्यवस्था न केवल अनुशासन एवं जिम्मेदारी की भावना विकसित कर रही है, बल्कि सीमित कक्षों की उपलब्धता के बावजूद पुस्तकालय संचालन का एक प्रभावी मॉडल भी प्रस्तुत कर रही है। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती सुप्रिया बिसेन ने इस नवाचार की सराहना करते हुए इसे बालिकाओं के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल बताया है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रयासों से विद्यार्थियों में आत्मनिर्भरता एवं ज्ञानार्जन की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिलता है।

## विद्यार्थियों के आधार अब विद्यालय के द्वार अभियान प्रारंभ

**खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्रदेशभर में विद्यार्थियों के आधार अब विद्यालय के द्वार अभियान प्रारंभ किया गया है। इस अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों के आधार कार्ड में आवश्यक अद्यतन कर उन्हें शासकीय योजनाओं एवं शैक्षणिक सुविधाओं से सुगमता से जोड़ना है। अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों के आधार कार्ड में मोबाइल नंबर एवं बायोमेट्रिक अपडेट किया जाना अनिवार्य है। इसी क्रम में जिले में 16 अप्रैल 2026 से 30 अप्रैल 2026 तक संलग्न योजना अनुसार शासकीय हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में आधार शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, ताकि विद्यार्थियों को विद्यालय स्तर पर ही सुविधा उपलब्ध हो सके। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा समस्त पालकगणों से अपील की गई है कि जिन विद्यार्थियों का आधार अपडेट शेष है, वे अपने समीपस्थ शासकीय हाई/हायर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित शिविर में निर्धारित तिथियों पर उपस्थित होकर बच्चों का आधार अपडेशन अवश्य कराएं, जिससे भविष्य में किसी भी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।

## नारी शक्ति वंदन पर कार्यशाला का आयोजन

**बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड।** भगवान बिरसा मुंडा शासकीय महाविद्यालय पाटी में उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य छात्राओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करना एवं समाज में नारी सम्मान का भाव जागृत करना था। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता सान्दीपनी शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पाटी की शिक्षिका श्रीमती कीर्ति डांगी ने कहा कि आप नारी शक्ति को पहचाने और उसे सम्मान दे जो समाज को एकजुट करती है।

जब नारी सशक्त होती है तो परिवार मजबूत होता है और जब परिवार मजबूत होता है तो राष्ट्र भी सशक्त बनता है आज के समय में महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही है लेकिन फिर भी आज समाज में कुछ ऐसी कुरीतियां है जो नारी की प्रगति में बाधा बनती है। नारी शक्ति के सम्मान की बात करते हुए कहा- नारी शक्ति का वास्तविक सम्मान तभी होगा जब हम उसे समान अधिकार, सुरक्षा और आगे बढ़ाने में सहयोग प्रदान करेंगे। विद्यालय के प्राचार्य बजरंग काग ने सामाजिक सशक्तिकरण के लिए महिला सशक्तिकरण को अनिवार्य बताया साथ ही महिलाओं के विकास के लिए शिक्षा को प्रमुख अभिकरण के रूप में रेखांकित किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ परवेज मोहम्मद ने अपने उद्बोधन में नारी शक्ति की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए प्राचीन काल से वर्तमान तक की प्रस्थिति को बताते हुए नारी को सशक्त करने के लिए कानूनी अधिकारों और शासकीय योजनाओं का महत्व बताया। महाविद्यालय की छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा- लड़कियां लड़कों से ज्यादा शक्तिशाली होती है उनमें समझने की शक्ति अधिक होती है वे पढ़ लिखकर लड़कों से बहुत आगे निकल सकती हैं।प्रशासनिक अधिकारी डॉ मंशाराम बघेल ने नारी शक्ति को समाज की आधारशिला बताते हुए समाज में सकारात्मक बदलाव पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉ अंजुबाला जाधव क्रीड़ा अधिकारी ने किया। आभार प्रो जया न्यावत ने व्यक्त किया। इस कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के प्रो प्रशांत परमार, ग्रंथपाल डॉ भारतसिंह चौहान महाविद्यालय के समस्त कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

## सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 विषय पर जिला स्तरीय प्रशिक्षण

**बडवानी/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** आर.सी.व्ही.पी.नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी भोपाल के सौजन्य से एवं जिलाधीश के आदेशनुसार स्थानीय ई-दक्ष केंद्र बड़वानी मे सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 विषय पर जिला स्तरीय लोक सूचना अधिकारी/प्रथम अपीलीय अधिकारी एवं अन्य स्टाफ का दिनांक 23 एवं 24 अप्रैल को दो दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। अकादमी द्वारा बनाए गए जिला रिसोर्स पर्सन के रूप मे मास्टर ट्रेनर श्री श्रीकृष्ण मंडलोई एवं श्री अक्षय सोनी ई-दक्ष द्वारा प्रशिक्षण में मुख्य रूप से लोक सूचना अधिकारी को सूचना प्रदान करने के संबंध में उनकी भूमिका, बाध्यता, छूट, अपील तथा पेनल्टी आदि के बारे में बताया गया । अधिनियम लागू होने के बाद हुए सभी संशोधन एवं प्रशिक्षणार्थियों के प्रश्नों का निराकरण एवं उपाय बताए गए अधिकारियों को अधिनियम के अधीन बनाए गए नियमों को सुचारू पालन करने के लिए कार्यालय में रिकॉर्ड प्रबंधन का महत्व बताए गए। सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 का परिचय, शासन के विभिन्न राजपत्र एवं विभिन्न न्यायालयीन निर्णय का हवाला देते हुए विभिन्न प्रश्नों का समाधान कर विस्तृत प्रशिक्षण सम्बंधित अधिकारीयों को दिया जा रहा है।

## नरवाई को जलाएं नहीं, कृषि यंत्रों और तकनीक का उपयोग कर उसे काम में लें

**सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** कृषि वैज्ञानिक के अनुसार रबी फसल की कटाई के बाद नरवाई में आग न लगाएं, बल्कि फसल अवशेष प्रबंधन के लिए उन्नत कृषि यंत्र एवं तकनीक का उपयोग करें। बेलर इस मशीन का उपयोग फसल अवशेषों को एकत्र करने में होता है। इससे पशु आहार और ईंधन के रूप में उपयोग में लाना आसान हो जाता है। यह मशीन फसल अवशेष को एकत्र कर, दबाकर एवं रस्सी से बांधकर गठे के रूप में मशीन के पीछे एक लाइन में गिराती चली जाती है। स्ट्रा रीपर स्ट्रा रीपर एक ऐसी फसल अवशेष प्रबंधन मशीन है, जो एक ही वार में फसल अवशेष को काटती है, थ्रेस व साफ करती है। यह मशीन फसल अवशेषों से पशु चारा बनाने के लिए उपयुक्त है। कृषि वैज्ञानिक इस मशीन को चलाने के लिए 35 एच.पी. शक्ति के ट्रैक्टर की आवश्यकता होती है। ट्रैक्टर पी.टी.ओ. द्वारा चलित मशीनें पहली- मल्चर, जो फसल अवशेषों को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटती है। इन अवशेष को डिस्क हैरो मशीन से आसानी से मिट्टी में मिला सकते हैं। दूसरी- हैप्पी सीडर, जिसमें आगे की तरफ फसल अवशेष काटने के लिए ब्लेड और पीछे बुवाई की प्रणाली जुड़ी होती है। तीसरी- रोटरी डिस्क ड्रिल, जिसमें आगे के तरफ सॉयल रेजर डिस्क और पीछे की तरफ बुवाई प्रणाली जुड़ी होती है। चौथी- रोटावेटर, जो खेत तैयार करने का एक मुख्य उपकरण है। इसमें एल या सी आकार के ब्लेड लगे होते हैं। अन्य मशीनें स्ट्रिप टिल ड्रिल एक प्रकार की सक्रिय पीटीओ चलित बुवाई मशीन है, जिसमें आगे जे प्रकार के ब्लेड और पीछे बीज बुवाई प्रणाली जुड़ी होती है। रोटरी टिल ड्रिल = एक पीटीओ चलित बुवाई मशीन है, जिसमें आगे रोटावेटर और पीछे बुवाई प्रणाली जुड़ी रहती है। इससे खेत की तैयारी और बुवाई दोनों कार्य एक साथ किए जाते हैं। कृषि वैज्ञानिक संयुक्त डिस्क हैरो एक संयुक्त भू-परिष्करण उपकरण है जिसमें आगे की डिस्क पी.टी.ओ. द्वारा चलित और पीछे की डिस्क स्वतंत्र रूप से घूमती है। एमबी प्लाऊ मृदा की प्राथमिक जुताई के लिए एक मुख्य तंत्र है, यह फसल अवशेष व ऊपरी सतह में स्थित खरपतवारों के बीजों को अधिक गहराई में दबाने में सक्षम है।

## तेज गर्मी और लू से बचने के उपाय करें

**खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड।** ग्रीष्मकाल में बढ़ते तापमान एवं लू से बचने के लिए जिले के सभी नागरिकों से सावधानियाँ बरतने का आग्रह मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.ओ.पी.जुगतावत ने किया है। उन्होंने बताया कि ग्रीष्मकाल में अप्रैल माह से जून माह तक तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के ऊपर पहुंच जाता है । इस दौरान अधिक देर तक बाहर धूप में रहने से लू के शिकार हो सकते है । यह जानलेवा भी हो सकता है । डॉ जुगतावत ने बताया कि आहार विहार पर ध्यान देने से लू या संक्रमक रोगों से बचा जा सकता है । उन्होंने बताया कि लू से शिकार व्यक्ति को तेज सिरदर्द होता है, मुंह-जुबान सुखने लगती है, माथे, हाथ, पैर में पसीना आता है व घबराहट होती है और प्यास लगती है, उल्टी होती है भूख नहीं लगती है तथा हालत अधिक खराब होने से मरीज बेहोश हो जाता है । त्वचा एक दम शुष्क और शरीर का तापमान 100 डिग्री फेरेनाईट से अधिक हो जाता है । गर्मी के कारण शरीर में पानी की कमी हो जाती है। इस दौरान बुखार, हाथ पैरों में दर्द, आंखों और पैशाब में जलन के साथ ही कभी-कभी दस्त भी लग सकते है। उन्होंने बताया कि पानी की कमी के कारण मरीज की मृत्यु भी हो सकती है।

लू से बचाव के लिए क्या सावधानी रखें- गर्मी के मौसम में गर्दन के पिछले भाग, कान व सिर को गमछे या तौलिये से ढ़ककर ही धूप में निकलें एवं रंगीन चश्में व छतरी का प्रयोग करें । गर्मी के दिनों में धूप में बाहर जाते समय हमेंशा सफेद या हल्के रंग के ढीले कपड़ों का प्रयोग करें। बिना भोजन किये घर से बाहर न निकलें, भोजन करके एवं पानी पीकर ही बाहर निकले । गर्मी में हमेंशा पानी अधिक मात्रा में पियें एवं पेय पदार्थों का अधिक-से-अधिक मात्रा में सेवन करें । जहाँ तक संभव हो ज्यादा समय तक धूप में खड़े होकर व्यायाम या मेहनत न करें एवं बहुत अधिक भीड़ तथा गर्म और घुटन भरे कमरों, रेल, बस आदि की यात्रा गर्मी के मौसम में न करें।

प्राथमिक उपचार- यदि कोई व्यक्ति लू-तापधात से प्रभावित होता है तो उसका तत्काल इन तरीकों से प्राथमिक उपचार किया जाये । रोगी को तुरन्त छायादार जगह पर कपडे ढ़ीलें कर लिटा दें एवं हवा करें । रोगी को होश आने की दशा में उसे ठण्डे पेय पदार्थ, जीवन रक्षक घोल, कच्चे आम का पना आदि दें। प्याज का रस अथवा जौ के आटे को भी ताप नियंत्रण हेतु मला जा सकता है।

## उमरखली समिति में मिट्टी परीक्षण अभियान का आयोजन

**खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिले के उमरखली में सेवा सहकारी समिति के माध्यम से मिट्टी परीक्षण अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य किसानों को मृदा स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना तथा वैज्ञानिक खेती को प्रोत्साहित करना रहा, जिससे फसल उत्पादन में गुणात्मक एवं मात्रात्मक सुधार हो सके।

कार्यक्रम के अंतर्गत आगामी 10 से 15 दिवसों में विभिन्न समितियों से लगभग 300 मिट्टी के नमूने एकत्रित किए जाएंगे। इन नमूनों की इफको के माध्यम से निःशुल्क जाँच कराई जाएगी तथा जाँच उपरांत किसानों को मिट्टी परीक्षण रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे वे फसल के अनुसार उर्वरकों का संतुलित उपयोग कर सकें।

कार्यक्रम के दौरान इफको के क्षेत्र अधिकारी द्वारा किसानों को मिट्टी के नमूने लेने की सही एवं वैज्ञानिक विधि की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि सही तरीके से लिया गया नमूना ही मिट्टी की वास्तविक स्थिति को दर्शाता है, जिससे उर्वरकों का संतुलित उपयोग संभव होता है और फसल उत्पादन में वृद्धि होती है।

इस अवसर पर किसानों को आवश्यक सावधानियों से भी अवगत कराया गया, जिनमें खाद या उर्वरक डालने के तुरंत बाद नमूना न लेने, अत्यधिक गीली या बहुत सूखी मिट्टी से बचने तथा नमूना लेने के लिए साफ उपकरण का उपयोग करने पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम में समिति के कर्मचारी, एसएफए श्री ह्रषभ गुप्ता एवं एमडीई श्री अंकित यादव सहित ग्राम के किसान उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में किसानों को नियमित रूप से मिट्टी परीक्षण कराने, वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाने तथा मृदा स्वास्थ्य के संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया।

## प्रेरणा व लक्ष्य निर्धारण कार्यक्रम का आयोजन

**खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** शैक्षणिक संस्थान में प्रेरणा व लक्ष्य निर्धारण कार्यक्रम के साथ-साथ बौद्धिक संपदा दिवस एवं पंचायती राज दिवस का संयुक्त आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. आरके यादव ने की। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि बौद्धिक संपदा का तात्पर्य हमारे मस्तिष्क से उत्पन्न विचारों, आविष्कारों एवं रचनाओं से है, जैसे किताबें, गीत, डिजाइन और नए आविष्कार। इनकी सुरक्षा अत्यंत आवश्यक है, ताकि हमारी मेहनत और रचनात्मकता का दुरुपयोग न हो सके।

कार्यक्रम की संचालक श्रीमती छाया पटेल ने बताया कि बौद्धिक संपदा दिवस प्रतिवर्ष 26 अप्रैल को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य रचनात्मकता और नवाचार को प्रोत्साहित करना तथा पेटेंट, कॉपीराइट और ट्रेडमार्क के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने नवाचारों को सुरक्षित रखने की अपील की।

पंचायती राज दिवस के अंतर्गत प्रो. प्रीति हाडा ने कहा कि यह दिवस 24 अप्रैल को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण विकास को गति देना, पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त बनाना और विकसित भारत के संकल्प को मजबूत करना है। कार्यक्रम प्रभारी डॉ. मोनिका चौहान ने कहा कि पंचायती राज व्यवस्था हमारे देश के ग्रामीण लोकतंत्र की नींव है, जो गांव के लोगों को अपने विकास से जुड़े निर्णय स्वयं लेने का अधिकार देती है।

मानसिक स्वास्थ्य विषय के अंतर्गत आयोजित प्रेरणा व लक्ष्य निर्धारण सत्र में क्रीड़ा अधिकारी श्रीमती दिव्या व्यास ने कहा कि प्रेरणा और लक्ष्य निर्धारण सफलता के दो प्रमुख स्तंभ हैं। प्रेरणा लक्ष्य की ओर बढ़ने की आंतरिक शक्ति है, जबकि लक्ष्य निर्धारण मंजिल को स्पष्ट करने की प्रक्रिया है। प्रो. उमा मंडलोई ने कहा कि लक्ष्य निर्धारण का अर्थ है– लक्ष्य प्राप्ति के लिए विचार, भावना और व्यवस्था को पूर्ण रूप से समर्पित करना।

प्रो. बसंती मुजाल्दे ने अपने संबोधन में कहा कि लक्ष्य निर्धारण सिद्धांत यह दर्शाता है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हों, तो परिणाम निश्चित रूप से प्राप्त होते हैं। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों एवं उपस्थितजनों ने विषयों को आत्मसात करते हुए जीवन में लागू करने का संकल्प लिया।

## राष्ट्रीय पंचायत दिवस पर जिला पंचायत में आयोजन

**खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** राष्ट्रीय पंचायत दिवस के अवसर पर जिला पंचायत खरगोन के सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री मिलिंद कुमार नागदेवे ने अपने संबोधन में कहा कि 73वां संविधान संशोधन अधिनियम वर्ष 1992 में पारित हुआ और 24 अप्रैल 1993 से लागू किया गया। इसी ऐतिहासिक निर्णय के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष 24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायत दिवस मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि इस अधिनियम ने पंचायत राज व्यवस्था को संवैधानिक दर्जा देकर ग्रामीण लोकतंत्र को मजबूत किया है। साथ ही पंचायतों में नवाचार, पारदर्शिता एवं जनसहभागिता को बढ़ावा देने पर बल देते हुए बेहतर कार्य करने वाले पंचायत प्रतिनिधियों की सराहना की।

कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री बापू सिंह परिहार ने अपने संबोधन में कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना पंचायतों की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। एडिशनल सीईओ श्री राजेश कुमार शाक्य ने जानकारी दी कि देश में लगभग 2.6 लाख से अधिक ग्राम पंचायतें कार्यरत हैं, जिनमें 30 लाख से अधिक निर्वाचित जनप्रतिनिधि कार्य कर रहे हैं। इनमें लगभग 14 लाख महिलाएँ शामिल हैं, जो महिला सशक्तिकरण का सशक्त उदाहरण है। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनुबाई तंवर ने अपने संबोधन में कहा कि पंचायतें लोकतंत्र की मजबूत नींव हैं और ग्रामीण विकास की असली शक्ति गांवों में ही निहित है। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों से जनहित में पारदर्शी एवं जिम्मेदार कार्य करने का आह्वान किया।

जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यों में कसरावद विकासखण्ड द्वारा प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर जनपद सीईओ श्रीमती रीना किराड़ को मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही युवा सलाहकार श्री सावन पाटीदार, प्रबंधक वैभव दुबे एवं कंप्यूटर ऑपरेटर श्री मज़हर खान को भी प्रशस्ति पत्र दिए गए।

## नेशनल लोक अदालत के संबंध में बैठक एवं जागरूकता शिविर आयोजित

**सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष श्री संजीव कुमार अग्रवाल के निर्देशानुसार आगामी 09 मई को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के संबंध में जिला न्यायालय स्थित जिला अभिभाषक संघ सभागृह में बैठक एवं जागरूकता शिविर आयोजित किया गया।

प्रधान जिला न्यायाधीश श्री संजीव कुमार अग्रवाल द्वारा आगामी नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण के संबंध में चर्चा की गई और प्रगति की समीक्षा की गई। उन्होंने कहा कि नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन में अधिवक्ताओं का अहम योगदान रहता है, क्योंकि पक्षकार अपने अधिवक्ता की बात पर अधिक विश्वास करता है। नेशनल लोक अदालत में त्वरित निराकरण से पक्षकारों का विश्वास बढ़ता है। सभी को लोक अदालत के माध्यम से प्रकरणों के निराकरण का विकल्प अपनाना चाहिए एवं पक्षकारों को लाभांवित करना चाहिए। प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय श्री वैभव मंडलोई ने कहा कि नेशनल लोक अदालत एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमे प्रकरण की कोई अपील नहीं होती है और इसमें पक्षकार के विवाद का हमेशा के लिए अंत हो जाता है। इसके माध्यम से कई परिवार बर्बाद होने से बच जाते है।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा )

# कल से शुरू होगा कंठाल चौराहा छत्री चौक मार्ग का चौड़ीकरण

## पहले चरण में 100 मीटर काम का लक्ष्य, सतीगेट तक पहले फेज का काम बारिश से पहले पूरा करने की योजना

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** शहर के मास्टर प्लान के तहत प्रमुख मार्गों के चौड़ीकरण की कड़ी में कंठाल चौराहा से छत्री चौक तक 350 मीटर लंबे मार्ग का चौड़ीकरण कार्य कल रविवार से शुरू किया जा रहा है। नगर निगम ने इसे चरणबद्ध तरीके से पूरा करने की योजना बनाई है, जिसमें पहले चरण में कंठाल चौराहा से गणेश मंदिर (सतीगेट के पास) तक करीब 100 मीटर हिस्से का काम किया जाएगा।

यह मार्ग शहर के सबसे व्यस्त और घने व्यावसायिक क्षेत्रों में शामिल है, जहां दोनों ओर करीब 70 भवन चौड़ीकरण की जद में आ रहे हैं। इनमें से कुछ भवन मालिकों द्वारा कोर्ट से स्टे लेने के कारण अब तक काम शुरू नहीं हो सका था, लेकिन सिंहस्थ 2028 को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने अब इसे चरणों में शुरू करने का निर्णय लिया है।

तीन चरणों में होगा पूरा काम- नगर निगम के अनुसार पूरे 350 मीटर लंबे मार्ग को दो से तीन चरणों में चौड़ा किया जाएगा। पहले चरण में 100 मीटर, दूसरे में लगभग 100 मीटर और तीसरे चरण में शेष 150 मीटर हिस्से का कार्य किया जाएगा। प्रशासन की कोशिश है कि पहला चरण बारिश के पहले पूरा कर लिया जाए।

प्रभावित परिवारों को नोटिस- चौड़ीकरण के पहले चरण में आने वाले 12 परिवारों को नोटिस जारी कर दिए गए हैं और उन्हें रविवार से शुरू होने वाले कार्य की जानकारी भी दे दी गई है। हालांकि पूरे प्रोजेक्ट से करीब 2 हजार से अधिक लोग प्रभावित होंगे।

निगम की व्यवस्थाएं- चौड़ीकरण के दौरान नागरिकों को असुविधा न हो, इसके लिए नगर निगम ने कई व्यवस्थाएं तय की है। इसमें नालियों के पानी की निकासी की व्यवस्था की जाएगी। जिन भवनों में ऊपरी मंजिलों पर लोग रह रहे हैं, उनके लिए पानी के टैंकर उपलब्ध कराए जाएंगे। सफाई व्यवस्था नियमित रूप से जारी रहेगी।

ट्रैफिक को मुसद्दीपुरा क्षेत्र से सुचारू रखने की कोशिश की जाएगी।

जनप्रतिनिधियों ने की बैठक- एमआईसी सदस्य रजत मेहता और क्षेत्रीय पार्षद ने प्रभावित परिवारों के साथ बैठक कर उन्हें निगम की तैयारियों और योजनाओं की जानकारी दी। बैठक में पानी, सफाई और ट्रैफिक जैसी मूलभूत सुविधाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

एक साल में पूरा करने का लक्ष्य- निगमायुक्त अभिलाष मिश्रा के अनुसार, कंठाल चौराहा से सतीगेट तक पहले चरण का काम जल्द पूरा करने की कोशिश है। पूरे प्रोजेक्ट को चरणबद्ध तरीके से लगभग एक साल में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

# टाटा मोटर्स के एमडी गिरीश वाघ ने किए महाकालेश्वर के दर्शन

**उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** टाटा मोटर्स के कमर्शियल व्हीकल विभाग के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ गिरीश वाघ आज शुक्रवार सुबह महाकालेश्वर मंदिर पहुंचकर भगवान के दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने लघु रुद्राभिषेक भी किया। मंदिर प्रबंध समिति द्वारा उनका स्वागत एवं सत्कार किया गया। श्री वाघ ने नंदी हॉल में बैठकर पूजन और दर्शन करने के बाद कहा कि दर्शन और पूजन से उन्हें विशेष आनंद की अनुभूति हुई। उन्होंने मंदिर परिसर में किए गए विकास कार्यों और व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि पहले की तुलना में अब यहां की सुविधाएं और व्यवस्थाएं काफी बेहतर हो गई हैं। मंदिर के साथ साथ परिसर भी अब बड़ा नजर आने लगा है।

# ग्राहक बुलाने की बात पर अनाज व्यापारी की हत्या

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** शुक्रवार सुबह बड़नगर में ग्राहक बुलाने की बात पर दो अनाज व्यापारियों के बीच विवाद हो गया। एक व्यापारी को पिता-पुत्र ने मिलकर लात-घूंसों से पीट दिया। गिरने पर व्यापारी बेसुध हो गया जिसे अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस अस्पताल पहुंची। हत्या का प्रकरण दर्ज कर व्यापारी का पोस्टमार्टम डॉक्टरों की पैनल से कराया गया। बड़नगर के व्यास नगर में रहने वाले 65 वर्षीय राजेन्द्र कुमार पिता सौभागमल लोढा अनाज का व्यापार करते हैं। तुलसी वेयर हाउस के पास उनकी दुकान है। पास में ही ग्राम पलदूना के रहने वाले आदर्श शाह और उसके पिता निलेश शाह की भी दुकान है। सुबह दुकान पर ग्राहक अनाज बेचने आया था। इसी बात को लेकर राजेन्द्र कुमार और निलेश के बीच विवाद हो गया। राजेन्द्र कुमार का कहना था कि ग्राहक उनका है। लेकिन निलेश का कहना था कि ग्राहक उनकी दुकान पर आया है। दोनों के बीच लात-घूंसे चलने लगे। इसी बीच निलेश के पिता भी आ गए और उन्होंने राजेन्द्र कुमार को बुरी तरह पीट दिया। मारपीट में बेसुध होकर राजेन्द्र कुमार जमीन पर गिर पड़े। उन्हें आसपास के दुकानदारों द्वारा उठाने का प्रयास किया गया लेकिन नहीं उठे। तत्काल अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। लात-घूंसों से हुई मारपीट में अनाज व्यापारी की मौत होने की सूचना पुलिस को मिली तो तत्काल अस्पताल पहुंची। मामले में मर्ग कायम किया गया है। डॉक्टरों की पैनल से पोस्टमार्टम कराया गया है। थाना प्रभारी अशोक पाटीदार के अनुसार मामले में हत्या का प्रकरण दर्ज कर दोनों पिता पुत्र की तलाश की जा रही है।

# जानलेवा हमला करने वाले बदमाश ने कोर्ट में किया सरेंडर

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** पुरानी रंजीश में 2 भाईयों पर चाकू से जानलेवा हमला करने वाले बदमाश ने कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने रिमांड पर लेकर हमले में प्रयुक्त चाकू बरामद कर गुरूवार दोपहर कोर्ट में पेश किया। जहां से न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है। नीलगंगा थाना क्षेत्र के नीलगंगा अखाड़े के पीछे मामा भानेज की दरगाह के पास रहने वाले आकाश पिता नंदकिशोर प्रजापत और उसके भाई अनिल प्रजापत पर 11-12 अप्रैल को पुरानी रंजीश में क्षेत्र के बदमाश विक्की उर्फ कालू पिता सुरेन्द्रसिंह तोमर ने चाकू से जानलेवा हमला कर दिया था।

पुलिस ने मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा में अपराध दर्ज कर चाकू मारने वाले बदमाश की तलाश शुरू की थी। पुलिस उसकी लगातार तलाश कर रही थी। 10 दिन बाद बदमाश ने कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया। खबर मिलते ही नीलगंगा थाना एसआई मनोहर बडोदिया कोर्ट पहुंचे और बदमाश को एक दिन की पूछताछ के लिये रिमांड पर लिया। इस दौरान सामने आया कि पुलिस गिरफ्त से बचने के लिये उसने अपना हुलिया बदल लिया था और सिर मुंडवा कर फरारी काटने शहर से बाहर चला गया था, लेकिन परिवार से पुलिस की लगातार पूछताछ के दबाव में आकर उसने आत्मसमर्पण कर दिया। रिमांड अवधि में बदमाश से हमले में प्रयुक्त धारदार चाकू बरामद किया गया है। गुरूवार दोपहर को रिमांड पूरा होने पर कोर्ट में पेश किया, जहां से जेल भेजा गया है। बदमाश के खिलाफ पूर्व में कई अपराध दर्ज होना सामने आये है।

# उज्जैन में बड़ा ट्रैफिक प्लान... हरिफाटक ब्रिज से महाकाल लोक तक अंडरपास का काम शुरू

## 570 मीटर लंबा, 21 मीटर चौड़ा और 5.5 मीटर ऊंचा अंडरपास बनेगा, जाम से मिलेगी राहत

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के तहत धार्मिक नगरी उज्जैन में ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए बड़े स्तर पर काम शुरू हो गया है। महाकाल लोक बनने के बाद बढ़े श्रद्धालुओं के दबाव को देखते हुए हरिफाटक ब्रिज से महाकाल लोक तक बहुप्रतीक्षित अंडरपास का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है।

लोक निर्माण विभाग द्वारा शुरू किए गए इस प्रोजेक्ट के तहत शुरुआती चरण में हरिफाटक ब्रिज के पास बनी स्मार्ट पार्किंग को हटाकर खुदाई का काम तेज कर दिया गया है। यह अंडरपास सीधे महाकाल लोक के नंदी द्वार क्षेत्र से जुड़ेगा, जिससे श्रद्धालुओं को मंदिर तक पहुंचने के लिए एक वैकल्पिक और सुगम मार्ग मिल सकेगा।

### अंडरपास की खासियत

लंबाई- 570 मीटर
चौड़ाई- 21 मीटर
ऊंचाई- 5.5 मीटर
लागत- करीब 36 करोड़ रुपए

निर्माण कार्य गुजरात की वीआरएस कंस्ट्रक्शन कंपनी को सौंपा गया है, जिसे अनुबंध के अनुसार जून 2027 से पहले काम पूरा करना होगा।

ट्रैफिक जाम से मिलेगी राहत- शहर में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु महाकालेश्वर मंदिर के दर्शन के लिए पहुंचते हैं, जिससे महाकाल क्षेत्र में लगातार ट्रैफिक दबाव बढ़ रहा है। अंडरपास बनने के बाद मुख्य मार्गों पर वाहनों की भीड़ कम होगी और जाम की समस्या से काफी हद तक राहत मिलेगी।यह मार्ग खासतौर पर मंदिर आने-जाने वाले वाहनों को सीधे जोड़ते हुए ट्रैफिक को विभाजित करेगा, जिससे यात्रा समय भी घटेगा।

तीन अंडरपास और मजबूत होगा नेटवर्क- सिंहस्थ 2028 में करीब 30 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना को देखते हुए प्रशासन ने शहर में तीन प्रमुख अंडरपास विकसित करने की योजना बनाई है। इसमें

-हरिफाटक अंडरपास (महाकाल लोक कनेक्टिविटी)
-गुरुद्वारा तिराहा अंडरपास (पश्चिमी ट्रैफिक नियंत्रण)
-कार्तिक मेला ग्राउंड अंडरपास (एंट्री-एग्जिट मैनेजमेंट)

सड़क नेटवर्क का भी हो रहा विस्तार- ट्रैफिक सुधार योजना के तहत शहर में 304 किलोमीटर लंबी 26 नई सड़कें बनाई जा रही हैं, जबकि 52 सड़कों का चौड़ीकरण किया जा रहा है। इससे न सिर्फ पुराने शहर में आवागमन आसान होगा, बल्कि उज्जैन को भविष्य में एक इकोनॉमिक कॉरिडोर के रूप में भी विकसित किया जा सकेगा।

स्मार्ट और व्यवस्थित उज्जैन बनाना लक्ष्य- प्रशासन का लक्ष्य है कि सिंहस्थ 2028 से पहले उज्जैन को एक ऐसा मॉडल शहर बनाया जाए, जहां ट्रैफिक सुचारु, सुरक्षित और व्यवस्थित हो। अंडरपास और सड़क परियोजनाएं इसी दिशा में अहम कदम मानी जा रही हैं।

# दरवाजा तोड़ थाना प्रभारी ने बचाई पति-पत्नी की जान

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** पति पत्नी ने गुरुवार शुक्रवार रात गले में मौत का फंदा डाल लिया और लटक गए। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी टीम के साथ मौके पर पहुंचे दरवाजा तोड़कर दोनों को फंदे से नीचे उतार लिया गया। दोनों की सांस चल रही थी तत्काल अस्पताल पहुंचाया जहां उनकी जान बच गई।

घट्टिया थाना क्षेत्र के नजरपुर में रहने वाले आसिफ पटेल के व्हाट्सएप से वायरल हुए मैसेज में करने की जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी करण खोवाल टीम के साथ रात में नजरपुर पहुंचे और कमरे का दरवाजा तोड़कर आसिफ पटेल को फंदे से नीचे उतारा उसकी पत्नी रीना ने भी आत्महत्या का प्रयास किया था दोनों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया जहां उनकी जान बचा ली गई लेकिन सुबह भी दोनों अस्पताल में भर्ती थे। बताया जा रहा है पारिवारिक विवाद के चलते दोनों मानसिक तनाव में थे उन्होंने कुछ साल पहले परिवार की मर्जी के खिलाफ शादी की थी। थाना प्रभारी खोवाल अनुसार मामले में जांच की जा रही है अस्पताल से छुट्टी होने पर पति-पत्नी से पूछताछ की जाएगी विवाद का समाधान किया जाएगा।

दोस्तों को भेजा था मैसेज

बताया जा रहा है कि आसिफ ने व्हाट्सएप मैसेज अपने दोस्तों को भेजा था। जिसमें आसिफ ने अपने माता-पिता, मामा, बुआ और पहली पत्नी से परेशान होकर पत्नी बिना के साथ आत्महत्या करने की बात लिखी थी और परिवार के सभी सदस्यों को मौत का जिम्मेदार बताया था। उक्त मैसेज की जानकारी जैसे ही पुलिस को मिली तो वह नजरपुर पहुंची और दरवाजा बंद पाकर तोड़ा था।

दूसरी शादी से नाराज थे पिता- घटनाक्रम के बाद जानकारी सामने आई थी आसिफ की पूर्व में शादी हो चुकी थी उसकी पहली पत्नी से दो बच्चे हैं बावजूद आसिफ ने कुछ साल पहले दूसरी शादी कर ली थी इसी बात से उसके पिता नाराज थे और पर से बेदखल कर दिया था। काफी समय तक आसिफ घर से लग रहा लेकिन उसे दिन पहले ही वह अपने पिता के घर लौटा था जहां विवाद होने लगा था इसी के चलते उसमें फांसी लगाकर आत्महत्या की कोशिश की।

# आखिरकार देवास रोड का तरणताल हुआ शुरू... सुबह 6 से रात 10 बजे तक मिलेगा समय

## एक-एक घंटे की पारी तय, शुल्क 400 से 2000 रुपए- सदस्यता के लिए आधार व फोटो जरूरी

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** देवास रोड स्थित अंतरराष्ट्रीय स्तर का आधुनिक तरणताल आखिरकार शहरवासियों के लिए गुरुवार शाम से खोल दिया गया है। इसका लोकार्पण 19 मार्च को मुख्यमंत्री द्वारा किया गया था। उद्घाटन के बाद सात दिनों तक इसे निःशुल्क खोला गया था, जिसके बाद इसे अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था। अब नगर निगम ने दोबारा इसे शुरू करते हुए समय, शुल्क और नियम निर्धारित कर दिए हैं।

कोठी रोड स्थित तरणताल का संचालन नगर निगम के अधीन रहेगा और इसके लिए जितेंद्रसिंह जादौन को प्रभारी बनाया गया है। यह व्यवस्था प्रारंभिक रूप से लागू की गई है, जिसमें आगे चलकर आवश्यकतानुसार बदलाव भी किए जा सकते हैं। सदस्यता लेने के लिए इच्छुक व्यक्तियों को एक फोटो और आधार कार्ड की प्रति पूल परिसर स्थित कार्यालय में जमा करना अनिवार्य होगा। तरणताल का समय सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक रखा गया है, जबकि प्रत्येक सोमवार को यह बंद रहेगा। प्रत्येक पारी एक घंटे की होगी, जिसमें 45 मिनट तैराकी के लिए निर्धारित किए गए हैं।

पारी के अनुसार समय- प्रथम पारी में तैराकों के लिए सुबह 6 से 7 बजे, महिलाओं के लिए 7 से 8 बजे, परिवार के लिए 8 से 9 बजे तथा पुरुषों के लिए सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक समय तय किया गया है। द्वितीय पारी में पुरुषों के लिए दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक, महिलाओं के लिए शाम 7 से 8 बजे, परिवार के लिए रात 8 से 9 बजे तथा तैराकों के लिए रात 9 से 10 बजे तक समय निर्धारित किया गया है।

आयु सीमा व नियम- तरणताल में वयस्कों के लिए आयु 18 वर्ष से अधिक रखी गई है, जबकि बच्चों के लिए 3 से 18 वर्ष तक की सीमा तय की गई है। 6 वर्ष से कम आयु के बच्चों के साथ अभिभावक का रहना अनिवार्य होगा। सभी के लिए स्विमिंग पोशाक पहनना जरूरी किया गया है।

शुल्क निर्धारित- बड़ों के लिए मासिक शुल्क 2000 रुपए और साप्ताहिक शुल्क 600 रुपए रखा गया है। वहीं बच्चों के लिए मासिक शुल्क 1500 रुपए और साप्ताहिक शुल्क 400 रुपए तय किया गया है। नगर निगम का दावा है कि शुरू की गई इस सुविधा से शहरवासियों को बेहतर तैराकी व्यवस्था का लाभ मिलेगा।

# सिंहस्थ के कार्य कराने वाले प्रत्येक विभाग के इंजीनियर सुबह साइट पर रहकर प्रतिदिन कार्य प्रगति के फोटो अपलोड करें - संभागायुक्त श्री सिंह

## संभागायुक्त श्री सिंह ने सिंहस्थ 2028 के कार्यों की समीक्षा बैठक में संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत निर्माणाधीन कार्यों को कराने वाले विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक में संभागायुक्त श्री आशीष सिंह ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सिंहस्थ के तहत प्रचलित कार्यों की गति बढ़ाई जाए। श्री सिंह ने निर्देश दिए कि निर्माण कार्य कराने वाले प्रत्येक विभाग के इंजीनियर सुबह साइट पर मौजूद रहकर प्रतिदिन के कार्य प्रगति के फोटो पोर्टल और वाट्सअप ग्रुप पर अपलोड किए जाएं। श्री सिंह ने कहा कि कार्य में कौताही बरती तो कार्यवाही की जाएगी। बैठक में कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह भी मौजूद रहे।

सिंहस्थ मेला कार्यालय के सभागार में शुक्रवार को सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत विभिन्न विभागों के माध्यम से प्रचलित अद्योसंरचना विकास कार्यों की समीक्षा बैठक संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक के दौरान विभिन्न कार्य कराने वाले विभाग द्वारा निर्माणाधीन कार्यों की प्रगति की जानकारी प्रस्तुत की गई। इस दौरान संभागायुक्त श्री सिंह ने कार्य प्रगति को लेकर बैठक में उपस्थित निर्माण कार्य कराने वाले संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सिंहस्थ के निर्माण कार्यों के लिए अब प्रत्येक दिन महत्वपूर्ण है। सभी विभाग सचेत रहते हुए गुणवत्ता के साथ कार्य समय सीमा में पूर्ण करें।

संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि निर्माण कार्य करने वाले प्रत्येक विभाग के इंजीनियर इस बात का ध्यान रखें कि प्रतिदिन सुबह कार्य की साइट पर जाकर कार्य की मॉनिटरिंग कर प्रतिदिन के कार्य प्रगति के फोटो लेकर पोर्टल और व्हाट्सएप ग्रुप पर अपलोड करेंगे। संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि कार्य में लापरवाही करने वालों पर कार्यवाही की जाएगी।

# विषय बदलकर कॉलेज में प्रवेश अब वॉक-इन-इंटरव्यू से

## 27 अप्रैल से अग्रणी कॉलेजों में साक्षात्कार शुरू, उच्च शिक्षा विभाग की नई गाइडलाइन लागू

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** उच्च शिक्षा विभाग की नई गाइडलाइन के तहत अब स्नातक (यूजी) और स्नातकोत्तर (पीजी) में संकाय या विषय बदलकर प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को वॉक-इन-इंटरव्यू प्रक्रिया से गुजरना होगा। सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर अपने परिक्षेत्र के सभी महाविद्यालयों में इसे लागू करने के निर्देश दिए हैं।

विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज ने प्राचार्यों की बैठक लेकर शासन की गाइडलाइन से अवगत कराया और इसके पालन को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। नई व्यवस्था के तहत विषय परिवर्तन करने वाले छात्रों के लिए अब साक्षात्कार अनिवार्य कर दिया गया है। कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार शर्मा के अनुसार, यह व्यवस्था विशेष रूप से उन विद्यार्थियों के लिए लागू होगी जो कक्षा 12वीं के बाद स्नातक प्रथम वर्ष में अपना संकाय बदलना चाहते हैं।

उदाहरण के तौर पर विज्ञान का छात्र यदि कला या वाणिज्य में प्रवेश लेना चाहता है, या वाणिज्य का छात्र विज्ञान अथवा कला में जाना चाहता है, तो उसे साक्षात्कार में शामिल होना अनिवार्य होगा। इसी प्रकार स्नातकोत्तर स्तर पर भी स्नातक के मेजर या माइनर विषय से अलग विषय में प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए राज्य स्तरीय एकीकृत परीक्षा की जगह अब वॉक-इन-इंटरव्यू प्रक्रिया लागू की गई है। नई गाइडलाइन के अनुसार, प्रत्येक जिले के शासकीय अग्रणी महाविद्यालय को नोडल एजेंसी बनाया गया है, जहां 27 अप्रैल से 14 मई तक प्रतिदिन सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक साक्षात्कार आयोजित किए जाएंगे। साक्षात्कार में सफल विद्यार्थियों को मौके पर ही पात्रता प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा, जिसकी एक प्रति ई-प्रवेश पोर्टल पर अपलोड करनी होगी। विश्वविद्यालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि विशेष परिस्थितियों में ऑनलाइन साक्षात्कार की सुविधा दी जा सकती है।

साथ ही अन्य राज्यों के विद्यार्थी भी अपने नजदीकी अग्रणी महाविद्यालय में पहुंचकर इस प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे। नई व्यवस्था के तहत प्रवेश नियमों के पालन की जिम्मेदारी संबंधित महाविद्यालय के प्राचार्य की होगी।

# महिला तेंदूपत्ता संग्राहकों के सशक्तिकरण के लिये प्रदेश में संवेदनशील और दूरदर्शी नीतियां : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार ने विशेष रूप से महिला तेंदूपत्ता संग्राहकों के जीवन में ठोस बदलाव लाने की दिशा में निर्णायक कदम उठाए हैं। प्रदेश सरकार नारी शक्ति के उत्थान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसी संकल्प को मूर्त रूप देते हुए मध्यप्रदेश में तेंदूपत्ता संग्राहक महिलाओं के हित में निर्णय लिये गये हैं। इन निर्णयों से 'नारी शक्ति वंदन' की भावना धरातल पर साकार हो रही है।

राज्य सरकार ने तेंदूपत्ता संग्रहण की दर को 3,000 से बढ़ाकर 4,000 प्रति मानक बोरा कर दिया है। इस निर्णय के परिणामस्वरूप प्रदेश में लगभग 708.8 करोड़ रुपये पारिश्रमिकका भुगतान किया गया है। इससे महिलाओं को लगभग 344.5 करोड़ रुपये का सीधा लाभ हुआ है। यह वृद्धि केवल आय बढ़ाने का उपाय नहीं, बल्कि ग्रामीण और वनवासी महिलाओं को सम्मानजनक आर्थिक पहचान देने का प्रयास है। संग्राहकों को कुल 132.42 करोड़ रुपये का बोनस वितरित किया गया है। इसमें महिला संग्राहकों का हिस्सा लगभग 64.36 करोड़ रुपये है।

तेंदूपत्ता संग्रहण जैसे पारंपरिक कार्य को आधुनिकता से जोड़कर सरकार ने यह सिद्ध किया है कि नारी शक्ति संवेदनशील और दूरदर्शी नीतियों के माध्यम से समाज के हर स्तर पर परिवर्तन ला सकती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में यह पहल न केवल महिलाओं की आय बढ़ा रही है, बल्कि उनके आत्मविश्वास, सम्मान और सामाजिक स्थिति को भी नई ऊंचाई दे रही है।

तेंदूपत्ता संग्रहण क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रदेश में कुल 40.8 लाख संग्राहकों में लगभग 19.8 लाख महिलाएं हैं।

# युवकों की बाइक डिवाइडर से टकराई, 1 की मौत

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** शुक्रवार सुबह बड़नगर मार्ग पर तेज गति से दौड़ती बाइक अनियंत्रित होने के बाद डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में एक युवक ने मौके पर मौत हो गई दूसरा गंभीर घायल हुआ है।

चिंतामण थाना क्षेत्र के बड़नगर मार्ग स्थित गंगेड़ी में सुबह 7 बजे के लगभग बाइक सवार दो युवक तेज गति से गुजरते समय डिवाइडर से टकरा गए। दोनों गंभीर रूप से घायल हुए थे। सूचना मिलने पर एंबुलेंस मौके पर पहुंची दोनों को अस्पताल लाया गया लेकिन एक की मौत हो चुकी थी। घायल से पूछताछ में पता चला कि उसका नाम परमजीत पिता राम किशोर चौहान 18 वर्ष निवासी अयोध्या है दुर्घटना में मृतक उसका साथी कमलेश पिता रामदुलार 19 वर्ष है। दोनों अहमदाबाद में ठेके पर लाइट फिटिंग का काम करते हैं। काम खत्म होने पर बाइक से अपने घर अयोध्या लौट रहे थे। पुलिस ने मामले की सूचना परिजनों को दी है। जिनके आने पर मृतक का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। फिलहाल शव पोस्टमार्टम कक्ष में रखा गया है।